रविवार
21 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

गड्ढे में डूबकर दो भाई सहित तीन बच्चों की मौत
2

वित्त मंत्री बोलीं...हम इलेक्टोरल बॉन्ड फिर से लाएंगे, कांग्रेस नेताओं ने किया विरोध

एजेंसी/नई दिल्ली

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर फिर विवाद हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगर हम सत्ता में आए तो इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को फिर से वापस लाएंगे। इसके लिए पहले बड़े स्तर पर सुझाव लिए जाएंगे। यह घोषणा के बाद घमासान मच गया है। इसका विरोध करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि इस बार वे कितना लूटेंगे। इससे पहले 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक फंडिंग के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- यह स्कीम असंवैधानिक है। बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। जयराम रमेश ने पर लिखा- हम जानते हैं कि भाजपा ने पे-पीएम ने घोटाले से 4 लाख करोड़ की लूट की। अब वे लूट जारी रखना चाहते हैं। जरा इन तरीकों पर ध्यान दें। पे-पीएम 1- चंदा दो, धंधा लो। 2. पोस्टपेड घूस- ठेका दो, रिश्वत लो। प्री-पेड और पोस्टपेड के लिए घूस- 3.8 लाख करोड़। 3. पोस्ट-रेड घूस- हफ्ता वसूली। पोस्ट-रेड घूस की कीमत- 1853 रुपए। 4- फर्जी कंपनियां- मनी लॉन्ड्रिंग। फर्जी कंपनियों की कीमत- 419 करोड़। अगर वे जीते और इलेक्टोरल बॉन्ड फिर से लेकर आए तो इस बार कितना लूटेंगे। कपिल सिब्बल ने कहा- मैं निर्मला सीतारमण का सम्मान करता हूं। एक इंटरव्यू में वे कह रही हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड को फिर से लाएंगे। उन्होंने ये भी कहा कि जब पहली बार ये स्कीम ट्रांसपेरेंसी को ध्यान में रखकर लाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि इसमें पारदर्शिता नहीं थी। वे (सरकार) इसे नॉन-ट्रांसपेरेंट तरीके से लेकर आए। अब समस्या है कि उनके पास इस चुनाव के लिए तो पैसा है, लेकिन वे ये भी जानते हैं कि अगर हार गए तो भी पैसे की जरूरत होगी। मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि वे इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था... कंपनियों की ओर से की गई फंडिंग व्यापार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। शीर्ष कोर्ट ने स्कीम को असंवैधानिक करार दिया था। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था, 'पॉलिटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है, जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। सुप्रीम कोर्ट ने सबसे ज्यादा चंदा देने वाली कंपनियों पर कहा था- किसी एक व्यक्ति की ओर से दिए गए चंदे के मुकाबले किसी कंपनी की ओर से की गई फंडिंग का राजनीतिक प्रक्रिया पर ज्यादा असर हो सकता है। कंपनियों की ओर से की गई फंडिंग शुद्ध रूप से व्यापार होता है। चुनावी चंदे के लिए कंपनी एक्ट में संशोधन मनमाना और असंवैधानिक कदम है। पूरी खबर पढ़ें... इलेक्टोरल बॉन्ड से भाजपा को सबसे ज्यादा फंडिंग 2018 से अब तक इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला। 6 साल में चुनावी बॉन्ड से भाजपा को 6337 करोड़ की चुनावी फंडिंग हुई। कांग्रेस को 1108 करोड़ चुनावी चंदा मिला।2017 के बजट में उस वक्त के वित्त मंत्री अरुण जेटली ने चुनावी या इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को पेश किया था। 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने इसे नोटिफाई किया। ये एक तरह का प्रोमिसरी नोट होता है। जिसे बैंक नोट भी कहते हैं। इसे कोई भी भारतीय नागरिक या कंपनी खरीद सकती है। अगर आप इसे खरीदना चाहते हैं तो आपको ये स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चुनी हुई ब्रांच में मिल जाएगा। इसे खरीदने वाला इस बॉन्ड को अपनी पसंद की पार्टी को डोनेट कर सकता है। बस वो पार्टी इसके लिए एलिजिबल होनी चाहिए।इस योजना को 2017 में ही चुनौती दी गई थी, लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी पॉलिटिकल पार्टियों को निर्देश दिया कि वे 30 मई, 2019 तक में एक लिफाफे में चुनावी बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें।

हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट में सीतापुर के परीक्षार्थियों का दबदबा

- यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट परीक्षाओं का रिजल्ट घोषित
- हाईस्कूल में 89.55 प्रतिशत, इण्टर में 82.60 प्रतिशत परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शनिवार को दसवीं और 12वीं के रिजल्ट घोषित कर दिए। इसके अनुसार, हाईस्कूल में 89.55 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए तो वहीं इंटमीडिएट में 82.60 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इस बार हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट की परीक्षाओं में सीतापुर के परीक्षार्थियों ने प्रदेश में टॉप किया है। हाई स्कूल में सीतापुर की प्राची निगम ने 98.50 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में टॉप किया है, जबकि फतेहपुर की दीपिका सोनकर (98.33 प्रतिशत) दूसरे और सीतापुर की ही नव्या सिंह (98 प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं इण्टरमीडिएट में सीतापुर के शुभम वर्मा ने 97.80 प्रतिशत के साथ पहला स्थान हासिल किया है, जबकि बागपत के विशु चौधरी (97.60 प्रतिशत) दूसरे और अमरोहा की काजल सिंह (97.60 प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहीं। हाईस्कूल में कुल उत्तीर्ण परीक्षार्थियों में 12,38,422 बालक तथा 12,23,604 बालिकाएं शामिल हैं। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 86.05 तथा बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.40 है। सम्पूर्ण परीक्षार्थियों में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 7.35 अधिक है। वहीं इण्टरमीडिए में कुल उत्तीर्ण परीक्षार्थियों में 10,43,289 बालक तथा 9,82,778 बालिकाएं हैं। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 77.78 तथा बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.42 है। सम्पूर्ण परीक्षार्थियों में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 10.64 अधिक है।

लगातार दूसरी बार सबसे कम समय में घोषित किया गया रिजल्ट: शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डा० महेन्द्र देव और माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिब्यकान्त शुक्ल ने परीक्षाफल घोषित करते हुए बताया कि वर्ष 2024 की बोर्ड परीक्षा के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद ने नए कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। इस वर्ष यूपी बोर्ड ने पहली बार रिकॉर्ड 12 कार्य दिवसों में परीक्षा संपन्न कराई है और साथ ही रिकार्ड 12 कार्य दिवसों में ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य सकुशल पूरा कराकर बोर्ड परीक्षा का परिणाम 100 वर्षों के इतिहास में वर्ष 2023 के बाद दूसरी बार सबसे पहले जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं 22 फरवरी, 2024 से 09 मार्च, 2024 के मध्य कुल 8,265 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई थीं। वहीं, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की लिखित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 16 मार्च, 2024 से 30 मार्च, 2024 के मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों में निर्धारित कुल 259 मूल्यांकन केंद्रों पर मात्र 12 कार्य दिवसों में संपन्न हुआ।

हाईस्कूल में बढ़ा बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत: हाईस्कूल की परीक्षा में कुल 29,36,353 संस्थागत एवं 11,982 व्यक्तिगत समेत कुल 29,47,335 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए। इनमें 27,38,999 संस्थागत तथा 10,365 व्यक्तिगत यानी कुल 27,49,384 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। सम्मिलित परीक्षार्थियों में से 14,39,243 बालक तथा 13,10,121 बालिकाएं शामिल रहीं।

तिहाड़ बोला-सीएम ने जेल आने से पहले इंसुलिन बंद की

सीएम दिल्ली अरविंद को मारने की साजिश : अतिशी

- 25 लाख रूपए के इनामी नक्सलियों के कमांडर शंकर राव को भी मार गिराने का पुलिस ने किया दावा
- घटनास्थल से बड़ी संख्या में आधुनिक राइफल, सात एके 47 राइफल, 3 एलएमजी बरामद किये गये

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की डायबिटीज को लेकर विवाद बढ़ गया है। तिहाड़ के अफसर ने शनिवार 20 अप्रैल को दावा किया कि केजरीवाल जेल आने के महीनों पहले इंसुलिन लेना बंद कर चुके थे। वे (केजरीवाल) सामान्य एंटी-डायबिटीज दवा मेटफॉर्मिन खाते हैं। ये रिपोर्ट दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को सौंपी गई है। तिहाड़ जेल ने दिल्ली के मंत्री आतिशी के बयान के बाद ये जवाब दिया है। आतिशी ने कहा था- भाजपा के इशारे पर केजरीवाल को जेल में मारने की साजिश हो रही है। केजरीवाल 12 साल से इंसुलिन ले रहे हैं। तिहाड़ प्रशासन को उन्हें इंसुलिन देने में आखिर क्या समस्या है? आतिशी ने ये भी कहा था कि केजरीवाल जेल जाने से पहले से रोज 50 यूनिट इंसुलिन लेते हैं। आतिशी का दावा- केजरीवाल का शुगर लेवल हाई, फिर भी इंसुलिन नहीं दे रहेमंत्री आतिशी ने शनिवार 20 अप्रैल को तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की 12 से 17 अप्रैल तक की शुगर लेवल रीडिंग शेयर की। आतिशी ने कहा है कि सीएम केजरीवाल का शुगर लेवल हाई होने के बावजूद उन्हें इंसुलिन नहीं दिया जा रहा। अगर समय से इंसुलिन नहीं मिलता है तो व्यक्ति के अंग धीरे-धीरे काम करना बंद करने लगते हैं। उधर, प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जेल प्रशासन उनकी अपील नहीं मान रहा है। कुल मिलाकर, यह केजरीवाल को खत्म करने की साजिश है। आतिशी ने लिखा- अगर इतने हाई शुगर लेवल पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी, तो व्यक्ति को धीरे- धीरे मल्टी ऑर्गन फेल्योर हो सकता है। यह कैसी क्रूर सरकार है जो डायबिटीज के मरीज को इंसुलिन देने से मना कर रही है। आतिशी ने पूछा कि जेल प्रशासन ने एलजी को केजरीवाल के खाने की रिपोर्ट क्यों ई-मेल की। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजों की तरह कैदियों का खाना और दवाएं रोकने की साजिश अरविंद केजरीवाल के साथ मोदी सरकार कर रही है। प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि कुल मिलाकर, यह केजरीवाल को खत्म करने की साजिश है, ताकि उनके कई अंग खराब हो जाएं और 2-4 महीने बाद जब वे जेल से बाहर आएं तो किडनी, हार्ट का इलाज कराने चले जाएं।

मेडिकल स्पेशलिस्ट ने कहा-नियम अनुसार हो रहा कार्य

मेडिकल स्पेशलिस्ट ने कहा- ओरल एंटी-डायबिटिक दवाएं एलएनजेपी अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, केजरीवाल को कभी भी न तो इंसुलिन लेने की सलाह दी गई और न ही उन्हें इसकी जरूरत थी। तिहाड़ की रिपोर्ट में कहा गया कि मेडिकल स्पेशलिस्ट ने केजरीवाल की हेल्थ 10 और 15 अप्रैल को चेक की थी। इसी स्पेशलिस्ट ने केजरीवाल को सलाह दी कि वे ओरल एंटी-डायबिटिक दवाएं लें। यह कहना गलत है कि केजरीवाल को किसी भी समय इंसुलिन देने से इनकार किया गया था। केजरीवाल के चेकअप के बाद मेडिकल स्पेशलिस्ट ने कहा था- जब से वे ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं, उनकी हर पैरामीटर्स पर जांच की गई। उनका ब्लड शुगर लेवल अलार्मिंग नहीं है और उन्हें फिलहाल इंसुलिन की जरूरत नहीं है।

एनडीए सरकार 150 सीटों पर सिमट जाएगी, अपनी सरकार आएगी तो अग्नि वीर योजना उखाड़ फेंक दूंगा : राहुल गांधी

केटी न्यूज/भागलपुर

भागलपुर लोकसभा आम निर्वाचन 2024 का पहला चरण का चुनाव बिहार के चार जिलों में हो चुका है अब दूसरे चरण में भागलपुर में 26 अप्रैल को चुनाव होना तय हुआ है जिसको लेकर एक से एक दिग्गज राजनेता अपनी पार्टी और पार्टी के प्रत्याशियों के प्रचार के लिए आ रहे हैं और बिना कोई लाग लपेट के वोट मांगने का सीधा-सीधा काम कर रहे हैं, इस बाबत आज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भागलपुर के सैनडिस कंपाउंड मैदान में जनसभा की यहां उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बात करते हैं 40 सीटें आएंगे इतनी सीटें आएंगे उतनी सीटें आएंगे लेकिन मैं कहता हूं एनडीए को 150 से ज्यादा सीट नहीं आएंगे उन्होंने आगे यह भी कहा कि हमारी सरकार बनने वाली है अग्नि वीर योजना को उठाकर फेंक देंगे देश को दो तरह के शहीद बिल्कुल भी नहीं चाहिए हमारी पार्टी इसकी इजाजत नहीं देती है, वहीं उन्होंने भागलपुर वीडियो से अपील करते हुए अजीत शर्मा को भारी बहुमत से जीतने की अपील की, भागलपुर में अजीत शर्मा का मुकाबला को लेकर बिहार के चारों सीटों पर महागठबंधन की जीत सुनिश्चित कहा है।

इस कार्यक्रम में राहुल गांधी के साथ-साथ तेजश्वि मुकेश साहनी एवं पूर्णिया से बीमा भारती के अलावे भागलपुर के दर्जनों महागठबंधन के घटक दल वह कांग्रेस के कई पदाधिकारी व सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तंज करते हुए कहा कि मोदी सरकार पूरे बिहार को बेरोजगार की फैक्ट्री बना दिया है ग्रेजुएट डिप्लोमा होल्डर युवा दर-बदर की ठोकरे खा रहे हैं यह कहीं से सही नहीं है जनता सब कुछ देख रही है इस बार जनता मोदी सरकार को पूर्ण रूपेण मुंह तोड़ जवाब देगी। साथी नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उनकी योजनाओं पर घोर निंदा व्यक्त की।

मुरादाबाद से भाजपा उम्मीदवार कुंवर सर्वेश सिंह का निधन

एजेंसी/मुरादाबाद

पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह (72) की दिल्ली स्थित एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। निधन की जानकारी मिलने पर पार्टी में शोक की लहर फैल गई। मुरादाबाद लोकसभा के प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। नामांकन करने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। इसी कारण वह चुनाव प्रचार में भाग नहीं ले सके। पूर्व सांसद के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि वह अपने मेडिकल चेकअप कराने के लिए दिल्ली स्थित एम्स गए थे। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। निधन की जानकारी मिलने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने शोक जताया है। प्रदेश अध्यक्ष रविवार को उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लखनऊ से आएंगे। बता दें कि भाजपा के कुंवर सर्वेश कुमार सिंह ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट से वर्ष 1991, 1993, 1996, 2002 औप 2012 में (पांच बार) विधायक निर्वाचित हो चुके थे। वह वर्ष 2014 में सांसद रह चुके थे। 2019 में उन्हें सपा के एसटी हसन ने हरा दिया था। उनके बेटे शुशांत सिंह बिजनौर जिले की बड़ापुर विधानसभा सीट से विधायक रहे हैं। डीएम मानवेंद्र सिंह ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश कुमार के निधन की जानकारी मिली है। इससे चुनाव प्रक्रिया पर को कोई असर नहीं पड़ेगा।

सभी जनपदों में अंतर्विभागीय समन्वय के साथ मनाया जाएगा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा

22 अप्रैल से 4 मई तक चलेगा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए योगी सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। इसको लेकर सीएम योगी ने परिवहन विभाग को सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में परिवहन विभाग ने सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत सभी जनपदों में आगामी 22 अप्रैल से 4 मई तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा अंतर्विभागीय समन्वय के साथ मनाया जाएगा। दरअसल, ओवरस्पीडिंग, रांग साइड ड्राइविंग, मोबाइल फोन का प्रयोग एवं ड्रंकन ड्राइविंग सड़क दुघर्टनाओं के प्रमुख कारण होते हैं। यह एक मैन मेड डिजास्टर है इसलिये इसमें कमी लाने के लिये अवेयरनेस बिल्ट करने की जरूरत है। यह एक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा है।

स्कूली वाहनों का कराया जाए फिटनेस टेस्ट: सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत प्रदेश के सभी स्कूली वाहनों का फिटनेस तथा वाहन चालकों के मेडिकल फिटनेस की जांच करायी जायेगी। सभी शिक्षण संस्थानों में प्रार्थना सभा में छात्रों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी जायेगी एवं सुड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कराया जायेगा। कॉमर्शियल चालकों हेतु हेल्थ कार्ड अनिवार्य रूप से जारी किये जायेंगे। ओवरलोडिंग को

टास्क फोर्स द्वारा सोर्स प्वाइंट ही रोका जायेगा। इसके अलावा परिवहन विभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये समय-समय पर निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। इस तरह से बहुत लोगों की जिन्दगी को बचा सकते हैं।

सड़क दुर्घटनाओं का एनालिसिस कर एक्शन लिया जाये: निर्देश दिया गया है कि सभी मण्डल एवं जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें अनिवार्य रूप से होनी चाहिये। इसके लिये सभी मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी दिन निर्धारित करें। बैठक में सड़क सड़क दुर्घटनाओं का जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर उनके भी सुझाव लिये जायें। इसके अलावा बैठक में विषय विशेषज्ञों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर सकते हैं। समिति की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं का एनालिसिस कर एक्शन लिया जाये। एक्शन का रिजल्ट धरातल पर भी दिखना चाहिये। किसी भी चालक का लगातार तीन बार से अधिक चालान होने पर उसका लाइसेंस निरस्त किया जाये। इसके बावजूद भी उल्लंघन करने पर उसके वाहन का पंजीयन निरस्त कराया जाये। इसके अतिरिक्त जनपद में उपलब्ध क्रिटिकल केयर फैसिलिटी का भी समय-समय पर निरीक्षण करें, ताकि सड़क दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को जनपद में ही उपचार मिल सके।

कटिहार में जनसभा को संबोधित करते हुए लालू के परिवादवाद पर साधा निशाना

नीतीश ने लालू के परिवारवाद पर किया हमला, कहा...पति हटे तो पत्नी बनी सीएम

केटी न्यूज/कटिहार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा के दौरान बड़ा बयान दे दिया है। कटिहार में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने लालू परिवार पर विवादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इन दिनों सब कुछ दावा करते हैं। जब उन्हें हटाया गया तो उन्होंने अपनी पत्नियों को नियुक्त किया। अब, इन दिनों यह उनके बच्चे हैं। आप पैदा तो बहुत कर दिए। इतना ज्यादा बाल-बच्चा किसी को पैदा करना चाहिए किसो को क्या। लेकिन, इतना किया। अब उन्होंने अपने बेटे-बेटियों सबको शामिल कर लिया है, वो हर जगह कुछ-न-कुछ कहते रहते हैं, पुरानी बातें भूल जाते हैं, इसलिए मैं सबको बताना चाहता हूं कि कोई भी काम नहीं हो पाता था बाहर, कोई सड़क या शिक्षा नहीं थी..इससे पहले पूर्णिया के बनमनखी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पति-पत्नी ने बिहार में राज किया। पति हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया। 2005 से पहले बिहार में कुछ भी नहीं था। लोग बाहर निकलने से डरते थे। इसके बाद देखिए कितना काम हुआ है। हमने सब काम करवाया। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने बीमा भारती जमकर निशाना साधा। उन्होंने रहा कि बीमा भारती को विधायक बनाए, कैबिनेट में भी शामिल किया। जिद पर अड़ी थीं मंत्री बना दीजिए। मना कर दिए तो सब कुछ भूल के इधर से उधर चली गईं। बिहार के विकास के लिए हमलोगों ने कितना काम किया है। देर शाम होते ही लोग 2005 से पहले नहीं निकलते, लेकिन जब से हम सरकार बने जंगलराज को मिटा दिए।

पहले चरण में कोई लड़ाई नहीं : तेजस्वी यादव

पटना। चार लोकसभा सीटों पर चुनाव के बाद तेजस्वी का दावा, कहा-बिहार की चार लोकसभा सीटों पर पहले चरण के मतदान के बाद सियासत तेज हो गई है। पक्ष-विपक्ष के नेता अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले चरण में कोई लड़ाई नहीं है। हमने कई बार कहा है कि बिहार इस बार चौंकाने वाले परिणाम देगा। बिहार की जनता के लिए इनलोगों ने कुछ नहीं किया है। बिहार की तथाकथित डबल इंजन सरकार का एक इंजन भ्रष्टाचार में है और दूसरा अपराध में है। इन लोगों ने 17 साल में कुछ नहीं किया। हमने 17 महीने में कर दिखाया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में कुछ और कहा था, वह पूरा नहीं हो पाया। 2019 में जो वादा किया, वह भी पूरा नहीं हो पाया। 2024 में 400 पार कर रहे थे लेकिन पहले दिन ही इनकी फिल्म फ्लॉप हो गई। जनता ऊब चुकी है इनके जुमलों और झूठे वादों से। इस बाद तो अद्भुत है। इनलोगों ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का जिक्र तक नहीं किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा नेताओं में से किसी ने भी विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग नहीं की। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनती है तो विशेष राज्य का दर्जा के साथ विशेष पैकेज भी देंगे। विशेष पैकेज के तहत एक लाख 60 हजार करोड़ दिया जाएगा। यानी एक लोकसभा के लिए चार हजार करोड़ रुपये दिया जाएगा। हमलोग जानते हैं बिहार में किस चीज की जरूरत है। 17 महीने में हमलोगों ने पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। जनता भी जान चुकी है। इस बार का चुनाव लोकल मुद्दों पर हो रहा है।

गड्ढे में डूबकर दो भाई सहित तीन बच्चों की मौत, नहाने के दौरान हुआ हादसा, जेसीबी से खोदा गया था 20 फीट गड्ढा

केटी न्यूज/दरभंगा

दरभंगा के मनीगाछी में 20 फीट गहरे गड्ढे में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई है। घटना शनिवार दोपहर की है, जहां तीनों बच्चे नहाने गए थे। इस दौरान तीनों की उसी गड्ढे में डूबने से मौत हो गई है। इसमें दो बच्चे एक ही परिवार के हैं। आपस में भाई हैं। पूरा मामला मनीगाछी थाना क्षेत्र के नजरा मोहम्मदा गांव का है, जहां तीन बच्चों की मौत जेसीबी से खोदे गए गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। तीनों की लाश मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया है। मृत बच्चों की पहचान नारायणपुर गांव निवासी अशरफ अली के बेटे मो. एबादुल्ल्लाह (12) और मो. सनाउल्लाह (11) वहीं, मो. अंजिर के बेटे मो. अलरकीब (10) के रूप में हुई है। घटना के बारे में बताया जाता है कि ये सभी मृतक अपने अन्य कुछ बच्चों के साथ सुबह घर से निकले थे। घर से करीब एक किलोमीटर दूर नजरा मोहम्मदा गांव में रेलवे लाईन के पास अवस्थित तालाब नुमा गड्ढे में नहाने के लिए नीचे उतरे। इसी दौरान खउइ से खोदे गए इस गड्ढे की गहराई में य सभी उपलाने लगे। इसके अन्य साथियों ने जोर-जोर से आवाज लगाई। आवाज सुनकर वहां दौड़ आए लोगों ने उन्हें गहरे पानी से बाहर निकाला, तो सभी बेहोश थे। लोगों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची मनीगाछी की पुलिस ने तीनों लाशों को अपने कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया में जुट गई है। मनीगाछी थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने कहा कि तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए दरभंगा मेडिकल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरी ओर इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बूरा हाल। उनलोगों यह विश्वास ही नहीं पा रहा है कि उनके कलेजा का टुकड़ा अब इस दुनिया में नहीं है।

अवध-असम एक्सप्रेस में 52.48 लाख कैश पकड़ाया

कटिहार। रेल पुलिस ने अवध-असम एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक व्यक्ति के पास से 52 लाख 48 हजार रुपए कैश बरामद किया है। व्यक्ति का नाम अनिल कुमार है। रेल पुलिस ने बताया कि समस्तीपुर में किसी प्रत्याशी को रुपया पहुंचाना था। इसका खुलासा अनिल कुमार के मोबाइल चैट से हुआ है। कटिहार जंक्शन पर लोकसभा चुनाव को लेकर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेनों में जांच की गई। दिल्ली जाने वाली अवध-असम एक्सप्रेस जंक्शन पर पहुंची तो रेल पुलिस ने कोच की चेकिंग शुरू की। इस दौरान एसी कोच संख्या ए-2 के 44 नंबर सीट पर सफर कर रहे अनिल कुमार की बैग तलाशी की गई। बैग रुपयों से भरा था। पुलिस ने पूछताछ की तो कभी 10 लाख तो कभी 20 और 25 लाख बताने लगे। रेल पुलिस एसपी डॉ संजय भारती ने चुनावी आचार संहिता नियमावली के अनुसार सीनियर अधिकारी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। अनिल कुमार मधुबनी के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मैं इन पैसों को अपने भाई को देने वाला था। हम लोग दिल्ली में ठेकेदारी का काम करते है। अपने निजी मित्र से यह धनराशि उधार लिए है, जिसको लेकर दिल्ली जा रहे थे। रेल एसपी संजय भारती ने बताया कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के लोग भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अनिल के पास से पैसे का कोई हिसाब या कोई कागज नहीं मिल सका है।

काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती: तेजस्वी

पटना। तेजस्वी ने पहले फेज की वोटिंग को लेकर पटना में शनिवार को कहा कि जो भी वोट पड़े हैं। वो महागठबंधन के पक्ष में पड़े हैं। बीजेपी की फिल्म 400 पार को जनता ने पहले ही फेज में सुपर फ्लॉप कर दिया है। वहीं आज राहुल की सभा के लिए जाने से पहले पटना एयरपोर्ट पर कहा कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। झूठ का पहाड़ उनका ढह गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हजार, लाख सब पार हो जाएगा। जनता को बार-बार बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है। इस चुनाव में आईना साफ हो जाएगा।

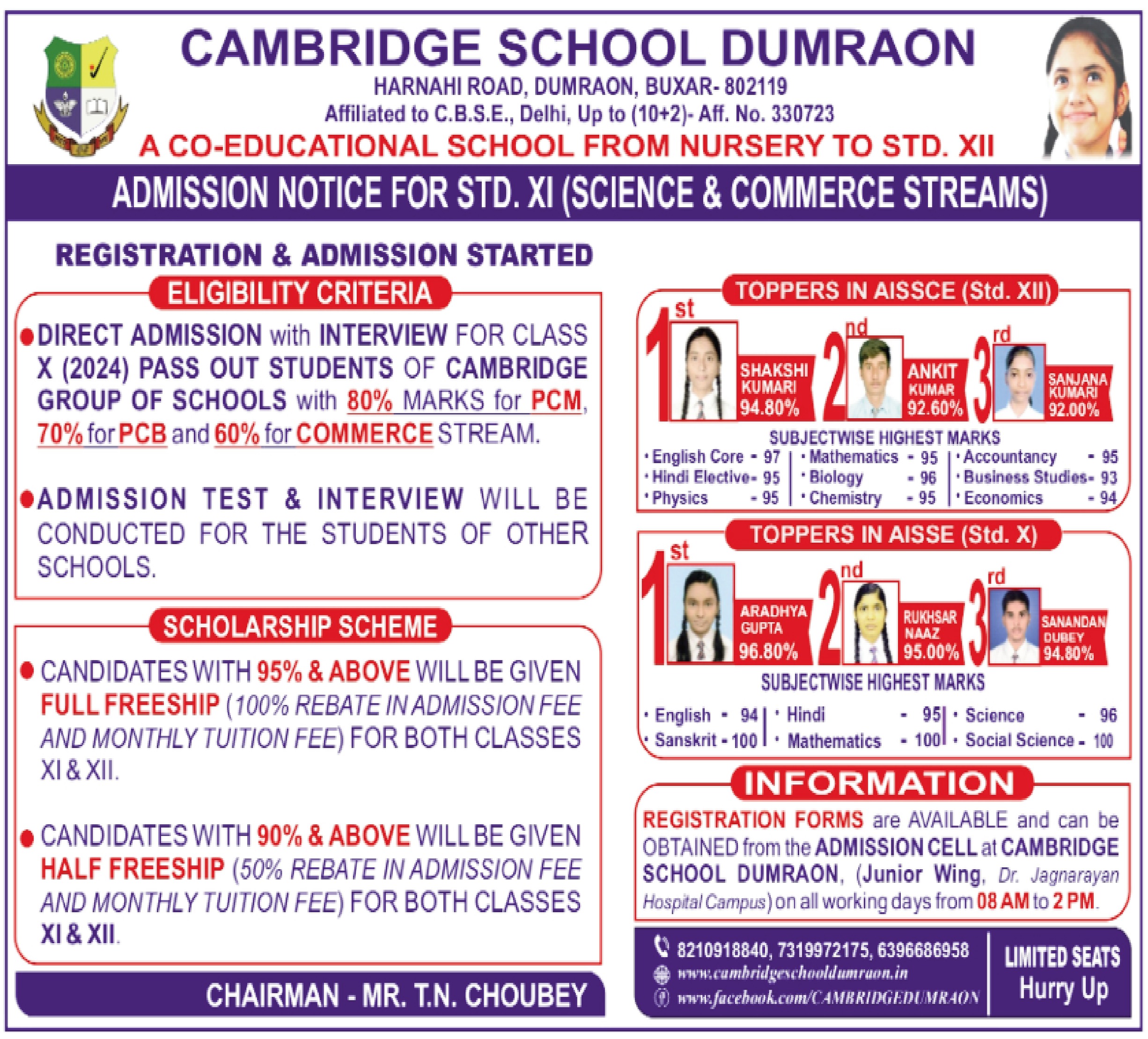

एक दशक से अधर में लटका है निकृष पंप हाउस योजना, नहीं बन पाया है चुनावी मुद्दा

केटी न्यूज/चौसा

हाल में निमार्णाधीन पॉवर प्लांट के भूमि अधिग्रहण को लेकर सुर्खियों में चली रहे चौसा प्रखंड के किसानों के समझ सिंचाईं भी एक गंभीर समस्या है। इस समस्या के समधान के लिए वर्ष 2010 से ही स्थानीय प्रखंड के करीब आधा दर्जन गांवों के किसानों ने लंबा संघर्ष किया था। किसान प्रखंड मुख्यालय से लगायत राजधानी तक संघर्ष का किए थे। किसानों का कहना था कि प्रखंड क्षेत्र में सिंचाईं के साधनों के अभाव में खेत बंजर रह रहे है। उनका संघर्ष दो वर्षों तक चला था। इसके बाद राज्य सरकार ने 2012 में कर्मनाशा नदी से निकलने वाले निकृष पंप योजना की स्वीकृति दी थी। इसके तहत 62 करोड़ की लागत से नाबार्ड को पंप हाउस बनाने तथा ह्यूम पाइप के सहारे खेतों तक पानी पहुंचाने का जिम्मा मिला था। लेकिन एक दशक बाद भी यह योजना पूरी नहीं हो सकी हैं। हालांकि, पंप हाउस बनकर तैयार हो गया है। लेकिन, किसानों के खेत तक एक बूंद भी पानी नहीं पहुंच सकी है। लिहाजा 62 करोड़ रूपए खर्च होने का कोई फायदा नहीं मिल सका है। इस दौरान दो बार लोकसभा व दो बार विधानसभा चुनाव भी संपन्न हुए। सिर्फ चुनाव के समय ही नेताओं को इस पंप हाउस के चालू कराने की याद आती है, इसके बाद कोई दुबारा सुधि लेने नहीं आता है।

जिस कारण इलाकाई किसान खुद को ठगा महसूस करते है। लेकिन, इस बार के आसन्न लोकसभा चुनाव में किसान प्रत्याशियों को सबक सिखाने की ठान चुके है। किसानों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि राजनैतिक दलों ने इसे अपना चुनावी मुद्दा भी नहीं बनाया है। बता दें कि जिले के अंतिम छोर पर स्थित चौसा प्रखंड के रामपुर व राजपुर क्षेत्र के किसानों की खेती में सिंचाई का पानी जटिल समस्या थी। हर वर्ष खरीफ व रबी फसलों की बुआई किसान इंद्र भगवान के सहारे करते है, बारिश अच्छी नहीं होने पर क्षेत्र के किसानों को सूखे की मार झेलनी पड़ती थी। जिसको लेकर ग्रामीणों के आंदोलन पर वर्ष 2012 में कर्मनाशा में निकृष पम्प हाउस निर्माण की मंजूरी मिली थी। दो वर्ष बाद 62 करोड़ की लागत से निकृष में पम्प हाउस का निर्माण प्रारम्भ किया गया। जिसमें 42 करोड़ रुपए सिविल कार्य पर बाकी 20 करोड़ रुपए यांत्रिक कार्य पर खर्च किए जाने थे। इस पम्प हाउस के निर्माण से चौसा व राजपुर प्रखंड के लगभग 2700 हेक्टेयर भूमि के सिंचाईं का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। मंजूरी के बाद निर्माण मे कुछ तकनीकी गड़बड़ी, कोविड काल तथा कुछ विभागीय लापरवाही आदि समस्या से निकृष पम्प हाउस का निर्माण समय से पूरा नहीं हो सका था। मंजूरी के बाद निर्माण मे कुछ तकनीकी गड़बड़ी, कोविड काल तथा कुछ विभागीय लापरवाही आदि समस्या से निकृष पम्प हाउस का निर्माण समय से पूरा नहीं हो सका था। वर्ष 2021 में तत्कालीन डीएम ने इस पम्प हाउस के निर्माण कड़ी मॉनिटरिंग खुद शुरू की तो निर्माण कार्यों में तेजी आई। लेकिन, यांत्रिक विभाग की लापरवाही के चलते पम्प हाउस का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। इस संबंध में कार्यरत सहायक अभियंता से सम्पर्क किया गया मगर इस सम्बंध उनसे जानकारी नही मिल पाई।

एक नजर

बुनियाद केन्द्र में आधुनिक मशीनों से होगा इलाज

डुमरांव। प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित बुनियाद केन्द्र दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस केन्द्र में इनके इलाज के लिए आधुनिक मशीन लग गए हैं। प्रतिदिन लोग केन्द्र में पहुंच मशीनों पर बैठ अभ्यास कर रहे हैं। इस केन्द्र के फीजियोथेरेपिस्ट विकास कुमार बताते हैं प्रचार.प्रसार के कारण कम लोग पहुंच रहे हैं। प्रखंड परिसर में पीएचसी के पीछे इसका अपना भवन बना हुआ हैए लेकिन दिखाई नहीं पड़ता। आने.जाने के लिए रास्ता भी नहीं हैए जिससे दिव्यांगों को वहां पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बुनियाद केन्द्र में नई तकनीक के मशीन स्टॉल कर दिए गए हैं। कार्यालय के समय पर कोई भी दिव्यांग आकर अपना एक्सरसाइज के माध्यम से इलाज करा सकता है। कैसे एक्सरसाइज किया जाएगा कौन मशीन से करना इसे उन्हें बताया जाता है। बुनियाद केन्द्र में थेरेपी की सुविधा भी दी जाती है। इसके लिए इलेक्ट्रो थेरेपीए आईएफटीए एसडबल्यूडीए डिजीटल आरआरआरए साइकलिंग जैसे उपकरण के साथ ही हाइपोथर्मिया बीमारी को दूर करने की मशीन भी आ गई है। इस बीमारी का लक्षण में आवाज धीमी और रूक.रूक कर आना। इससे खासकर बुजुर्ग ग्रसित होते हैं।

अस्पताल में नहीं हो रहा वाटर कुलर का उपयोग

डुमरांव। इस तपती गर्मी में अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को शीतल पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। ऐसा नहीं की शीतल पेयजल के लिए अस्पताल में मशीन की कमी है। विभाग ने जिस कम्पनी को वाटर कूलर नल लगाने के लिए आदेश दिया हैए उसने तो समान बहुत पहले ही पहुंचा दिया हैए लेकिन उसने स्टॉल नहीं किया हैए जिससे वह अस्पताल के गोदाम का शोभा बढ़ा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके अभिभावकों को शीतल पेयजल पिलाने के लिए किसी कंपनी को वाटर कूलर नल और कुछ एयर कूलर मशीन अनुमंडलीय अस्पताल को आपूर्ति का आदेश दिया था। आदेश के आलोक में समान को अस्पताल में पहुंचा दिया गया है। उक्त समान को अस्पताल के गोदाम में रखवा दिया गया कि कंपनी स्टॉल करने के लिए आएगी। अस्पताल के डाक्टर और स्टाफ कंपनी के कर्मियों का महीनें से इंतजार कर रहे हैंए लेकिन कोई अभीतक नहीं आया है। कईबार कंपनी से भी बात की गईए हरबार आने की बात कहा जाता हैए लेकिन कोई आता नहीं है। इधर गर्मी और गर्म हवा से अस्पताल के स्टाफ के साथ मरीज और उनके अभिभावक शीतल पेयजल की तलाश में भटकते रहते हैं। फिर बेचारे बाहर से पानी खरीद पीने पर मजबूर हो रहे हैं।

नेहरू युवा केंद्र ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

केसठ। क्षेत्र में लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासन कर्मी से लेकर जनप्रतिनिधि सख्ती के साथ जुटे हुए हैं। ताकि शांतिपुर्ण माहौल में चुनाव को संपन्न कराया जा सके। साथ ही ज्यादा से ज्यादा संख्या में बढ़-चढ़कर मतदाता मतदान कर सके। इसको लेकर तरह-तरह के अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को नेहरू युवा केन्द्र बक्सर द्वारा प्रखंड के स्थानीय नया बाजार सहित कई विभिन्न वार्डों में गहन मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसकी अध्यक्षता सोनू कुशवाहा ने किया। इस दौरान नेहरू युवा केंद्र के कार्यकताओं द्वारा लोगों को यह जागरूक किया गया कि अपना मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। क्योंकि यह आपका अधिकार है। आप मतदान अवश्य करें। एक साफ सुथरा एवं जनता के हित में जवाबदेह सरकार चुनने का हमारा दायित्व बनता है। एक मत इतना बहुमूल्य होता है कि किसी खास दल की सरकार बन सकती है अथवा गिर भी सकती है। इसलिए अपने मतदान का प्रयोग सही जगह करें। किसी के बहकावे में नहीं आना है। मौके पर गौतम कुमार, दुर्गेश कुमार, मनीष कुमार, मोहीत कुमार, रूचि कुमारी, खुशबू कुमारी, दिव्या कुमारी आदि उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

शराब के साथ महिला गिरफ्तार, पति फरार

डुमरांव । डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के नोनियाडेरा गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर देसी शराब के साथ महिला तस्कर को पकड़ने में कामयाबी पायी है जबकि पुलिस को देख महिला तस्कर का पति भागने में सफल रहा। पुलिस ने उसके ठिकाने से पांच लीटर देसी शराब बरामद किया हैं। इस मामले में थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त गांव में महिला शोभनी देवी के ठिकाने पर शराब का अवैध धंधा चल रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की जहां शराब के महिला को धर दबोचा जबकि उसका पति रामसहीन चौधरी भागने में सफल रहा। उन्होंने बताया कि महिला से कड़ी पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया जबकि फरार की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी जारी हैं।

तीन वारंटियों को पुलिस ने पकड़ा

डुमरांव । डुमरांव पुलिस ने अभियान चलाकर थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से फरार चल रहे तीन वारंटियों को धर दबोचा। पकड़े गये आरोपी पटेहरी मोहल्ला के रहने वाले जब्बार खान के पुत्र डोमा खान, लाखनडिहरा गांव निवासी शिवमुनि महतो के पुत्र राधाकिशन सिंह और बनवारी चौधरी के पुत्र जगनारायण चौधरी शामिल है। पुलिस ने बताया कि इसमें सभी वारंटियों के खिलाफ न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी का वारंट निर्गत किया गया था। पुलिस की कार्रवाई में तीनों पकड़े गये।

नप ने शहर में पेयजल का नहीं किया व्यवस्था

डुमरांव । गर्म हवा और तपती धूप से शहर में आने वाले लोगों का हलक सूख जाता है। गले का तर रकने के लिए बेचारे शीतल जल की तलाश में भटकने लगते हैं। नगर परिषद ने शहर में अभीतक शीतल पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं किया है। ऐसे में दूर-दराजसे आने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लग्न का समय होने के कारण गांव के लोग सामग्री खरीददारी करने के लिए आ रहे है। उन्हें परेशानी हो रही है। इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात किया गया तो उन्होंने बताया की अभीतक कोई आदेश नहीं आया है। आदेश मिलते ही पेयजल की व्यवस्था हर चौक .चौराहों पर कर दिया जाएगा। वैसे वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

तीन घण्टे मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पाया काबू

चौसा व राजपुर के छह मौजा में आग से सैकड़ों बीघे फसल राख

- चौसा के कठतर गांव में अगलगी की हुई घटना
- आग का तांडव लगभग तीन घण्टे तक रहा

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले में इनदिनों खेतों में आग लगने की घटना बढ़ गई। आकस्मिक आग लगने की घटना से किसानों की कमर तोड़ दी है। लगातार एक सप्ताह से बह रहे पछुवा हवा से धधक रहे खतों में खड़ी फसल जल जाने से किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। शनिवार की दोपहर अचानक से चौसा के कठतर गांव में आग लग गई। जब तक किसान जान खेतों की ओर पहुंचते धीरे-धीरे आग फैलता जा रहा था। जिसको लेकर दमकल वाहन को सूचना दी गई। चौसा से दमकल वाहन पहुंचा, तब तक फैलते आग धीरे-धीरे अन्य मौजों में पहुचता गया। जिसके बाद बक्सर व राजपुर से दमकल वाहनों को बुलाया गया। तब तक आग चौसा के चार मौजा सिकरौल के कठतर, जलीलपुर के पुरेन्दा,सरेंजा, पलिया के ओरा व गोसाईपुर से लेकर राजपुर के बभनी रघुनाथपुर तक लगभग सैकड़ों बीघे के खड़ी फसल को जला दिया। हालांकि, इस आग में बहुत सारे कटे खेत के डंठल भी आग में जल गए। आग का तांडव लगभग तीन घण्टे तक रहा। तब जाकर दमकल कर्मियों के मशक्कत

के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान आग बुझाने पर दो किसान झुलस भी गए। जिन्हें स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया। इससे पहले जलीलपुर में डंठल वाले खेतों में आग लगी थी। जहा दमकल कर्मियों ने पहुंच कर आग बुझाया था। उसके ठीक एक घण्टा बाद ये बड़ी आग की घटना हुई। हालांकि, आग कैसे लगी, इसकी किसी को जानकारी न हो सकी बताया जाता है कि इस आग की घटना में बड़े किसानों के साथ चार दर्जन से ऊपर छोटे किसान जो मालगुजारी पर खेतों में फसल उगाई थी। जिनकी फसल जलकर खाक हो गई। इस संबंध में सीओ आरती कुमारी ने बताया आग लगने की सूचना पर अग्निशमक दल के साथ कर्मचारी व कृषि समन्वयक को भेजा गया था। आंकलन के बाद सभी पीड़ित किसानों को मुआवजा की राशि से लाभान्वित किया जाएगा।

पुलिस चौकी से रामरेखा घाट तक अतिक्रमणकारियों पर चला नप का बुलडोजर

बक्सर। शनिवार को नगर परिषद प्रशासन अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त रूख अपनाया था। इस दौरान पुलिस चौकी से रामरेखा घाट तक कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद् बक्सर के देखरेख में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसमें पूर्व में नोटिस किये जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों पर कार्रवाई की गई तथा उनके अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहा दिया गया। नप की टीम ने सड़क किनारे लगे दुकानों के सामानों की जब्ती तथा रास्ते के किनारे बने अवैध दुकानों को ध्वस्त भी किया। मिली जानकारी के अनुसार नगर परिषद के ईओ अमित कुमार ने पदभार संभालने के बाद से कई बार नगर को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए शहर की सड़कों पर निकले, जिसमें इनके द्वारा रामरेखा घाट रोड, मॉडल थाना रोड, मेन रोड, स्टेशन रोड, पी पी रोड, इत्यादि का निरीक्षण करते हुए सभी अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटाने हेतु बार बार कहा। बावजूद दुकानदारों पर कोई असर नहीं दिखा। जिसके फलस्वरूप शनिवार को अतिक्रमण हटाने के क्रम में पुलिस चौकी से रामरेखा घाट तक रोड के किनारे दोनो तरफ भारी मात्रा में अतिक्रमणकारी चेतावनी देने के बाद भी अपना दुकान लगा कर व्यवसाय करते पाए गए एवं कुछ दुकानदार अपने सीमित क्षेत्र से आगे बढ़ा कर व्यवसाय करते पाए गए जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सामान जब्ती के साथ साथ अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया।

गेंहू की कटनी में जुटे हुए है गांव के लोग, खेत मे व्यतीत हो रहा सारा समय

डुमरांव। बक्सर लोकसभा क्षेत्र का चुनाव एक जून को संपन्न होगा। चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे इसकी सरगर्मी भी बढ़ने लगी है। लेकिन गांव के ग्रामीण अभी चुनावी बयार से दूर है। क्षेत्र के विभिन्न गांवों के किसान व मजदूर आज-कल अपने खेत-खलिहान में गेंहू की कटनी को लेकर व्यस्त हैं। सुबह से शाम तक इसी काम में जूझे रहते हैं। लगातार पारा चढ़ने और पछुआ हवा के तपिश के बीच किसान अपने खेती के काम को निपटाते हैं। इधर लगातार खेतों में अगलगी से जले गेंहू की फसल के बबार्दी से किसान चिंतित हैं। वे अपनी मेहनत की फसल को जल्द समेटने की चाह रखते हैं। जिस कारण अहले सुबह से देर रात तक फसलों की कटाई, थ्रेसिंग आदि में व्यस्त है। इससे लोकसभा चुनाव की ओर उनका कोई ध्यान नहीं जा पा रहा हैं। हालांकि गांव के हाट, बाजारों और चाय-पान के दुकानों पर आपसी मिलन के बाद ग्रामीण एक-दूसरे से चुनाव की चर्चा करते हैं, लेकिन ऐसे लोगों की संख्या काफी कम है। डुमरांव अनुमंडल के नेनुआ गांव निवासी मनोज कुमार ने बताया कि चुनाव की तारीख की उन्हें जानकारी नहीं है। वहीं लाखनडिहरा के सुरेश सिंह ने बताया कि रोजी-रोटी की व्यवस्था को लेकर अपने काम धंधे में लगे हुए हैं। जबकि चिलहरी के बब्लू राय, धनंजय कुमार आदि ने कहा कि जिस दिन वोट आयेगा उस दिन मतदान कर देंगे। अभी गेंहू की कटनी का समय हैं। इसी में सभी लोग लगे हुए हैं। नंदन के संजय पाल का कहना है कि फिलहाल तो गेंहू की कटनी को लेकर लोग व्यस्त हैं, जिससे चुनावी चर्चा नहीं हो रही है।

पड़ोसियों से बदला लेने के लिए पिता ने पुत्र के अपहरण की रची साजिश, पुलिस ने किया पदार्फाश

- मामला नैनीजोर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव का, पुलिस ने रिश्तेदार के घर से किशोर को किया बरामद

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

नैनीजोर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में एक किशोर के कथित अपहरण के मामले में पुलिस ने मात्र 24 घंटे में पटाक्षेप करते हुए उक्त किशोर को डुमरांव स्थित उसके एक रिश्तेदार के घर से बरामद कर लिया। किशोर को बरामद करने के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। मिली जानकारी के अनुसार किशोर के पिता श्रीभगवान यादव ने शुक्रवार को ही अपने पुत्र के अपहरण की शिकायत की थी, जिसमें पड़ोसियों पर पुत्र को गायब करने का आरोप लगा था। पुलिस को मामला संदेहास्पद लगा। पुलिस ने जब मामले की पड़ताल शुरू की तो पता चला कि श्रीभगवान को अपने पड़ोसियों से विवाद हुआ है, उन्हें सबक सिखाने के लिए ही उसने

अपने पुत्र को गायब किया है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे तकनीकी साधनों से खोज निकाला। पिता ने उसे डुमरांव स्थित एक रिश्तेदार के घर छिपाया था। शनिवार को पुलिस उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की है। जहां न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसकी पुष्टि नैनीजोर थानाध्यक्ष मो फिरोज आलम ने की है।

बंद रेलवे फाटक से जान जोखिम में डाल गुजरते हैं लोग

डुमरांव। आए दिन रेलवे ट्रैक पार करते हुए लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। बावजूद लोग अपनी मानसिकता को नहीं बदल रहे हैं। रेलवे फाटक बंद रहते हुए भी सैकड़ो लोग रेलवे ट्रैक को पार करते हुए निकलते हैं। कईबार ऐसी घटनाएं घटी है कि दोनों दिशाओं से एक साथ ट्रेन आ जाने से लोग उसकी चपेट आकर अपनी जान गंवा बैठते हैं। रेलवे ने लोगों की सुरक्षा के लिए ही फाटक लगाया हुआ हैए लोग उसके नीचे से होकर निकल जाते हैं। इतना ही नहीं साईकिल और बाइक सवार भी इस जोखिम को उठाते हुए रेलवे फाटक को पार करते हैं। ट्रेन गुजर रही थी। और मोटरसाइकिल और साइकिल चालक बंद फाटक से गुजर रहे थे।

गया से चुनावी ड्यूटी करने डुमरांव आया बिसैप का जवान लापता, पत्नी ने दर्ज कराई एफआईआर

केटी न्यूज/डुमरांव

गया से चुनावी ड्यूटी करने डुमरांव आया बीएसएपी-18 का एक जमादार पिछले 12 अप्रैल से ही गायब है। इस मामले में उसकी पत्नी ने स्थानीय थाने में उसके लापता होने का एफआईआर दर्ज कराई है। जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार जमादार कुंदन कुमार सिंह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के लखनउ का रहने वाला था। पिछले चार महीने से वह मानसिक बीमारी से जूझ रहा था, जिसका इलाज लखनउ के बलरामपुर हॉस्पिटल में चल रहा था। इधर उसका दवा समाप्त हो गया था तथा गया से चुनावी ड्यूटि पर आने के बाद उसने पत्नी को फोन कर

लखनउ से दवा लेकर डुमरांव आने को कहा था। यहां उसकी प्रतिनियुक्ति बीएसएपी-18 में हुई थी। उसकी पत्नी गीता अधिकारी 12 अप्रैल को दवा लेकर डुमरांव पहुंची। लेकिन, यहां उसका कुछ पता नहीं चला। हर थाकर पुलिस अधिकारी की पत्नी ने डुमरांव थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। थानाध्यक्ष अनिशा राणा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताई कि एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। वही पति के संबंध में जानकारी नहीं मिलने से पत्नी काफी परेशान है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए डीडीसी ने मतदाताओं से मतदान करने की अपील की

मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए डीडीसी ने निकाली साइकिल रैली, किया जागरूक

केटी न्यूज/बक्सर

जिला निवार्ची पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर शनिवार को उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल की अध्यक्षता में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए साइकिल रैली निकाली गई। यह साइकिल रैली इटाढ़ी प्रखंड मुख्यालय से प्रारंभ होकर इटाढ़ी धनसोई मुख्य मार्ग होते हुए अतरौना मोड़ से पॉलिटेक्निक कॉलेज होते हुए सरस्ती ग्राम से इटाढ़ी प्रखंड मुख्यालय आकर समाप्त हुआ। इसमें करीब सैकड़ो बच्चों ने भाग लिया। साइकिल रैली मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान एक जून को वोट देने के लिए अपील किया गया एवं लोकतंत्र के पर्व भी मनाने का अनुरोध किया गया। रैली के दौरान डीडीसी ने आग्रह किया कि इस बार के लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता घरों से निकलकर मतदान केंद्र पर अपना मत का प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र में अपना सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

डीडीसी ने कहा कि यह लोकतंत्र का महापर्व है, जो प्रत्येक पांच वर्ष पर आता है। इसे मजबूत बनाने तथा अपना बेहतर सरकार चुनने के लिए हमे स्वेच्छा से अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। डीडीसी ने इस दौरान रैली में शामिल छात्रों को भी अपने अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदान से लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि देश की आवाज युवा है। युवाओं के ऊपर ही देश का भार है। इसलिए युवाओं को इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। क्योंकि उन्हें ही अपने अनुसार देश का निर्माण करना है। तभी देश आगे बढ़ पाएगा। इसें युवाओं को पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा खुद तो अपना वोट डालें ही साथ ही उनके संपर्क में जो लोग है। उन्हें भी वोट डालने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर सहायक निवार्ची पदाधिकारी राजपुर (202)-सह-भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, प्रखंड विकास पदाधिकारी इटाढ़ी एवं प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी, नगर पंचायत के मुख्य पार्षद, वार्ड पार्षद, स्वास्थ्य विभाग के कर्मी, प्रधानाध्यापक आदि उपस्थित थे।

घरेलू विवाद में बहनोई ने साला को चाकू मार किया जख्मी, आरोपित गिरफ्तार

केटी न्यूज/नावानगर

घरेलू विवाद में कड़सर बस स्टैंड के पास एक बहनोई द्वारा अपने साले को बुला चाकू मारकर जख्मी करने की मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद आरोपित बहनोई को ग्रामीणों ने पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया है। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार बहनोई दावथ थाना के नवाबगंज निवासी विक्रमा यादव बताया जाता है। इधर जख्मी साला अगियांव बाजार थाना क्षेत्र के बीरपुरा गांव निवासी दीपक यादव का इलाज सीएचसी नावानगर में कराया गया। रंजू देवी ने बहनोई पर मारपीट करने एवं चाकू मारकर जख्मी करने की आरोप लगाते हुए सोनवर्षा ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराया है। रंजू ने बताया है कि आरोपी बहनोई बिक्रमा यादव अपनी पत्नी मानती देवी के साथ बीरपुरा आए हुए थे। किसी बात को लेकर आरोपी बहनोई अपने पत्नी के साथ मारपीट कर रहे थे। जिसपर मेरे पति द्वारा विरोध जताते हुए बीच बचाव किया गया। जिसके बाद आरोपी बहनोई बीरपुरा से कड़सर बस स्टैंड आ गए। मेरे पति को फोन कर बस स्टैंड बुलाए। जहां मेरे पति को चाकू मारकर बहनोई ने जख्मी कर दिया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह दिवस पर डीएवी पब्लिक स्कूल में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

♦ आप्तकालीन स्थित में आग से बचने का बताया गया गुर

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

स्थानीय शहर के तेंदुनी चौक स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अग्निशामालय अंतर्गत अग्निशमन सेवा सप्ताह दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का अयोजन हुआ। जिस कार्यक्रम का शुभारंभ अग्निशमालय पदाधिकारी रोहन प्रसाद यादव ने की। अवसर पर स्कूल के छात्रों ने अग्नि सुरक्षा जागरूकता से जुड़े पोस्टर का चित्रांकन प्रस्तुत की। जिसमे अच्छे चित्रांकन के लिए अव्वल आए फर्स्ट,सेकेंड व थर्ड श्रेणी के छात्र-छात्राओं को अग्निशमालय पदाधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गई। जिस प्रतियोगिता में भाग लेने अन्य छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संबोधन करते हुए अग्निशमालय पदाधिकारी रोहन ने बताया कि आग से घिर जाने पर खिड़की, दरवाजों आदि पर जाकर शोर मचाकर बाहर के लोगों से मदद मागें। जब अपने कपड़ों में आग लगने पर भागे नहीं। जमीन पर लेट कर अथवा कम्बल लपेट कर उसे बुझाने की कोशिश करें। साथ ही घर की सभी वस्तुओं को सुव्यवस्थित ढंग से रखें । वही आग बुझाने वाले यंत्रों तहत गीले रसायन, उड़, सूखा पाउडर, फोम और पानी से आग बुझाकर जा सकता है। मौके पर विद्यालय प्राचार्य ,अग्निशमालय कर्मी रमाकांत सिंह,राकेश कुमार गुप्ता,सचिन कुमार, अंकज कुमार कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

बराबर पहाड़ स्थित पातालगंगा इलाके में तीन दुकानों में लगी आग

जहानाबाद। शनिवार की दोपहर मखदुमपुर प्रखंड के बराबर पहाड़ स्थित पातालगंगा इलाके में अचानक तीन दुकानों में आग लग गई, आग लगने से दुकान में रखें सभी सामान जलकर राख हो गए, आगजनी की घटना में दुकानदारों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार बराबर पहाड़ स्थित पातालगंगा इलाके में बेलागंज थाना के जफरा निवासी पंकज कुमार, पप्पू यादव एवं वकील अहमद दुकान चलाते हैं। जिनकी दुकान में एकाएक शनिवार की दोपहर किसी ने आग लगा दिया, हालांकि आग लगाते किसी ने देखा नहीं हैं।

एक नजर

अंतिम दिन स्नातक थ्री की परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण हुई संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास)। अंतिम दिन शनिवार को स्नातक खंड तीन वर्ष 2021-24 की फाइनल परीक्षा शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर पहली पाली में

शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। संचालित परीक्षा के अंतिम दिन भी वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त परीक्षा के कारण परीक्षार्थियों के पसीने छूटते नजर आए। जहां महाविद्यालय प्रशासन संचालित परीक्षा 5 से 20 अप्रैल के अंतिम दिन भी परीक्षा केंद्र पर सघन अभियान जारी रखा। जिसको लेकर परीक्षा केंद्र पर सभी परीक्षार्थियों में सख्ती की चर्चा उनके जुबां पर थी। जबकि शहर में बने तीन परीक्षा केंद्रों में अंजबित सिंह महाविद्यालय,वीर कुंवर सिंह धारूपुर,महाविद्यालय सहित इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय थी। जिसके तहत सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या 2793 वीर कुंवर सिंह केंद्र परीक्षा केंद्र पर थी। जहां शनिवार के अंतिम दिन पहली पाली में सभी केंद्रों पर कला संकाय की जीईएस विषय की संपन्न हुई। हालांकि परीक्षा के अंतिम दिन भी तीनों परीक्षा केंद्र पर कोई परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए, लेकिन कुछ अनुपस्थित जरूर रहें। सख्ती पूर्ण संपन्न परीक्षा के संबंध में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त स्नातक संचालित परीक्षा के अंतिम दिन 20 अप्रैल को भी परीक्षा केंद्र में मुन्ना भाई, मोबाईल, ब्लूटूथ,गेस पेपर,इलेक्ट्रानिक उपकरण सहित चिट पुर्जे के विरुद्ध परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार से लेकर सभी परीक्षा केंद्र रूम के अंदर सघन जांच कर नकलची पर पैनी नजर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा रखी गई। जिससे परीक्षाथीयों दहशत कायम थी।वही इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय परीक्षा केंद्राधीक्षक बिनोद कुमार सिंह भी पूरे परीक्षा तक नकल के प्रति काफी सख्त नजर आए।

हत्या के आरोप को आजीवन कारावास

जहानाबाद। व्यवहार न्यायालय के ए डीजे न्यायालय द्वारा रजनीकांत पांडे हत्याकांड के चार आरोपी धीरज कुमार, प्रभात कुमार, आदित्य पांडे, एवं रोशन कुमार को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है साथ ही साथ आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 1 साल की अतिरिक्त सजा और चारों आरोपियों को 10- 10 हजार रुपए जुमार्ना की राशि सुनाई गई है। इस बात की जानकारी अपर लोक अभियोजन विनोद कुमार विनोद कुमार सिंह ने कहा की ए डीजे दो जावेद अहमद खान न्यायाधीश के द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद कहीं। गौरतलब हो की रजनीकांत पांडे की हत्या विगत 2 दिसंबर 2019 को इन सभी आरोपियों द्वारा गोली मारकर हत्या उत्तम मोड़ के पास की गई थी। आज न्यायालय द्वारा फैसला आने के बाद परिजन कुंदन पांडे ने बताया कि रजनीकांत पांडे की हत्या 2 दिसंबर 2019 अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और इसमें चार अपराधी शामिल थे जिसे न्यायालय ने दोषी पाते हुए सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। जिसे आज हमारा परिवार राहत की सांस लिया है और हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा था कि इन आरोपियों को सजा मिलेगी। यह घटना हुलासगंज थाना क्षेत्र के उत्तम पूर मोड़ के पास की है। गौरतलाब हो की रजनीकांत पांडे ए नंदिनी मिष्ठान भंडार के संचालक थे जिनकी हत्या की गई थी।

खबरें फटाफट

बालू लदे ट्रक के जोरदार टक्कर से बाल-बाल बचें चालक

काराकाट (रोहतास)। थाना क्षेत्र एनएच 120 डेहरी-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग पर इटवां गांव के समीप शनिवार को दोपहर डेहरी के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बिक्रमगंज के तरफ से आ रही ट्रक में सामने से जोरदार टक्कर मरते हुए अनियंत्रित होकर रोड़ के किनारे खाई में जा समाई। हादसा इतना जोरदार था कि दोनो ट्रक में हुए टक्कर के बाद जोरदार आवाज आई जिससे आस पास के लोग कुछ समय के लिए सहम सा गए । उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिला से बालू लेने के लिए ट्रक दाऊनगर घाट से बालू लेकर उत्तरप्रदेश जा रही थी। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि डेहरी ऑन सोन के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक के पीछे ही काराकाट पुलिस कि गाड़ी थी शायद उसी के डर से ट्रक ड्राइवर ने अपनी ट्रक तेज रफ्तार में लेकर भाग रहा था। बालू लदे ट्रक ने अपना नियंत्रण खोते हुए सामने से आ रही ट्रक में सीधे जाकर जोरदार टक्कर मार दिया। गनीमत रही कि घटना में किसी को गंभीर चोट नही आई।

लोकसभा चुनाव को लेकर एक्शन मूड़ में दिखे एसडीपीओ

बिक्रमगंज (रोहतास)। लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता को अनुपालन कराने के लिए बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय उतरे सड़क पर । आपको बताते चलें कि काराकाट,सासाराम व बक्सर लोकसभा में चुनाव अंतिम चरण यानी सातवें चरण में एक जून को होना है। जिसको लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने अनुमंडल क्षेत्र के आरा - सासाराम मुख्य पथ पर थाना क्षेत्र के मोहिनी चेक पोस्ट , दिनारा चेक पोस्ट एवं नासरीगंज चेक पोस्ट पर सघन तलाशी ली । जिसमें दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की सघन रूप से तलाशी ली गई । ताकि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में किसी तरह की कोई गड़बड़ी ना हो और कोई भी व्यक्ति अवैध सामग्री को लेकर सीमा के अंदर प्रवेश ना कर सके।

कोईलवर थाना क्षेत्र के हरंगी टोला के समीप शुक्रवार की रात की घटना

तिलक गये बाईक सवार दो युवकों की सड़क हादसे में मौत, दो अन्य घायल

♦ तिलक समारोह से लौटते समय किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार चारों युवकों को रौंद डाला
♦ इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान दोनों युवकों ने रास्ते में तोड़ा दम
♦ दोनों घायलों की हालत चिंताजनक, आरा में इलाज के बाद पटना रेफर
♦ पटना और भोजपुर के रहने वाले दोनों मृतक रिश्ते में बताये जा रहे जीजा-साला

केटी न्यूज/आरा

मृतक

मृतक

आरा-छपरा फोरलेन पर कोईलवर थाना क्षेत्र के हरंगी टोला मोड़ के पास शुक्रवार की देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। उसी बाइक पर सवार दो अन्य युवक भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आरा सदर अस्पताल में इलाज के बाद दोनों को पटना रेफर कर दिया गया है। चारों शुक्रवार की रात एक ही बाइक से तिलक से लौट रहे थे। तभी रास्ते में किसी वाहन ने चारों को रौंद डाला। मरने वालों में कोईलवर थाना क्षेत्र के पचरुखिया कला गांव निवासी छोटाई बिंद का 19 वर्षीय पुत्र रवि कुमार और पटना के मनेर थाना क्षेत्र के पूर्वी सूअर मरवा गांव निवासी विजय महतो के 23 वर्षीय पुत्र देवचंद कुमार थे। दोनों रिश्ते में जीजा-साला बताये जा रहे हैं। घायलों में पचरुखिया कला गांव निवासी 20 वर्षीय विकास कुमार और हाजीपुर गांव निवासी मोतीलाल महतो का 18 वर्षीय पुत्र बबलू कुमार शामिल हैं। चारों रवि कुमार की चचेरी बहन के तिलक में गये थे। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से चारों को आरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। रवि कुमार के बड़े भाई उपेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात उनके बड़े पापा सदानंद बिंद की बेटी का तिलक बड़हरा थाना क्षेत्र के छितनी के बाग गांव गया था। उनका भाई रवि कुमार तिलक में शामिल होने देवचंद कुमार, विकास कुमार और बबलू कुमार के साथ छितनी के बाग गांव गये थे। तिलक चढ़ जाने के बाद रात करीब साढ़े 11 बजे चारों एक ही बाइक पर सवार होकर गांव लौट रहे थे। उस बीच हरंगी टोला मोड़ के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में ठोकर मार दी। उसमें चारों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके बाद चारों को दिया। उसमें बाद चारों को आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां रवि कुमार और देवचंद कुमार को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं गंभीर रूप से जख्मी विकास कुमार और बबलू कुमार को प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

राजकोट में काम करता था रवि, तीन दिन पहले ही आया था गांव

सड़क हादसे के शिकार देवचंद कुमार और रवि कुमार दोनों बाहर रहते थे। दोनों कुछ दिन पहले ही पचरुखिया कला गांव आये थे। शुक्रवार की रात तिलक समारोह से लौटते समय दोनों रफ्तार के कहर की भेंट चढ़ गए। बताया जा रहा है कि सुअरमरवा गांव देवचंद महतो का कोईलवर थाना क्षेत्र के पचरुखिय कला गांव में ससुराल है। वह चार दिन पूर्व घूमने के लिहाज से ससुराल पचरुखिया गांव आया था। वहीं रवि कुमार राजकोट में प्राइवेट जॉब करता है। वह तीन दिन पूर्व ही राजकोट से गांव लौटा था। रिश्ता होने के कारण दोनों में काफी घनिष्ठता थी। शुक्रवार को रवि कुमार की चचेरी बहन का तिलक था। ऐसे में देवचंद कुमार रवि और उसके घरवालों के कहने पर उसकी चचेरी बहन के तिलक में चला गया। उनके दो अन्य दोस्त भी बाइक पर सवार हो गए। इस बीच रास्ते में हादसा हो गया। उसमें देवचंद कुमार और रवि कुमार की मौत हो, जबकि दोनों दोस्त भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

हादसे के बाद एक साथ दो गांवों में कोहराम, मचा रोना-धोना

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के बाद एक साथ भोजपुर और पटना के दो गांवों में कोहराम मच गया। दोनों के घर में रोना-धोना मच गया। बताया जा रहा है कि रवि कुमार अपने तीन भाई व पांच बहन में पांचवें स्थान पर था। उसके परिवार में मां गायत्री देवी,बहन पूजा देवी, लक्ष्मीना देवी, सोनी कुमारी, सुखिया कुमारी, सरिता कुमारी, भाई उपेंद्र कुमार और महेंद्र कुमार है। वहीं देवचंद कुमार अपने चार भाई और एक बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां उर्मिला देवी, पत्नी पूनम देवी और बेटी शिवानी कुमारी है।

वाईक सवार में जबरदस्त टक्कर में दो युवक घायल

जहानाबाद । तेज रफ्तार के फलस्वरूप आज एन एच 83 पर सेरथुआ के पास दो वाईक सवारों में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर होने से दो युवक बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें आनन फानन में जहानाबाद सदर अस्पताल लाया गया जहा डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया वही बताया जाता है कि जिले के हड़हपुर गांव निवासी राजकुमार एवं छक्कन बीघा निवासी रौशन यादव अपने रिश्तेदार के यहां बरात में शामिल होने जा रहा था। उसी क्रम में अचानक सेरथुआ मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रही वाईक सवार ने ठोकर मार दिया, जिससे दोनों दुर्घटना ग्रस्त हो गया। जिन्हें दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। फिलहाल दोनों खतरे से बाहर बताया गया है।

मछली चावल खाने से करीब डेढ़ दर्जन लोगों की तबीयत बिगड़ी

आरा। भोजपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भोराही टोला गांव में शुक्रवार की रात तिलक समारोह में मछली चावल खाने से करीब डेढ़ दर्जन लोगों की तबीयत काफी बिगड़ गई। सभी को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत थी। सभी का इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना को लेकर अफरा-तफरी मची रही।

बीमार लोगों में भोराही टोला गांव निवासी मंजय सिंह की पत्नी सविता देवी,विजेश्वर सिंह की पत्नी प्रभावती देवी,सरोज कुमार की पत्नी पूजा देवी,स्व. झगडू सिंह के पुत्र विमल यादव,नरेश यादव की पत्नी संजू देवी,मंजय यादव यादव की पत्नी मोटरी देवी, काशी सिंह की पुत्री रिया कुमारी, पप्पू यादव की पत्नी मानती देवी, पुत्र आयुष कुमार,भरत सिंह का पुत्र पिंटू कुमार,अक्षय लाल यादव की पत्नी नीतू देवी,आयर थाना क्षेत्र के बरनांव गांव निवासी वीर बहादुर यादव की पुत्री निशा कुमारी, स्व.नारायण यादव के पुत्र गर्जन यादव,वीर बहादुर यादव, उसी थाना क्षेत्र के बाजवा पर गांव निवासी बूचूल यादव एवं असुधन गांव निवासी सरयू का पुत्र बिजेश्वर यादव और चरपोखरी थाना क्षेत्र के पसौर गांव निवासी सीमा कुमारी शामिल है। असुधन गांव निवासी बिजेश्वर यादव ने बताया कि बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के नंदपुर गांव से तिलक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भौराही टोला गांव आई थी और वे सभी लोग भी उसी तिलक समारोह में शामिल होने के लिए भौराही टोला गए थे। तिलक में मछली चावल और मिठाई बना था। सभी लोगों ने चावल और मछली खाया। उसके कुछ देर बाद ही सभी लोगों को उल्टी, दस्त और पेट में दर्द होने लगा। देखते ही देखते सभी लोगों की तबीयत काफी बिगड़ गई।

एक दिन पूर्व खेत में गये युवक की मौत, लू लगने की आशंका

♦ शुक्रवार को घर से निकले युवक का शनिवार की सुबह मिला शव

आरा। शाहपुर थाना क्षेत्र के दूध घाट गांव में खेत में गये युवक की मौत हो गई। शुक्रवार को घर से निकले युवक का शव शनिवार की सुबह गांव स्थित बधार से बरामद किया गया। मृतक दूध घाट गांव निवासी जंगली बिंद का 40 वर्षीय पुत्र संजय बिंद था। लू लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। भाई कुंदन बिंद ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब ग्यारह बजे घर से खेत जाने के लिए निकले थे। वह पूरे दिन खेत में ही रह गये, जिसके कारण उन्हें लू-लग गई और वह बधार में गिर गए। रात तक वह घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने सोचा कि वह घर सोए गए होंगे। उस कारण उन लोगों ने खोजबीन नहीं की।इसी बीच शनिवार की सुबह खेत की ओर गये ग्रामीणों ने बधार में उनका शव देखा। जिसके बाद उनके द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। कुंदन बिंद की ओर से लू-लगने के कारण अपने भाई की मौत होने की बात कही है। इधर, पर पुलिस भी लू लगने से मौत होने की आशंका जता रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

♦ चिकित्सक ने एक जख्मी को किया रेफर

केटी न्यूज/दिनारा (रोहतास)

थाना क्षेत्र के आरा-मोहनिया मुख्य पथ के बलदेव उच्च माध्यमिक विद्यालय समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। जबकि डॉक्टर ने एक जख्मी को रेफर कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार की रात करीब 11:40 बजे घटित होने की बात बताई जा रही है। घटना के बारे में बताया जाता है कि एक ही बाइक पर सवार तीन लोग एक तिलक समारोह से घर वापस लौट रहे थे । घर वापस लौटने के क्रम में एक ही बाइक पर सवार तीन लोग अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। जिस क्रम में एक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। साथ ही दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटित घटना के आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंच जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल से थाना क्षेत्र के नरवर निवासी विश्वामित्र सिंह के 30 वर्षीय पुत्र नंद जी चौधरी के शव को अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही पुलिस ने दो जख्मी लोगों को प्राथमिक इलाज के लिए दिनारा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । जहां पर अस्पताल के चिकित्सकों ने दोनों जख्मी लोगों का प्राथमिक इलाज शुरू कर दी। लेकिन इलाज के क्रम में नरवर निवासी गोपाल चौहान के 22 वर्षीय पुत्र लाल साहेब चौधरी की मौत हो गई । जख्मी हालत में उसी गांव के रहने वाले अभय चौहान के 19 वर्षीय पुत्र गोल्डन कुमार उर्फ डायमंड कुमार की स्थिति को नाजुक देखते हुए अस्पताल के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया।

खबरें फटाफट

रेयाज अंसारी के खिलाफ मुनादी कराकर कुर्क की कार्रवाई

गाजीपुर । जिला प्रशासन की मौजूदगी में पुलिस ने मुख्तार अंसारी की मौत के बाद पहली बार उसके गैंग आईएस -191 के सदस्य व उसके करीबियों में शुमार बहादुरगंज नगर पंचायत अध्यक्ष रेयाज अंसारी के खिलाफ मुनादी कराकर कुर्क की कार्रवाई की गई है। बहादुरगंज नगर पंचायत अध्यक्ष रेयाज अंसारी की 6.70 करोड़ की संपत्ति को जिला प्रशासन द्वारा मुनादी कराकर कुर्क किया गया है। रेयाज अंसारी गाजीपुर के बहादुरगंज नगर पंचायत का अध्यक्ष है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत डीएम के आदेश पर रेयाज अंसारी की कई संपत्तियां को कुर्क किया है। कसिमाबाद तहसील क्षेत्र के बहादुरगंज नगरपंचायत मे स्थित रेयाज अंसारी की 5 संपत्तियों को कुर्क किया गया है। जिनकी अनुमानित कीमत 6 करोड़ 70 लाख रुपये बतायी जा रही है। कुर्क की गयी ये संपत्तियां रेयाज अंसारी व उसकी पत्नी निकहत और उसके साले एहतेशाम के नाम थी। रेयाज अंसारी और उसकी पत्नी पर फर्जी नियुक्ति,कई लोगों की जमीन जबरन कब्जा करने समेत कई गम्भीर मामलों मे भी केस दर्ज है। इस बात की जानकारी एसपी ओमवीर सिंह ने आधिकारिक रूप से पुष्ट की है।

मतदाता जागरूकता के लिए निकली मोटर साइकिल रैली

गाजीपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश के क्रम में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता जागरूक किए जाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस क्रम में आज लोक सभा-75 गाजीपुर में जनपद स्तरीय मतदाता जागरूकता मोटर साइकिल रैली निकालकर लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता लाई गई। जिसमें कई सारे स्कूल व कॉलेज के छात्राओं द्वारा चित्रकला/स्लोगन के माध्यम से जागरूक करने की अपील की।

हाईस्कूल परीक्षा: बलिया जनपद में कुल 29 छात्र-छात्राएं टॉप टेन में शामिल

हाईस्कूल परीक्षा के परिणाम में बेटियों ने मारी बाजी, इंटरमीडिएट में शिवम अव्वल

◆ 97 प्रतिशत अंक पाकर एकता वर्मा ने लहराया परचम

केटी न्यूज/बलिया

यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में बेटियां एक बार फिर से बाजी मारी है। पूरे जनपद में कुल 29 छात्र-छात्राएं टॉप टेन में शामिल है और इनमें सबसे ज्यादा 19 छात्राएं है। इस प्रकार बेटियों ने बेटों को पछाड़ते हुए अपना दबदबा कायम किया है। रिजल्ट आने के बाद एक तरफ जहां खुशियों का माहौल है। वहीं बधाई देने का सिलसिला भी जारी है।

97 प्रतिशत नंबर लाने के साथ तिलेश्वरी देवी विद्यालय की एकता वर्मा पूरे जनपद में प्रथम स्थान अर्जित किया है। जबकि 96.67 प्र?तिशत अंक पाकर रामसिद्ध इंटर कॉलेज की श्रेयांशी उपाध्याय दूसरा स्थान हासिल किया।

इसी प्रकार 96.67 अंक पाकर आर्य भट्ट विद्यालय के अरूण कुमार भी दूसरे स्थान पर रहे। जबकि 96.33 प्रतिशत अंक पाकर इसी विद्यालय के विपुल चौहान तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं 96.17 प्रतिशत अंक पाकर अभिजीत कुमार चौहान चौथे स्थान पर रहे। इसी प्रकार आदित्य शर्मा भी 96.17 पाकर चौथा स्थान हासिल किया। वहीं 96 प्रतिशत अंक पाकर शिवानी वर्मा, रंजू कौशल व पियुष मौर्य पांचवें स्थान पर रहे। इसी प्रकार 95.83 अंक पाकर शिखा चौरसिया छठवें स्थान हासिल किया।

जबकि 95.67 अंक पाकर दिशा राज, वंदना, श्वेता सिंह व लवली आनंद सातवें स्थान पर रही। जबकि 95.50 प्रतिशत अंक पाकर साक्षी, सिमरन यादव, गौरी वर्मा, अनामिका चौहान व आकाश यादव आठवें स्थान पर रहे।

जबकि 95.33 प्रतिशत अंक पाकर अदिति प्रजापति, गणेश कुमार, अमित यादव, भव्य तिवारी, मिंटू यादव नौवें स्थान पर रहे। जबकि 95.17 अंक पाकर निधि वर्मा, अभिमान शर्मा, ज्योति, शिवांगी यादव व अंशिका यादव दसवें स्थान हासिल किया।

1 एकता वर्मा

2 श्रेयांशी

3 अरुण

इंटरमीडिएट: शिवम को 97.20 प्रतिशत अंक

1 शिवम गुप्ता

2 मेहदी हसन

3 विपुल चौहान

बलिया। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा में 97.20 प्रतिशत अंक हासिल कर कृष्णा शिक्षा निकेतन के शिवम गुप्ता जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि 96.40 प्रतिशत अंक पाकर मेहदी हसन द्वितीय व 96.20 प्रतिशत अंक पाकर जागृति यादव तीसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार 96.20 प्रतिशत अंक पाकर रीतिका भी तीसरा स्थान हासिल किया। रिजल्ट आने के बाद से ही टॉपरों की मोबाइल की घंटी घनघनाने लगी और बधाई देना का सिलसिला शुरू हो गया।
96 प्रतिशत अंक पाकर बिट्टू कुमार प्रसाद चौथे स्थान पर, 95.40 प्रतिशत अंक पाकर अंजू वर्मा पांचवें स्थान पर जबकि 95.20 प्रतिशत अंक पाकर अंकित साहनी व समीर कुमार खरवार छठवें स्थान पर रहे। इसी प्रकार 95 प्रतिशत अंक पाकर दीपिका मौर्य, शिव प्रताप सिंह व चांदनी गुप्ता सातवें स्थान पर रही। इसी प्रकार 94.80 प्रतिशत अंक पाकर सत्य प्रकाश चौहान आठवें स्थान हासिल किया। जबकि 94.60 प्रतिशत अंक पाकर सत्यप्रकाश चौहान, अंजलि विश्वकर्मा, हर्षिता सिंह, प्रियांशु कुंवर, दीपक कुमार गुप्ता नौवें स्थान पर रहे। जबकि धनंजय गुप्ता 94.40 प्रतिशत अंक पाकर दसवां स्थान हासिल किया।

सानिया ने जिले की इंटरमीडिएट टॉपर की श्रेणी में बनाया अपना स्थान

चंदौली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। एक्सीलेंट बायो इंस्टीट्यूट का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। एक्सीलेंट बायो इंस्टीट्यूट की छात्रा सानिया सिद्धकी ने इंटरमीडिएट की परीक्षा में 84.8 प्रतिशत लाकर जिले के टॉप 25 में जगह बनाने में कामयाब रही। इसने जीव विज्ञान में 97, केमिस्ट्री,97, फिजिक्स 89 में लाने में कामयाब रही। इसके अलावा इलमा अंसारी,,महजबी अमान ने,सपना , अजीजा ,अक्षत, ने 75 प्रतिशत से अधिक नंबर पाकर प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। वही दुसरी तरफ करिश्मा, आशु, आसमा, राजन,र जनीश, ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था नाम रौशन किया। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक ब्रजेश कुमार, आर के दीक्षित,मनोज उपाध्याय ने बच्चो को मिठाई खिलाकर बच्चो को बधाई दिया ।संस्था के प्रबंधक ब्रजेश कुमार,ने सफलता का पूरा श्रेय बच्चो की मेहनत को दिया है।

हाईस्कूल के 26947 और इंटर के 24577 छात्र-छात्राओं ने लहराया सफलता का परचम

चंदौली। यूपी बोर्ड का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को दोपहर में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की तरफ से जारी कर दिया गया। जनपद में हाई स्कूल के 86.60 प्रतिशत और इंटरमीडिएट के 81.56 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने सफलता अर्जित कर अपना लोहा बनवाया। सफल परीक्षार्थियों के परिजनों ने सफल होने पर खुशी व्यक्त की। हाई स्कूल में आर्दश पांडेय और इंटरमीडिएट में पूजा यादव पहले स्थान पर रहीं। यूपी बोर्ड की परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को दोपहर में जारी कर दिया गया। वहीं परीक्षा परिणाम सुबह से छात्र-छात्राओं में उत्सुकता देखने को मिली। जैसे ही हाई स्कूल और इंटर के परिणाम आए वैसे ही छात्र-छात्राएं मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से अपने परिणाम जानने के लिए साइबर सेंटरों में पहुंचे व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से देखा। जिसमें चंदौली जनपद के हाई स्कूल का परिणाम 86.60 और इंटरमीडिएट का परिणाम 81.56 प्रतिशत आया है।इसमें हाई स्कूल के परीक्षा के दौरान कुल 33575 परीक्षार्थी के सापेक्ष 31118 परीक्षार्थिओं ने परीक्षा में भाग लिए थे। इसमें कुल 26947 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में सफलता अर्जित की है और 4971 छात्र-छात्राएं असफल रहे। वही इंटरमीडिएट में कुल 32132 परीक्षा में सम्मिलित होना था, लेकिन इसमें कुल 30133 परीक्षा परीक्षा में भाग लिया। जहां पर कुल 24577 में परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है तो 5556 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे।वहीं परीक्षा परिणाम जानने के लिए सुबह से ही छात्र-छात्राओं में काफी उत्सुकत थी। जैसे ही परिणाम आया तो सफल हुए छात्र-छात्राओं में खुशी देखने को मिली, लेकिन जो असफल रहे वे मायूस रहे। वहीं पर जिन्होंने उनका हौसला अफजाई करते हुए कहा कि अच्छे परिणाम के लिए आवश्यक तैयारी शुरू कर दें, ताकि अगले वर्ष अच्छे अंकों से परीक्षा में उत्तीर्ण हो सके।

जनपद का हाई स्कूल का परिणाम 86.60 और इंटर का परिणाम 81.56 प्रतिशत है। सभी सफल परीक्षार्थियों को हार्दिक बधाई और मेहनत लगाकर अच्छे से पढ़ाई करें, ताकि अपने जनपद का नाम रोशन करें।
जयप्रकाश जिला विद्यालय निरीक्षक चंदौली।

एक नजर

68वें रेल सप्ताह समारोह पर उत्कृष्ट सेवा के लिए पुरस्कृत किए गए 61 रेल कर्मचारी

चंदौली। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल मुख्यालय स्थित बाकले जिमखाना क्लब में '68वें रेल सप्ताह समारोह' के तहत आयोजित कार्यक्रम में पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल (डीडीयू मंडल) के मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता द्वारा डीडीयू मंडल के सभी विभागों से उत्कृष्ट सेवा हेतु चयनित रेलकर्मियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देते हुए मंडल रेल प्रबंधक स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए। मंडल रेल प्रबंधक स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के क्रम में मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता द्वारा सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डीआरएम द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट सेवा हेतु '68वें रेल सप्ताह पुरस्कार-2023' के तहत चयनित 61 रेलकर्मियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल अपने व्यस्ततम रेल नेटवर्क के लिए जाना जाता है। हम मंडल के रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर का उत्तम रख-रखाव कर इसकी क्षमता में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं। मंडल गाड़ियों के संरक्षित, सुरक्षित और समय पर चलाने के कार्य को सदैव सर्वोपरि रखता है। यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुँचाना हमेशा से ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इसमें मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का बहुत ही सराहनीय योगदान है। मंडल रेल प्रबंधक ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले रेलकर्मियों को बधाई देने के साथ सभी का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि पुरस्कार हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। साथ ही, अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए भी आत्मबल प्रदान करता है। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार, सीपीएम (गति शक्ति) एच सी यादव सहित डीडीयू मंडल महिला कल्याण संगठन की विभिन्न सदस्याएं, डीडीयू मंडल के विभिन्न उच्चाधिकारी, कर्मचारी यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों/सदस्यों के साथ रेलकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डीडीयू मंडल के स्काउट व गाइड सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्नान करते वक्त नदी में डूबा किशोर

बलिया। दोकटी थाना क्षेत्र के शिवपुर गंगा घाट पर स्नान करते गहरे पानी चला गया और डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाल डलवाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद रेवती थाना क्षेत्र से गोताखोरों को बुलाकर किशोर का तलाश जारी है। बता दे मि दोकटी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी रामनारायण गुप्ता का 15 वर्षीय पुत्र रणवीर गुप्ता उर्फ हैप्पी अपने परिवार व रिश्तेदार के साथ शनिवार की सुबह गंगा स्नान करने शिवपुर घाट गया हुआ था। जहां रणवीर अपनी बुआ के दो लड़कों के साथ गंगा नदी में स्नान कर रहा था। इस दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। परिजनों के शोरगुल सुन उपस्थित नाविकों ने अनिकेत और रौनक को बचा लिया, लेकिन रणवीर को नहीं बचा सके। सूचना पर पहुंचे दोकटी प्रभारी थानाध्यक्ष जय प्रकाश ने किशोर को ढूढने का प्रयास जारी रखा है।

धूमधाम से मना हजरत अंजान शहीद का उर्स

चंदौली। अलीनगर क्षेत्र के रेवसा गांव स्थित हजरत अंजान शहीद बाबा का दो दिवसीय सालाना उर्स विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी चादर व गागर के साथ धूमधाम से मनाया गया। जुलूस निकालकर इलाके में भ्रमण करने के बाद बाबा के मजार पर चादरपोशी की गयी। इसके पूर्व लोग दुआख्वानी के लिए जुटे। जायरीनो ने दुआख्वानी की और देश दुनिया की भलाई के लिए कामना की। इस दौरान पूरा परिसर में मेले जैसा दृश्य हो गया था। क्षेत्र के रेवसा गांव में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष की हजरत अंजाम शहिद बाबा का सालाना उर्स की तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही थी। शहीद बाबा का मजार फूल मालाओ व विद्युत झालरों से सजा हुआ था। शनिवार को नमाज फर्ज से पहले बाबा के आस्ताने पर गुस्ल किया गया। इसके बाद कुरानखानी , महफिले मिलाद शरीफ हुई। इसके उपरांत चादर व गागर का जुलूस निकालकर गाजे बाजे के साथ पूरे इलाके में भ्रमण किया गया। बाबा के मजार पर पहुंचकर चादरपोशी की गई। लंगर के रूप में लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

एक गांव में लगी आग ने तीन गांव की फसलों को किया राख

केटी न्यूज/बेरुआरबारी

सुखपुरा क्षेत्र के धनिधरा, बेरुआरबारी व मिढ्ढा में दोपहर दो बजे के करीब मशीन से कटे गेहूं के डंठल में अचानक लगी आग से तीनो गांव के लोगों में कोहराम मच गया। तेज हवा के बीच तीनो गांव के सैकड़ो ग्रामीणों ने गांव तक आग न पहुँचे उसके लिए चारो तरफ से पेड़ो के झाड़ व पानी से किसी तरह घंटो बाद आग पर काबू पाया लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अग्नि समन को फोन करने के बाद भी नहीं आने सें ग्रामीणों में घोर आक्रोश हैं ।

जानकारी के अनुसार दोपहर में तेज हवा के बीच धनिधरा में मशीन से कटे गेहूं के डठल में अचानक आग लग गयी अभी लोग कुछ समझ व कर पाते तब तक आग बेरुआरबारी तक पहुंच गयी आग गांव तक न पहुँचे सैकड़ो ग्रामीण चारो तरफ से आग को घेर पानी व झाड़ से बुझाने का प्रयास कर ही रहे थे। लेकिन तेज हवा व आग कि लपते इतनी तेज थी कि आग मिढ्ढा तक पहुंच गयी। वही इस आग में मिढ्ढा निवासी विक्रम राजभर का बीस बोझ गेहूं व बेरुआरबारी निवासी कन्हैया गोड़ का गेहूं कि खडी फसल इस आग में जल कर राख हो गया। क्षेत्र के लोगो ने कहा कि कभी भी अग्नि समन कि गाडी एक तो जल्दी आती नहीं कभी कभार पहुंच भी गयी तो आग बुझने के बाद इससे ग्रामीणों में घोर आक्रोश हैं। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका।

डीएम व एसपी ने विभिन्न विद्यालयों में कार्यक्रम कर मतदाता जागरूकता के लिए प्रोत्साहित किया

केटी न्यूज/ गाजीपुर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने वोट देने के लिए मतदाता जागरूकता के लिए प्रोत्साहित किया। करंडा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मैनपुर इंग्लिश मीडियम कंपोजिट स्कूल, ग्राम पंचायत गोसंदेपुर प्राथमिक विद्यालय, ग्राम पंचायत सुआपुर प्राथमिक विद्यालय, ग्राम पंचायत नारीपंचदेवरा, श्री सुभाष इंटर कॉलेज में मतदाता जागरूकता के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि आप अपने मत का नैतिकता के आधार पर वोट करें। किसी के बहकावे में न आए, बिल्कुल भयमुक्त होकर मतदान करें। एक जून को एक त्योहार के रूप में मनाते हुए अपने बूथ पर वोट डालने जाएं और अपने आस पास के लोगों को प्रोत्साहित कर-के मत डालने के लिए ले जाएं एवं अपने घर के जो जिले से बाहर रह रहें हैं उन्हें बुलाकर उनका मत डलवाएं। आप अपना मत जो आपको अच्छा प्रत्याशी लगे उसे अपना मत दें। इसके लिए आपको कोई बाध्य नहीं करेगा। अगर कोई भी प्रत्याशी न अच्छा लगे इसके लिए नोटा पर मत दें। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि अपना मत किसी के बहकाने, डराने, धमकाने या किसी भी प्रलोभन में आकर न दें।

भाजपा जिला कार्यालय में संगठनात्मक बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा

भाजपा के प्रदेश महामंत्री ने पदाधिकारियों के साथ की बैठक

केटी न्यूज/गाजीपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शनिवार को गाजीपुर में भाजपा जिला कार्यालय पर संगठन कार्यकताओं से कहा कि भाजपा का संकल्प मोदी जी की गारंटी के साथ देश के सामने है। उन्होंने कहा कि एक ओर कांग्रेस, सपा, बसपा का जातिवाद, परिवारवाद तथा भ्रष्टाचार को बढ़ाने का ऐजेंडा है। वहीं दूसरी ओर विकसित भारत बनाने की, सबकी समृद्धि की मोदी जी की गारंटी है। युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान और गरीब को सशक्त बनाने की मोदी जी की गारंटी के साथ जन-जन के बीच जन संवाद करना है। धर्मपाल सिंह ने भाजपा जिला कार्यालय में संगठनात्मक बैठक कर चुनावी रणनीति पर विधानसभा प्रभारियों, संयोजकों, लोकसभा प्रभारियों तथा संचालन समिति के साथ मंत्रणा कर रहे थे।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा सरकार और लक्ष्य अबकी बार 400 पार की पूर्णता के लिए मतदान पूर्ण होने तक जुटकर और डटकर काम करना है। परं वैभवं नेतुमेतत स्वराष्ट्रं का मंत्र हमें सतत क्रियाशील बनाते हुए राष्ट्र के विकास में सहभागी बनने के लिए प्रेरित करता है। मोदी के विकसित भारत का संकल्प वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के संकल्प को पूर्ण करेगा। भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। जिसमें देश के प्रत्येक नागरिक की आर्थिक व सामाजिक उन्नति निहित होगी। अपने सांस्कृतिक वैभव के साथ भारत आर्थिक महाशक्ति बनेगा और सामरिक महाशक्ति बनकर विश्व में शान्ति की स्थापना करेगा।

कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार बनाने के लिए अबकी बार 400 पार और यूपी में 80 सीटें इस बार जीतकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार मजबूत सरकार बनाना है। बूथ पर सम्पर्क, संगठन के सभी अभियानों, कार्यक्रमों में सहभागिता तथा प्रत्येक सौंपे गए कार्य को सर्वश्रेष्ठ करने की ललक हमें श्रेष्ठ कार्यकर्ता बनाती है और श्रेष्ठ कार्यकताओं से श्रेष्ठ पार्टी बनती है, जो प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त करने में समर्थ होती है।

उन्होंने कहा कि बूथ समिति की मजबूत संरचना तथा सक्रियता संगठन की रणनीति को माइक्रोलेबल पर प्रभावी बनाती है। यही कारण है कि भाजपा का बूथ से लेकर केंद्रीय स्तर तक का प्रत्येक पदाधिकारी पन्ना प्रमुख के रूप में बूथ समिति का सदस्य है।

खबरें फटाफट

सिलेंडर फटने से नौ लोगों की रिहायशी मड़ई जलकर राख

चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के नादी पुरवा पर सीताराम निषाद के घर

नादी पुरवा गांव में निषाद बस्ती में लगी आग लोगो को तबाह कर दिया । सभी परिवार मेहनत मजदूरी करके जीवीकोपार्जन करते थे । गरीब के आलम में मानो उनके ऊपर पहाड़ टूट पड़ा । घर मे जो खुशियां थी वो मातम में बदल गयी।

तिलक समारोह के बाद शार्ट सर्किट से मड़ई में आग लगने व तीन सिलेंडर फटने से नौ लोगो की रिहायशी मड़ई जलकर राख हो गयी । वही तीन लोगों की आंशिक रूप से क्षति हुई है । जिसमे 7 बकरी, 4 बकरी के बच्चे, 3 मोटर साइकिल ,9 सायकिल ,1 ठेला , खाद्य सामग्री, कापडा सहित टेंट हाउस का सामान भी सब जलकर राख हो गया । आग इतनी भयावह थी कि लोग सिवान में भागकर जान बचाये । पूरी गांव में अफरा तफरी मची रही । सभी परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया । लेखपाल ने पहुचकर मौका मुआयना करके उच्चाधिकारीयों को रिपोर्ट भेजी ।

नादी गांव के पुरवा में शुक्रवार की शाम को चंद्रिका निषाद की पुत्री की शादी व भोला निषाद के पुत्र सीताराम का तिलक समारोह था । तिलक बीतने के बाद तीनों सिलेंडर व अन्य सामग्री रिहायशी मड़ई में रखकर रुके रिस्तेदारो को भोजन करा रहे थे । अचानक मड़ई में आग लग गयी । रात में तेज हवा के कारण आग इतनी तेज हो गयी कि आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया । मड़ई में रखा तीनो सिलेंडर में भी आग लग गयी । सिलेंडर में आग लगने के बाद ग्रामीण व परिजन एक किलोमीटर दूर भाग खड़े हुए । देखते ही देखते बगल में स्थित शंकर निषाद, दुलारे निषाद, संकठा निषाद, भोला निषाद, सबरजीत, भानु, श्याम देई, बजरंगी, प्रेम सागर का भी रिहायशी मड़ई धू धू कर जलने लगा । जिसमे सात बकरी, तीन बाइक, नव सायकिल, ठेला, घर गृहस्थी का सब सामान जलकर राख हो गया । वही पास स्थित सारनाथ, सरनपति, रामबली का भी रिहायशी मड़ई आंशिक रुप से जल गया । इन लोगो का भी समान जलकर नष्ट हो गया । वही सुबारी प्रजापति के टेंट हाउस का सामान जनरेटर, चारपाई, गद्दा, दरी, मैट भी जल गया । ग्रामीणो के अनुसार आग टेंट के शार्ट सर्किट से आग लगने से हुई । रात्रि में ही बलुआ इंस्पेक्टर शैलेश मिश्रा, चौकी इंचार्ज अभिषेक शुक्ला भी पहुंच गये । शनिवार की सुबह मौके पर लेखपाल रामाशीष पहुचकर मौका मुआयना कर रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजा ।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजसमंद सीट के लिए विशाल जनसभा को किया संबोधित

राजस्थान से योगी का आह्वान, 'कांग्रेस को बना दीजिए इतिहास'

- कहा, हमारे पूर्वज इसी राजस्थान की धरती से
- मैं सत्य का पथिक हूं और राजस्थान की धरती पर सत्य की आवाज को मजबूती मिलती है : योगी
- कांग्रेसी महाराणा प्रताप को नहीं, अकबर को महान मानने वाले : योगी
- कांग्रेस को वोट देकर अपने इतिहास को कलंकित नहीं करना है : योगी आदित्यनाथ

केटी न्यूज/राजसमंद

, 20 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और बीजेपी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान की धरती से आह्वान किया है कि कांग्रेस को इतिहास की वस्तु बना दीजिए। उन्होंने कहा जब राजस्थान की धरती अंगड़ाई लेती है तो पूरे देश में उसकी गूंज सुनाई देती है। कांग्रेस की ऐसी गति कीजिए कि लोग कहें 'एक थी कांग्रेस'। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं सत्य का पथिक हूं और राजस्थान की धरा पर सत्य की आवाज को मजबूती मिलती है, यही कारण है कि यहां मुझे सबसे ज्यादा प्यार मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पूर्वज राजस्थान से ही गये थे, उनके दादा गुरु ने मेवाड़ की धरती से गोरखपुर आकर राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी।

योगी ने महारानी पद्मिनी के जौहर को किया नमन

योगी आदित्यनाथ शनिवार को राजसमंद लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी महिमा कुमारी मेवाड़ के पक्ष में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है, यहां भक्ति और शक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। बप्पा रावल की वीरता से लेकर महाराणा प्रताप के स्वदेश और स्वाभिमान पर पूरा देश गौरव की अनुभूति करता है। महारानी पद्मिनी के जौहर को कौन भुला सकता है। आज यूपी से इस धरा पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। योगी ने कहा कि मीरा बाई की भक्ति हम सबके मन में राष्ट्रभक्ति एक नई ज्वाला पैदा करती है। ये भूमि कृष्ण की भक्ति में लीन मीराबाई को वृंदावन से जोड़कर राजस्थान और यूपी के संबंधों को मजबूत करती है।

आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते थे और गरीब भूख से मरता था

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस के लोग आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते थे और गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में देश की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। पूरे देश से एक ही आवाज आ रही है, जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। योगी ने कहा कि रामनवमी पर अयोध्या में सूर्य की किरणों से श्रीराम का तिलक हुआ, जिसे देख पूरा देश आह्लादित हो रहा था। उन्होंने 26 अप्रैल के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को कमल के चुनाव चिह्न पर भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर मंजू जी बाघमार, विश्वराज जी मेवाड़, हरीश सिंह रावत, सुरेन्द्र सिंह राठौर, दीप्ती माही, अविनाश गहलोत, शंकर सिंह रावत, पुष्प जी जैन, नरेश कन्नौजिया सहित तमाम गणमान्य मौजूद रहे।

भारत को बदहाल देखना चाहते हैं कुछ लोग

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि लोग पूछते हैं कि राजस्थान में उन्हें इतना प्यार क्यों मिलता है। उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि मैं सत्य का पथिक हूं और राजस्थान की धरती पर सत्य की आवाज को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि देश अपने भाग्य के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनता का आशीर्वाद मांगा जा रहा है, दूसरी ओर ऐसे लोग हैं जो भारत को बदहाल देखना चाहते हैं। 10 साल में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। कोई विधर्मी भारत की सीमा का अतिक्रमण नहीं कर सकता। आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। पटाखा भी फूटता है तो पाकिस्तान सबसे पहले सफाई देता है। उसे पता है कि भारत में कोई आतंकवादी घटना होती है तो उसे लेने के देने पड़ जाएंगे।

पाक की मस्जिदों में विस्फोट से लोगों के उड़ रहे चीथड़े

योगी आदित्यनाथ ने देश में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि मोदी सरकार में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है, जबकि पाकिस्तान में 23 करोड़ लोग एक जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। आज वहां मस्जिदों में विस्फोट हो रहे हैं और लोगों के चीथड़े उड़ते हैं। पाकिस्तान बड़ी ठसक के साथ भारत से अलग हुआ था, मगर आज वहां लोग बदहाली की जिंदगी जी रहे हैं। दूसरी तरफ आज भारत में दिल्ली और जयपुर से एक क्लिक पर पैसे सीधे गरीब जनता के खाते में जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने आयुष्मान भारत योजना, फ्री बिजली कनेक्शन, उज्ज्वला योजना, महिला स्वावलंबन सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को भी गिनाया। बताया कि अगले पांच साल में तीन करोड़ नये आवास गरीबों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

पहले चरण के तूफान ने मोदी को सत्ता सौंपने का प्रण कर लिया है : योगी

केटी न्यूज/चित्तौड़गढ़

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर शनिवार को दूसरी बार राजस्थान के चुनावी समर में उतरे। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, चित्तौड़गढ़ से सांसद और भाजपा उम्मीदवार सीपी जोशी के लिए रोड शो किया। बेतहाशा गर्मी में भी राजस्थान की सड़कों पर 'मोदी-मोदी, योगी-योगी' की ही गूंज रही। आमजन से मिले स्नेह से अभिभूत योगी ने इस सीट पर फिर से 'कमल का फूल' खिलाने की अपील की तो मतदाताओं ने विश्वास दिलाया- अबकी पार 400 पार, फिर एक बार-मोदी सरकार। सीएम योगी व सीपी जोशी ने भैरो सिंह शेखावत की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। रोड शो के समापन स्थल पर मतदाताओं को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि से वीरभूमि मेवाड़ को प्रणाम करने आया हूं। इस धरा का इतिहास है कि यह राष्ट्रवाद के मुद्दे से कभी विचलित नहीं हुई। भारत मां के सर्वस्व बलिदान के लिए यह वीरभूमि सदा तत्पर रही है। आधुनिक भारत के तीर्थ के रूप में इस धरा को पूरा भारत कोटि-कोटि प्रणाम करता है। सीएम योगी ने कहा कि शुक्रवार को संपन्न हुए पहले चरण के 102 लोकसभा सीटों के रुझान बताते हैं कि पूरे देश की आवाज है-फिर एक बार मोदी सरकार। अबकी बार-400 पार का लक्ष्य सफल होने जा रहा है। प्रचंड तूफान ने फिर से मोदी जी को सत्ता सौंपने का प्रण कर लिया है। कांग्रेस की जातिवादी-सांप्रदायिक सोच के कारण देश ने बहुत नुकसान सहा है। कांग्रेस सुरक्षा व आस्था से खिलवाड़ करने वाली पार्टी है। आज भारत में पटाखा फूटने पर भी पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, लेकिन कांग्रेस के समय आतंकियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। कांग्रेसी बोलते थे कि राम हुए ही नहीं। ऐसे लोगों को सत्ता में आने का अधिकार नहीं है।

गुलाब की पंखुड़ियों और ढोल-नगाड़ों संग योगी का स्वागत

चित्तौड़गढ़ के मतदाता योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को सड़कों पर खड़े रहे। बेतहाशा गर्मी भी उनके इरादे न डिगा सकी। यहां रोड शो में लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियों से योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया। घरों की छतों पर खड़े पुरुष, बच्चे, युवा-बुजुर्ग, महिलाएं व बच्चियां पुष्पवर्षा करती रहीं। भगवा रंग की साड़ियों में महिलाओं ने योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया।

बुलडोजर पर खड़े होकर हुआ बाबा का स्वागत

'बुलडोजर बाबा' के नाम से प्रसिद्ध योगी आदित्यनाथ को रोड शो में बुलडोजर भी रहा। इस पर खड़े युवाओं ने योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया तो मुस्कुराते हुए 'बुलडोजर बाबा' ने भी राजस्थान के युवाओं का अभिवादन किया। यही नहीं, बुलडोजर पर खड़े युवा बाबा की मुस्कुराती फोटो भी अपने मोबाइल के कैमरे में कैद करते रहे।

एक नजर

भीषण गर्मी, लू और तापमान में उत्तरोत्तर वृद्धि से जनजीवन अस्त व्यस्त

मऊ। इन दिनों मौसम के तेवर भीषण धूप ग्राम और आसमान से बरस रही आग से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है।अप्रैल माह में ही भीषण

गर्मी लू चरम पर पहुंच गई है । ऐसे में आसमान में चमकते सूरज की सीधी पड़ती किरणों से तापमान का बढ़ना सामान्य बात है, किंतु विगत कुछ दिनों से दिन के तापमान में अचानक हुई वृद्धि ने लोगों को सकते में डाल दिया है।अप्रैल माह के लिहाज से मौसम का यह रुख चौकाने वाला है। ऐसा लग रहा है जैसे सूरज और पछुआ हवा(लू) में अपने पराक्रम की सर्वोच्चता को सिद्ध करने की होड़ सी लगी है,जिसमें आमजन पिस रहा है। जी, हां बिल्कुल ऐसा ही नजारा शनिवार को देखने को मिला जब प्रातः के 8:00 बजते -बजते सूरज की किरणें आदमी के तन को झुलसाने लगी, तो वहीं 10:00 बजते -बजते तेज गति से चलने वाली पछुआ हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने को विवश कर दिया। शुक्रवार को दिन में अधिकतम तापमान 45 डिग्री से.को पार कर गया ।तो लगभग 40 किमी.प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही पछुआ हवाओं के गर्म थपेड़ों नें लोगों को संकट में डाल दिया ।दिन भर गुलजार रहने वाली सड़कों पर वीरानी दिखाई दे रहे रही थी ।जरुरी कार्यों के लिए ही लोग घरों से बाहर निकल रहे । वैसे इस मौसम से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। छोटे-छोटे बच्चे इस भीषण गर्मी व धूप तथा लू में स्कूल जाने को विवश है। जिसके कारण उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। बच्चों में पेट दर्द, उल्टी, बुखार आदि समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उधर अभिभावक बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे हैं।

पुलिसिंग व्यवस्था दुरुस्त को लेकर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

मऊ। पुलिसिंग व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर पुलिस अधीक्षक इलामारन ने पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड स्थल का निरीक्षण करते हुए परेड की सलामी लिया। पुलिस अधीक्षक ने चार पहिया, दो पहिया पीआरवी वाहनों के साफ-सफाई, हूटर, लाइट, एमडीटी, मेडिकल किट, फायर एक्सटिंग्विशर, एंटी राइट इक्विपमेंट आदि की भी गहनता के साथ चेकिंग किया। पुलिस अधीक्षक ने पीआरवी कर्मियों को गंभीर व महिला सम्बंधित घटनाओं की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर की जाने वाली प्राथमिक कार्रवाई, घटनास्थल को सुरक्षित करने हेतु क्राइम सीन किट का सही तरीके से प्रयोग करने, रिस्पॉन्स टाइम, जीपीएस परसेंटेज आदि में सुधार लाने का भी सख्त दिशा निर्देश जारी किया। एसपी ने पुलिस लाइन का भी भ्रमण कर परिसर की साफ- सफाई इत्यादि का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने प्रतिसार निरीक्षक को दिशा निर्देश भी जारी किया। पुलिस अधीक्षक पुलिस कर्मियों का अर्दली रूम किया। पुलिस अधीक्षक ने विषम हालात से निपटने को लेकर पुलिस कर्मियों को दिशा निर्देश जारी किया। एसपी ने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि पुलिस के जवान हमेशा मानसिक और शारीरिक रूप से तत्पर रहे। दंगा नियंत्रण के समस्त उपकरण सक्रिय दशा में हमेशा अपने साथ रखें। जिससे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से आसानी के साथ निपटा जा सके। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स, प्रतिसार निरीक्षक समेत सभी पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मऊ की बेटी हर्षिता शर्मा ने जिले का नाम किया रौशन, इंटर में प्रदेश के टॉप टेन में बनाई जगह

मऊ। शनिवार को जारी यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में जिले के होनहारों ने एक बार फिर जिले का मान बढ़ाया। इंटर मीडिएट की दो छात्राओं और एक छात्र ने प्रदेश के टॉपटेन में अपनी जगह बनाई है। इसमें मधुबन तहसील के सुभागी देवी कॉलेज की छात्रा हर्षिता शर्मा ने 96.60 प्रतिशत नंबर पाकर प्रदेश में सातवीं रैंक प्राप्त की है। वहीं चिरैयाकोट कस्बा स्थित दीप निकेतन के अभिषेक प्रजापति ने नंबर पाकर सातवीं रैंक प्राप्त किया है। इसीक्रम में कोपागंज ब्लाक के बापू इंटर कॉलेज की छात्रा तनुष्का यादव ने 96.20 प्रतिशत अंक पाकर नौंवी रैंक प्राप्त की है।

हाईस्कूल में प्रदेश में सातवां व जिले की टापर तन्नू की दर्द भरी कहानी

- एक आंख से दिव्यांग होने के बाद भी गाजीपुर का नाम किया रोशन

केटी न्यूज/गाजीपुर

हाई स्कूल और इंटरमीडिएट का रिजल्ट शनिवार की दोपहर घोषित हो गया। छात्र- छात्राओं को काफी दिनों से अपने अच्छे अंक आने का इंतजार कर रहे थे। हाई स्कूल का रिजल्ट पहले आया। जिसमें जनपद के भुडकुड़ा कोतवाली अंतर्गत कौवला जखनियां निवासी अजय कुमार की पुत्री तन्नू अपने बाई आंख से दिव्यांग होने के बाद भी घर पर छह से सात घंटे पढ़ाई कर हाई स्कूल के परीक्षा में 600 में 584 अंक यानि 97.33% अंक प्राप्त किया है। तन्नू ने उत्तर प्रदेश में सातवां तथा जिले में टॉप किया है। तन्नू के पिता अजय कुमार अधिवक्ता हैं और मां उषा देवी गृहणी। पांच भाई बहनों में तीसरे नंबर पर तन्नू है। जनपद की टापर तन्नू ने बताया कि परीक्षा देने के बाद घर पर आकर सारे पेपर को हमने मिलाया था और 97.33% लगभग नंबर आएंगे यह उम्मीद थी। इसके अलावा पढ़ लिखकर शिक्षक बनने का सपना है। इसका श्रेय गुरुजनों और माता-पिता को जाता है। जखनियां श्री महावीर सर्योदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हाई स्कूल में पांच घंटे पढ़ाई के बाद कोचिंग भी सुबह दो घंटे शाम को एक घंटे पढ़ाई करती थी। साथ ही घर पर सात घंटे की पढ़ाई करती थी। पढ़ाई लिखाई में माता-पिता भी भरपूर साथ दिया करते थे। पढ़ाई के दौरान घर वाले कभी भी कोई अन्य कार्य में नहीं लगाते थे। तन्नू ने बताया कि उसके बाई आंख से बचपन से ही कम दिखाई देता है फिर भी पढ़ाई में हमेश रूचि रही। इसी क्रम में पंडित मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज सिखड़ी के प्रधानाचार्य नीरज राय ने बताया कि इंटरमीडिएट में संध्या यादव पुत्री बाडू यादव 96.6%, अनामिका यादव पुत्री जहेंद्र यादव 94.4%, रिमझिम राय पुत्री शिवदयाल 93.8%, आनंद यादव पुत्री वृकेश यादव 92.6% तथा हाईस्कूल में प्रियंका कुशवाहा पुत्री शिवप्रसाद कुशवाहा 96.6%, प्रियांशी सिंह पुत्री जितेंद्र सिंह 93.3%, ऋतिका राय पुत्री विवेक 93.16%, अनुष्का सिंह पुत्री अरविन्द 93%प्राप्त कर जिले व स्कुल का नाम रोशन किया।

जिलाधिकारी ने दिया आवश्यक दिशा निर्देश

जिला स्तरीय फ्लड स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक संपन्न

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी श्री प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय स्थित सभागार में बाढ़ पूर्व तैयारी को लेकर जिला स्तरीय फ्लड स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने किया ।बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई ने बताया कि जनपद में वित्तीय वर्ष 2023- 24 की पांच परियोजनाओ का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका हैं। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2024- 25 में संचालित नवीन बाढ़ परियोजनाओं में सरयू नदी के दाएं तट पर स्थित ग्राम सूरजपुर में पुनर्स्थापना कार्य 45% तथा सरयू नदी के दाएं तट पर स्थित खाकी बाबा मंदिर मुक्तिधाम (श्मशान घाट) की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की पुनर्स्थापना कार्य की परियोजना का 50% कार्य पूर्ण हो चुका है। इस दौरान उन्होंने बाढ़ के दौरान प्रयुक्त होने वाले रिजर्व स्टॉक एवं तहसीलवार बाढ़ ग्रस्त ग्राम पंचायतो के बारे में भी विस्तार से बताया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ के दौरान सक्रिय रहने वाले समस्त विभागों को बेहतर कार्य योजना तैयार कर पूर्व में ही सारी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पिछली बार आई बाढ़ के हिसाब से प्रभावित ग्राम पंचायतो एवं विस्थापित लोगों के लिए स्थलों का चिन्हांकन पूर्व में ही कर लेने को कहा। इस कार्य हेतु उन्होंने संबंधित उप जिलाधिकारी,खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए इस संबंध में पूरी जानकारी इकट्ठा कर तैयारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने बाढ़ के दौरान प्रयोग में आने वाले बड़ी एवं छोटी नाव के संबंध में भी मलिक का नाम एवं मोबाइल नंबर सहित सूची तैयार कर लेने को कहा। जिलाधिकारी ने पूर्व में बाढ़ के दौरान लोगों को आने वाली समस्याओं के दृष्टिगत विद्युत, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों को पूर्व में ही सारी तैयारी कर लेने को कहा, जिससे बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों को अति शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिला अधिकारी सत्यप्रिय सिंह,अधिशासी अभियंता सिंचाई मनोज सिंह, डीसी मनरेगा, परियोजना निदेशक, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार समस्त खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 21 अप्रैल 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की। - गुरु गोविंद सिंह

इंदिरा इज इंडिया की तरह, मोदी इज इंडिया, मोदी के बाद कौन?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ से लेकर भाजपा तक का संगठन, हमेशा व्यतिवाद से दूर रहा है। 1999 में जब अटल बिहारी वाजपेई के कटाउट चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए थे, उस समय संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। संघ परिवार ने कभी भी व्यक्ति को महत्व नहीं दिया। जनसंघ और भाजपा में भी कभी किसी व्यक्ति को महत्व नहीं मिला। 2014 के बाद से स्थिति बड़ी तेजी के साथ बदल गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम वोट मांगे गए। प्रचार अभियान में केवल प्रधानमंत्री मोदी ही रहते हैं। उनके साथ भाजपा का कोई नेता भी नहीं रहता है। 2024 का लोकसभा चुनाव अब मोदी की गारंटी पर लड़ा जा रहा है। चुनाव प्रचार अभियान में केवल और केवल मोदी हैं। अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता इस चुनाव प्रचार अभियान से गायब हैं। भारत के सभी 543 लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और उनकी गारंटी पर जनता से वोट मांगे जा रहे हैं। भाजपा का घोषणा पत्र, भाजपा और संघ की विचारधारा को नेपथ्य में डाल दिया गया है। इस कारण भारतीय जनता पार्टी और संघ के नेताओं में यह बात उभर कर सामने आ रही है कि संघ और भाजपा ने क्या अपनी नीतियां बदल दी हैं? भाजपा के लोग ही अब कहने लगे हैं, कि 1970 के दशक में जो स्थिति कांग्रेस पार्टी की बनी थी, वही स्थिति अब भाजपा की बन गई है। तत्कालीन कांग्रेस के अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने इंडिया इज इंदिरा और इंदिरा इज इंडिया के नारे को बुलंद किया था। ठीक वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी की 2019 के बाद से बन गई है। 2014 का चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने अच्छे दिन के नाम पर लड़ा था। उस समय सामूहिक नेतृत्व के अंतर्गत सभी भाजपा नेताओं के फोटो चुनाव प्रचार में लगाए गए थे। 2019 का लोकसभा चुनाव पुलवामा, बालाकोट और राष्ट्रवाद की अपील पर लड़ा गया था। उस समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार का मुख्य हिस्सा बन गए थे। 2024 का लोकसभा चुनाव अब यह मोदी की गारंटी के नाम पर लड़ा जा रहा है। सभी 543 लोकसभा की सीट का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ा जा रहा है। पार्टी के प्रत्याशी और प्रादेशिक नेताओं का भी कोई महत्व नहीं रहा। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार में इस बार नौकरी, महंगाई, आर्थिक विषमता, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद इत्यादि का मुद्दा गोंड़ हो गया है। पूरी पार्टी एक ही व्यक्ति पर केंद्रित हो गई है। भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के नाम से चलेगी, इसे कभी सोचा भी नहीं गया था। भाजपा के कोर वोटर इससे हैरान और परेशान हैं। भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किए हैं। इसमें संघ और संगठन की भूमिका नगनय रही है। अन्य दलों से आए हुए नेताओं को भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा और संघ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएसपी है। चुनाव प्रचार अभियान में मोदी गारंटी के नाम पर प्रचार किया जा रहा है। भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद, पार्टी की जीत के लिए, विचारधारा को आले में रखकर भूल गए हैं। भाजपा में अब मोदी आधारित राजनीति की जा रही है। जिसके कारण भाजपा के अंदर ही अंदर निष्ठावान कार्यकर्ता, पार्टी के बदलते हुए स्वरूप को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इसका असर प्रथम चरण के चुनाव में दिखा है। कर्नाटक में मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा गया था। जहां भाजपा की करारी पराजय हुई। हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। जब पार्टी चुनाव हारती है, तो ठीकरा संगठन के ऊपर फोड़ा जाता है। पार्टी यदि चुनाव जीत जाती है, तो उसका श्रेय नरेंद्र मोदी को दे दिया जाता है। लोकसभा के चुनाव मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर जनादेश मांगा जा रहा है। चुनाव प्रचार के इस अभियान में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता गायब हैं। कल जब मोदी के विकल्प की जरूरत पार्टी को होगी, तो पार्टी के अंदर कौन है, जिसके नाम पर या जिसको आगे करके भाजपा संगठन चुनाव लड़ सके।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है। सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया महावीर स्वामी ने!

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया।भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को वीर, अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे।समाज मे अहिंसा, सद्भावना, सत्यता और सात्विकता का संदेश देकर समाज को समर्द्ध बनाने वाले महावीर स्वामी ने अपने जीवन में पूरे समाज को हमेशा सन्मार्ग दिखाया है। उन्होंने हमेशा जियो और जीने दो का संदेश दिया। जैन धर्म के लोग ही नही अपितु सर्वसमाज के लोग की जयंती को बहुत धूमधाम और व्यापक स्तर पर मनाते हैं। उन्होंने हर भक्त को अहिंसा, सत्य अचौर्य, बह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करने को कहा है।महावीर स्वामी ने कहा है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म अहिंसा है। अतः हमें हमेशा जियो और जीने दो के संदेश पर कायम रहना चाहिए।महावीर ने हमें स्वयं के दोषों से लड़ने की प्रेरणा दी है। वह कहते हैं- स्वयं से लड़ो, बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना? वह जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी।मनुष्य की आत्मा अपने आप में सर्वज्ञ (परिपूर्ण) और आनंदमय है। आनंद को कभी बाहर से प्राप्त नहीं किया जा सकता। आत्मा अकेले आती है और अकेले चली जाती है, न कोई उसका साथ देता है और न ही कोई उसका मित्र बनता है।के हमेशा दुखी होने की वजह खुद की गलतियां ही हैं, जो मनुष्य अपनी गलतियों पर नियंत्रण पा लेता है। वही मनुष्य सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है।जीवित प्राणी के प्रति दयाभाव ही अहिंसा है। घृणा से हम ना केवल अपना विनाश करते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी कष्टकारी हो सकता है। महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे। महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था। उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये। महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार-विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है- अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है। जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया और यही जैन धर्म की विशेषता भी बनी।

सियासत के किले हैं, तो वे ढहेंगे भी...

-राकेश अचल

` देश-दुनिया में दुर्ग यानि किले सत्ताधीशों के ही बनते आये है। लेकिन ये दुर्ग जब लोकतंत्र में सियासी दल भी बनाते हैं तो उन्हें ढहाने का उपक्रम भी लगातार चलता रहता है। सियासत के दुर्ग या तो राजनीतिक दल की विचारधारा के आधार पर बनाये जाते हैं या फिर व्यक्तित्व के आधार पर। आजादी के बाद यदि किसी राजनीतिक दल का सबसे मजबूत किला था तो वो था कांग्रेस का । लेकिन बाद में अधिकांश राजनीतिक दलों ने अपने-आपने इलाकों में किलों के बजाय छोटी-छोटी गढ़ियाँ बनाना शुरू कर दीं। आजकल देश में कहते हैं कि सबसे ज्यादा मजबूत किला भाजपा का है और उसे ढहाने में कांग्रेस समेत देश के तमाम छोटे-बड़े राजनीतिक दल लगे हुए हैं। अतीत में झांके तो पाएंगे कि पहले सियासी किले अभेद्य हुआ करते थे। उनके ऊपर किसी भी तरह के हमलों का असर नहीं होता था ,क्योंकि ये किले विचारधारा की नींव पर खड़े किये गए थे। कांग्रेस,भाकपा,समाजवादी और दक्षिण पंथियों ने समय-समय पर अपने किले बनाये। इन किलों के जरिये देश में आरसे तक राजनीति भी खूब फली-फूली ,लेकिन जब किलों के ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर रुका नहीं। एक जमाने में जहाँ-जहँ कांग्रेस के किले थे वहां-वहां क्षेत्रीय दलों ने उनके ऊपर कब्जा कर लिया। ये क्षेत्रीय किले कहीं-कहीं कांग्रेस के साथ भी खड़े हुए और कहीं एकदम अकेले।
पश्चिम बंगाल में वामपंथ का किला 25 साल तक अभेद्य रहा। उसे कांग्रेस से अलग हुई तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका सुश्री ममता बनर्जी ने तोड़ा। दक्षिण के क्षेत्रीय किले तोड़ने के लिए कांग्रेस और भाजपा लगातार कोशिश करती रही ,लेकिन उन्हें ध्वस्त नहीं कर पायी। कर्नाटक में किले ढहाने और उन पर कब्जे करने का सनातन खेल जारी है। भाजपा ने 2014 में कांग्रेस के किले को ही नहीं ढहाए बल्कि कांग्रेस की गढ़ियाँ भी ध्वस्त कर दीं। लेकिन अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों के किले आज भी सुरक्षित हैं। मिसाल के तौर पर ओडिशा में बीजू जनता दल का किला। इन दिनों भाजपा का किला ढहाने के लिए कसबल लगाया जा रहा है। 2024 में भाजपा का किला ध्वस्त करने के लिए जगह-जगह सेंधमारी की जा रही है। कहीं कामयाबी मिल रही है और कहीं नहीं भी। दिल्ली और झारखण्ड कि किलेदारों को जेल की हवा भी खिला दी गयी है किन्तु ये किले यानि गढ़ियाँ जीती नहीं जा सकीं। भाजपा का किला राम नाम की ईंटों से बनाया गया है अभी ये किला 44 साल पुराना ही है। इस किले को बनाने में राम जी बार-बार काम आये लेकिन इस बार भाजपा के किले की अनेक बुर्जों पर विरोधियों ने जमकर सेंधमारी की है। लोकतंत्र में सियासी किले ढहाने के लिए मतदान सबसे बड़ा जरिया है । वोट के बम किले की किसी भी बुर्ज को ध्वस्त कर सकते हैं और इन्हीं क्षतिग्रस्त बुर्जों से किले के भीतर जाने के रस्ते बनाये जानते हैं। सियासी किलों की मरम्मत और हमलों का काम हर पांच साल में होता है। इस साल भी किले फतह करने, किले कमजोर करने की कवायद चल रही है । पहले हमले में 102 ठिकानों पर जोर -आजमाइश हुई है। अभी इसी तरह के छह हमले और किये जाने है। सियासी किले बचने के लिए साम-दाम-दंड भेद के सात गोधन,गजधन ,बाजधन और रतनधन के अलावा इलेक्ट्रोरल बांड से मिले धन का भी इस्तेमाल किया जाता है। बाहुबल अब गौण हो गया है ,हालाँकि बंगाल जैसे राज्यों में अभी भी ये बाहुबल भी प्रचलन में हैं। जिसके पास जितना ज्यादा धन होता है वो उतना ज्यादा ताकतवर माना जाता है। इस समय भाजपा धनबल के मामले में सबसे ज्यादा मजबूत है। उसकी अक्षोहणी सेना में संघ दीक्षित स्वयं सेवकों के साथ अंधभक्तों की तादाद दूर दलों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। अंधभक्तों की टुकड़ी सबसे ज्यादा ताकतवर मानी जाती है ,क्योंकि इसे अपने राजा के अलावा कोई दूसरा सूझता ही नहीं। मैंने अपने जीवन में अनेक मजबूत से मजबूत किले ध्वस्त होते देखे है। मैंने अनेक गढ़ियाँ बनते -बिगड़ते देखीं हैं। आपने भी देखी ही होंगीं लेकिन आपने शायद इनके बारे में ज्यादा गौर नहीं किया। जनता जनार्दन अक्सर इन किलों में या तो कैद रहती है या फिर अपने आपको महफूज महसूस कर इनसे बाहर नहीं निकलती। इन किलों में गरीबी परिवारों को पेट की आग बुझाने के लिउए मुफ्त का राशन और भाषण दोनों मिलता है । मनोरंजन के लिए रामधुन,आत्मशांति के लिए मंदिर की सुविधाएं भी मुहैया कराई जातीं है। कांग्रेस के किलों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर सब होते हैं। पहले इन्हीं सुविधाओं की वजह से कांग्रेस के किलों में ज्यादा लोग बसते थे । लेकिन बाद में कांग्रेस के किले में भगदड़ मची । हाल के दिनों में टोकांग्रेस का किला छोड़कर भाजपा के किले में लगे शरणार्थी शिविर में सबसे ज्यादा आमद दर्ज कराई है। भाजपा की अपनी ताकत से किसी को इंकार नहीं है और होना भी नहीं चाहिये । लेकिन भाजपा इस बार अपना किला बिभीषणों के जरिये बचाये रखना चाहती है। भाजपा ने अपने शरणार्थी शिविरों में आने वाले कांग्रेसियों को सम्मान और सामान दोनों दिए है। उनके तमाम पाप क्षमा कर दिए हैं ,लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही। भाजपा को अपना किला महफूज बनाये रखने के लिए कम से कम 400 गढ़ियाँ चाहिए। इन्हें हासिल करने के लिए भाजपा ने हर नाजायज तरीके को जायज मानकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा को अपने दरबार के लिए जो नायब हीरे चाहिए वे जनता को ही चुनकर देना है। लेकिन चुनाव के पहले दौर में लक्षण अच्छे नहीं दिखाई दिए। आगे के छह चरणों में क्या होगा ,ये राम ही जानें ? मै राम की बात इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि भारत में एक दशक से सब कुछ राम के नाम पर ही हो रहा है। कभी-कभी भोले बाबा और योगाधीश कृष्ण का भी नाम लिया जाता है ,अभी राम का नाम सबसे ज्यादा चल रहा है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को छू सकता है

- प्रहलाद सबनानी

वर्ष 1991 में भारत के पास केवल 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था जो केवल 15 दिनों के आयात के लिए ही पर्याप्त था। वहीं, आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है एवं यह पूरे एक वर्ष भर के आयात के लिए पर्याप्त है। आज भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, स्विजरलैंड के बाद विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना महामारी के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से कम हुआ था, परंतु वर्ष 2022 के बाद से यह अब लगातार उतनी ही तेज गति से आगे भी बढ़ रहा है। और, अब तो यह उम्मीद की जा रही है कि आगे आने वाले समय में यह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा। भारत में वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों के बाद से पिछले 33 वर्षों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ता रहा है। यह वर्ष 2004 में 14,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था, वर्ष 2014 में 32,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2024 में 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत के पड़ौसी देशों का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत कम है, जैसे बंगलादेश के पास 2,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, नेपाल के पास 1,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर, पाकिस्तान के पास 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्रीलंका के पास 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अतः भारत समय समय पर अपने पड़ौसी देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) की इस संदर्भ में लाइन आफ क्रेडिट उपलब्ध कराकर मदद करता रहता है। हाल ही के समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं, भारत में लगातार बढ़ता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश। केंद्र सरकार द्वारा चालू किए गए आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के चलते भारत में अब व्यापार करना बहुत आसान हुआ है अतः विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित कर रही हैं, जिसके लिए वे भारत में भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ला रही हैं। दूसरे, भारतीय मूल के नागरिक जो विदेश में जाकर बस गए हैं अथवा वे वहां पर रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से गए हैं, वे इन देशों में अपनी बचत की राशि को भारत भेज रहे हैं। यह राशि पूरे विश्व में किसी भी देश में भेजने वाली राशि में सबसे अधिक है। वर्ष 2023-24 में विदेशों में बसे भारतीय मूल के नागरिकों ने 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी थी। दूसरे स्थान पर मेक्सिको रहा था जहां पर 6,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी और तीसरे स्थान पर चीन रहा था, जहां 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी। कितना बड़ा अंतर है प्रथम एवं द्वितीय स्थान के देशों में। तीसरा, कारण है कि अब भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात कम हो रहे हैं। और, अब तो भारत रक्षा के क्षेत्र में भी हवाई जहाज एवं अन्य रक्षा सामग्री का निर्यात करने लगा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा के क्षेत्र में 21,083 करोड़ रुपए का निर्यात भारत द्वारा किया गया था, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्यात की गई राशि 15,920 करोड़ रुपए से 32.5 प्रतिशत अधिक था।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन परोपकार में बीतेगा। कार्यक्षेत्र का माहौल आपके हित में रहेगा और आपको लाभ होगा।

वृषभ भाग्य का साथ मिलेगा। आपको दोपहर तक भाग्य के भरोसे हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा।

मिथुन आज आपको किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा पूरी होगी।

कर्क बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से मन खुश होगा। आपकी कोष की स्थिति बेहतर होगी।

सिंह आज आर्थिक लाभ का दिन है। आपके प्रयोग में आशातीत सफलता मिलेगी।

कन्या आज आर्थिक लाभ होगा। आपको आर्थिक मामलों में लाभ होगा और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

तुला आर्थिक लाभ होगा और शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त होगी।

वृश्चिक आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु आज आपका धन खर्च अधिक होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी।

कुंभ अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

मीन दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी।

विशेष

एक झटके में खत्म हो जाएगी कांग्रेस?

भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश करने के बाद कांग्रेस के पुराने नेता, कांग्रेस के बारे में क्या कहते हैं। यह सभी के लिए जानना जरूरी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक आपत्तिजनक बयान देते हुए राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी गरीबी को एक झटके में खत्म करेंगे। राहुल गांधी ने कहा था, उद्योगपति मित्रों का जो कर्ज मोदी जी ने माफ किया है। उतनी ही राशि से वह गरीबों और किसानों के कर्ज माफ करेंगे। इस पर सिंधिया ने कहा कांग्रेस स्वयं एक ही झटके में खत्म हो जाएगी। अर्थात गरीब, गरीब ही बने रहेंगे। 2019 के चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव हार गए थे। उसके बाद वह भाजपा में शामिल हो गए।

केजरीवाल पर फोकस बना रहेगा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अन्ना आंदोलन से निकलकर राजनेता बने हैं।भाजपा को उन्होंने बहुत अच्छे से देखा और जाना है। वह जानते हैं, जब तक वह फोकस में बने रहेंगे।तभी तक उनकी राजनीति चलेगी। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और जेल से बाहर आने के बाद उनके ऊपर से फोकस हट जाएगा। आम आदमी पार्टी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फोकस बनाए रखने के लिए, रोजाना कोई ना कोई ऐसा बयान जारी कर देते हैं। जिससे दिल्ली की राजनीति तेज हो जाती है।

कार्टून कोना

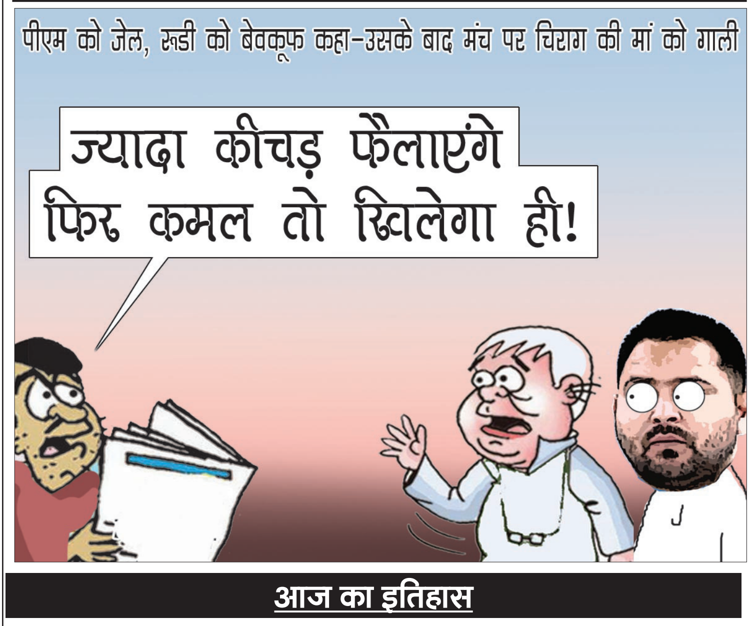

आज का इतिहास

1454: बहलोल खान लोदी दिल्ली की गद्दी पर बैठा. 1526: इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच पानीपत की लड़ाई हुई थी, जिसमें लोदी मारा गया.1839: तुर्की ने सीरिया पर हमला किया. 1926: इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ द्वितीय का जन्म हुआ था. 1930: कोलम्बस, ओहिया, अमेरिका में राजकीय सुधारगृह में लगी आग से 377 बन्दियों की मृत्यु और 234 घायल. 1938: उर्दू शायर मुहम्मद इकबाल की मौत. 1966: ह्यूस्टन के एक अस्पताल में एक व्यक्ति में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया गया. 1972: अपोलो 16 के दो अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद की सतह पर सात घंटे तक खोजबीन की. 1986: फिलीपींस में सैनिकों ने विद्रोहियों के शिविर पर हमला किया 44 लोग मारे गये. 1987: कोलंबो में बम विस्फोट से 45 मरे.

दैनिक पंचांग

21 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

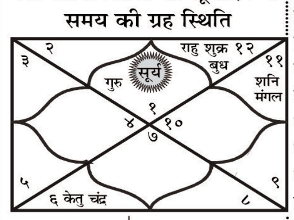

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.55 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.53 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	11.07 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.23 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.35 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.46 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	20.00 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.16 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.21 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	02.08 बजे से
		मीन	03.41 बजे से
		मेष	05.11 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 112 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 01.12 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 17.08 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 03.44 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 11.59 बजे तदनन्तर तैतिल 01.12 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 57'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871956
जूलियन दिन 2460421.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत, महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक	चर	08.41	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक	रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक	काल	11.46	से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कंगना रनौत ने हाल ही में एक इंटरव्यू में दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू नहीं बल्कि सुभाष चंद्र बोस भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। उनकी टिप्पणियों की ऐतिहासिकता या उसकी कमी के लिए आलोचना होने के बाद, कंगना ने अपने दावे के सबूत के रूप में 1943 में बोस द्वारा स्थापित निर्वासित सरकार का हवाला देते हुए अपनी बात दोहराई।

कंगना ने सुभाष चंद्र बोस को किस आधार पर बताया भारत का पहला प्रधानमंत्री

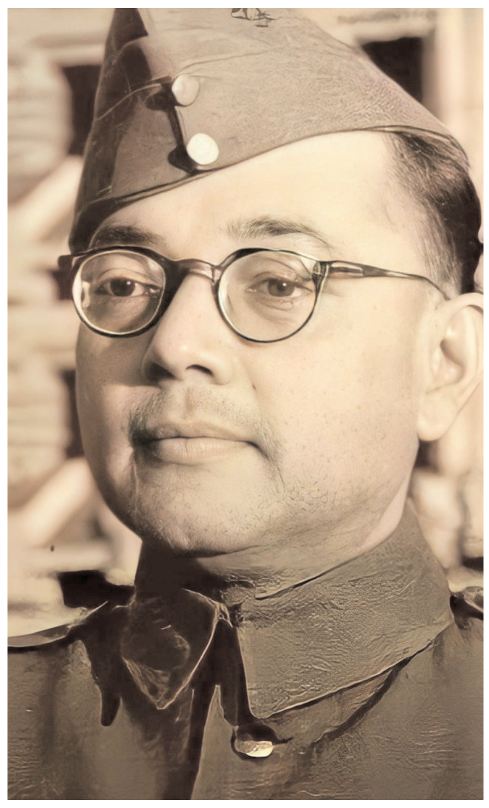

मंडी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत सुभाष चंद्र बोस को 1943 में सिंगापुर में गठित आज़ाद हिंद सरकार का प्रमुख होने के आधार पर भारत का प्रथम प्रधानमंत्री बता रही हैं। जबकि बोस ने जिस तरह की सरकार का गठन किया था. इस तरह की सरकार देश से बाहर जाकर बनाई जाती है। ऐसी सरकारों के गठन का मकसद राजनीतिक दबाव बनाना होता है। आमतौर पर निर्वासित सरकार को वास्तविक सरकार नहीं माना जाता है। फिर भी अगर कंगना के तर्क को मान ले तो भारत के प्रथम प्रधानमंत्री मौलाना बरकतुल्लाह होंगे क्योंकि उन्होंने बोस से भी पहले काबुल में निर्वासित सरकार का गठन किया था।

कंगना रनौत ने हाल ही में एक इंटरव्यू में दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू नहीं बल्कि सुभाष चंद्र बोस भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। उनकी टिप्पणियों की ऐतिहासिकता या उसकी कमी के लिए आलोचना होने के बाद, कंगना ने अपने दावे के सबूत के रूप में 1943 में बोस द्वारा स्थापित निर्वासित सरकार का हवाला देते हुए अपनी बात दोहराई।

आइए जानते हैं वह असल में किस बारे में बात कर रही है-

आज़ाद हिन्द सरकार- सुभाष चंद्र बोस ने 21 अक्टूबर, 1943 को सिंगापुर में आज़ाद हिंद की निर्वासित सरकार के गठन की घोषणा की थी। उस निर्वासित सरकार के प्रमुख यानी प्रधानमंत्री खुद सुभाष चंद्र बोस थे, उनके पास विदेशी मामलों का विभाग और युद्ध विभाग था। एसी चटर्जी वित्त के प्रभारी थे, एसए अय्यर प्रचार और प्रचार मंत्री थे, और लक्ष्मी स्वामीनाथन को महिला मामलों का मंत्रालय दिया गया था। बोस की आज़ाद हिंद फ़ौज के कई अधिकारियों को भी कैबिनेट में शामिल किया गया था।आज़ाद हिंद सरकार ने ब्रिटेन के दक्षिण पूर्व एशियाई उपनिवेशों (मुख्य रूप से बर्मा, सिंगापुर और मलाया) में सभी भारतीय नागरिकों और सैन्य कर्मियों पर अधिकार का दावा किया था। जैसे चार्ल्स डी गॉल ने स्वतंत्र फ्रांस के लिए अटलांटिक में कुछ द्वीपों पर संप्रभुता की घोषणा की थी, ठीक वैसे ही बोस ने अपनी सरकार को वैधता देने के लिए अंडमान को चुना था। सरकार ने दक्षिण पूर्व एशिया में रहने वाले भारतीयों को भी नागरिकता प्रदान की अकेले मलाया में 30,000 प्रवासियों ने आजाद हिंद सरकार के प्रति निष्ठा व्यक्त की थी। कूटनीतिक रूप से बोस की सरकार को जर्मनी, जापान और इटली, साथ ही क्रोएशिया, चीन, थाईलैंड, बर्मा, मंचूरिया और फिलीपींस में नाजी और जापानी कठपुतली सरकारों द्वारा मान्यता दी गई थी। अपने गठन के तुरंत बाद आज़ाद हिंद सरकार ने ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।

सुभाष चंद्र बोस से पहले भी बनाई गई थी निर्वासित सरकार

आज़ाद हिंद सरकार के अस्तित्व में आने से 28 साल पहले काबुल में भारतीय स्वतंत्रता समिति (आईआईसी) नामक एक समूह द्वारा भारत की निर्वासित सरकार का गठन किया गया था। जिस तरह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों से लड़ने के लिए बोस ने जर्मनी और जापान जैसे देशों के साथ गठबंधन किया था। उसी तरह प्रथम विश्व युद्ध के दौरान विदेशों में रहने वाले भारतीय राष्ट्रवादियों (ज्यादातर जर्मनी और अमेरिका में) ने भारत के क्रांतिकारियों और पैन-इस्लामवादियों के साथ मिलकर भारत को आजाद कराने की कोशिश की थी।

आईआईसी ने ओटोमन खलीफा और जर्मनों की मदद से भारत में विद्रोह भड़काने की कोशिश की, मुख्य रूप से कश्मीर में मुस्लिम जनजातियों और ब्रिटिश भारत की उत्तर-पश्चिमी सीमा के बीच। इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए आईआईसी ने काबुल में राजा महेंद्र प्रताप की अध्यक्षता और मौलाना बरकतुल्लाह के प्रधानमंत्रित्व काल में एक निर्वासित सरकार की स्थापना की। बरकतुल्लाह क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश में भारत के बाहर दशकों बिताए थे। बरकतुल्लाह भी ग़दर आंदोलन के संस्थापकों में से एक थे, जो 1913 में कैलिफोर्निया में शुरू हुआ था और इसका उद्देश्य भारत में ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकना था। हालांकि युद्ध के अंत तक भारत में आंदोलन को कुचल दिया गया था, लेकिन गदर आंदोलन ने भारतीयों और अंग्रेजों पर एक मजबूत और स्थायी प्रभाव छोड़ा। काबुल की निर्वासित सरकार ग़दरवादी क्रांतिकारियों द्वारा चलाए गए कई कदमों में से एक थी।

क्यों बोस और बरकतुल्लाह की सरकार को नहीं मान सकते असली सरकार?

निर्वासित सरकारों की स्थापना करना लंबे समय से आंदोलनों के लिए राजनीतिक वैधता हासिल करने का एक तरीका रहा है। उदाहरण के लिए धर्मशाला में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) को लें। इस निर्वासित सरकार का उद्देश्य ही तिब्बत पर चीनी कब्जे की वैधता को चुनौती देना है। तिब्बती लोगों की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाली एक समानांतर सरकार चलाकर, सीटीए प्रतिरोध की लौ जलाए रखता है, तब भी जब तिब्बत में सरकार के दमन और सत्ता द्वारा प्रायोजित हान प्रवासन ने चीजों को कठिन बना दिया है। इसी तरह 1915 और 1943 की दोनों अस्थायी सरकारें, कुछ और नहीं बल्कि भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ अवज्ञा की प्रतीकात्मक पहल थीं, जो कुछ राजनीतिक विचारों को ध्यान में रखकर बनाई गई थीं। बोस ने अंग्रेजों के खिलाफ अपने सशस्त्र संघर्ष को वैध बनाने के लिए आजाद हिंद सरकार की घोषणा की। एक अस्थायी सरकार की घोषणा करके, उन्होंने अपनी सेना को अंतरराष्ट्रीय कानून की नजर में वैधता प्रदान की ङ्क वे सिर्फ विद्रोही या क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि एक विधिवत गठित सरकार के सैनिक थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज़ाद हिंद फौज के अधिकारियों द्वारा ली गई नागरिकता की शपथ को उनके कार्यों की वैधता के सबूत के रूप में 1945-46 के लाल किले परीक्षणों के दौरान पेश किया गया था। दूसरी ओर काबुल की निर्वासित सरकार को आईआईसी के इरादों की गंभीरता को स्थापित करने के लिए घोषित किया गया था। 1917 में यह सोवियत तक भी पहुंच गया और भारत की सीमाओं पर निर्वासित सरकार के अधिकार के रूप में, ब्रिटिशों के लिए एक बड़ा ख़तरा बन गया। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों में से किसी को भी, किसी भी तरह से, भारत सरकार नहीं कहा जा सकता है। ऐसा दो मुख्य कारणों से है- पहला, ये दोनों सरकारें व्यापक अंतरराष्ट्रीय मान्यता हासिल करने में विफल रहीं। हालांकि कुछ देशों ने उन्हें मान्यता दी और उनका समर्थन किया, लेकिन उन्होंने अपने उद्देश्यों के लिए ऐसा किया। विश्व युद्धों (जिसमें अंग्रेज विजयी हुए) के बाद यह समर्थन तेजी से खत्म हो गया। दूसरा, इन दोनों सरकारों ने कभी भी भारतीय क्षेत्र पर नियंत्रण नहीं किया। बोस ने आधिकारिक तौर पर अंडमान पर कब्ज़ा कर लिया था लेकिन प्रभावी रूप से, द्वीप जापानी कब्जे में थे। काबुल सरकार ने कभी भी भारतीय धरती पर कदम नहीं रखा, और 1919 में इसके विघटन तक यह केवल कागजों पर ही रहा।

दास्तान-कांग्रेस के गढ़ में घुसकर दी मात

1974 में म.प्र.जबलपुर सीट जीतने वाले शरद यादव को तब मिला था दिग्गजों का साथ

समाजवादी नेता शरद यादव का पहला चुनाव अपने आप में कई तरह से ऐतिहासिक रहा। पहला चुनाव उन्होंने जेल से अपने घरेलू जिले जबलपुर से लड़ा था। बात 1974 की है। युवा शरद जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से पूरी तरह से प्रेरित थे और जेपी आंदोलन अपने पूरे उफान पर था। वह जबलपुर यूनिवर्सिटी के छात्र संघ के अध्यक्ष थे, लेकिन बिहार छात्र आंदोलन में सक्रियता से हिस्सा ले रहे थे।

(मंजरी चतुर्वेदी)

देश के राजनीति की बात करें तो कद्दावर नेताओं की लिस्ट में शरद यादव का नाम आता है। अब वह इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनसे जुड़ी यादें शेष हैं। बात साल 1974 की है। शरद यादव ने तब पहला चुनाव अपने घरेलू जिले जबलपुर से लड़ा था। तब उन्हें कई दिग्गज नेताओं का साथ मिला था। उन्होंने संविधानसभा के सदस्य रहे गोविंद दास के बेटे को हराया था।

समाजवादी नेता शरद यादव का पहला चुनाव अपने आप में कई तरह से ऐतिहासिक रहा। पहला चुनाव उन्होंने जेल से अपने घरेलू जिले जबलपुर से लड़ा था। बात 1974 की है। युवा शरद जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से पूरी तरह से प्रेरित थे और जेपी आंदोलन अपने पूरे उफान पर था। वह जबलपुर यूनिवर्सिटी के छात्र संघ के अध्यक्ष थे, लेकिन बिहार छात्र आंदोलन में सक्रियता से हिस्सा ले रहे थे। उनके तेवर देख उन्हें मीसा के तहत जेल भेज दिया गया। तभी जबलपुर के सांसद सेठ गोविंद दास के निधन के चलते जबलपुर की लोकसभा सीट खाली हुई, जिस पर हुए उपचुनाव में पहली बार शरद यादव संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर उतारे गए। इन्हें नाम दिया गया- 'जनता उम्मीदवार'। जाने-माने सर्वोदयी नेता दादा धर्माधिकारी के सुझाव पर जेपी ने शरद यादव को इस चुनाव में उतारने का फैसला किया था।

दास्तान~ एमजीआर पर चली गोली ने बदल दी थी डीएमके की किस्मत, 1967 तमिलनाडु चुनाव में बंपर जीत की कहानी

जीत से ऐसे बदली थी तस्वीर

दरअसल, यह सीट न सिर्फ कांग्रेस का गढ़ थी, बल्कि संविधानसभा के सदस्य रहे गोविंद दास लगातार यहां से जीतते रहे थे। उनके निधन के बाद कांग्रेस ने यहां से उनके बेटे को टिकट दिया, लेकिन शरद यादव ने उन्हें हरा दिया। चुनाव से महज दस दिन पहले उन्हें जेल से रिहा किया गया। उस उपचुनाव में विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं ने जेल में बंद शरद यादव का न सिर्फ चुनाव संभाला, बल्कि प्रचार भी किया। जॉर्ज फर्नांडिस ने लगातार कैंप कर यादव के चुनाव का प्रबंधन किया।

शरद को मिला था इन दिग्गजों का साथ

जयप्रकाश नारायण से लेकर अटल बिहार वाजपेयी तो मधु लिमये से लेकर कई वामपंथी छात्र नेता तक यादव के लिए रैली करने पहुंचे थे। राजनीति में शरद यादव का यह उपचुनाव कांग्रेस के शासन के खिलाफ संयुक्त विपक्ष का एक सफल प्रयोग माना गया। तब विपक्ष को पहली बार लगा कि वह कांग्रेस के खिलाफ एकजुट हो सकता है। कहा जाता है कि कांग्रेस के आपातकाल के खिलाफ जब समूचा विपक्ष एकजुट हुआ तो जेपी ने इस प्रयोग के आधार पर ही विपक्ष के संयुक्त मंच को जनता पार्टी नाम देने का सुझाव दिया। इस तरह से इमरजेंसी के बाद जब विपक्ष ने अपना मोर्चा बनाया तो उसे जनता पार्टी का नाम दिया गया।

पप्पू यादव के बागी तेवर से नीतीश का फायदा फिक्स, लालू की कैंडिडेट बीमा भारती को बड़ा नुकसान

हाल के दिनों में बिहार में एक राजनीतिक खेल हुआ। उस खेल के मुख्य शिकार बने पूर्व सांसद पप्पू यादव। बिहार के किसी कोने में कोई रेप का पीड़ित हो, किसी की हत्या हो गई हो। किसी के घर में कोई घटना हो गई हो। इतना ही नहीं जब भारी बारिश के बाद पटना डूब सा गया था। तब कोई बाहर निकला, तो वे पप्पू यादव थे। उन्होंने लोगों की मदद की। आइए जानते हैं कैसे पप्पू यादव नीतीश कुमार को फायदा पहुंचा रहे हैं।

पूर्णियाः पप्पू यादव कांग्रेस में शामिल हो गए। जितनी जल्दी शामिल हुए, उससे भी तेजी में उसी पार्टी से बागी हो गए। पप्पू यादव का कांग्रेस के अलावा लालू यादव से मोहभंग हो गया। प्रणाम पूर्णिया अभियान चलाकर लोकसभा चुनाव लड़ने का सपना देखने वाले पप्पू यादव कांग्रेस और लालू के व्यवहार से अचानक जमीन पर आ गए। उन्हें कुछ सूझ नहीं रहा था। उसके बाद उन्होंने आखिरकार पूर्णिया से नामांकन कर दिया। उन्होंने निर्दलीय के रूप में नामांकन किया है। उन्होंने इस दौरान आरजेडी और लालू यादव पर खुद के राजनीतिक करियर को खत्म करने का भी आरोप लगाया। सीमांचल के बाहुबली नेता और पांच बार सांसद रहे पप्पू यादव को इस तरह सियासी रूप से लाचार अभी तक किसी ने नहीं देखा था।

रोने लगे पप्पू यादव

पप्पू यादव कैमरे के सामने रोते हुए बोलने लगे। स्थानीय लोग कहते हैं कि उनमें सांसद बनने के सभी गुण हैं। कांग्रेस ने उन्हें आधिकारिक तौर पर समर्थन देने से मना कर दिया है। हाल ही में अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करने वाले पप्पू पूर्णिया से पार्टी के टिकट की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन राजद ने न केवल कांग्रेस को सीट देने से इनकार कर दिया, बल्कि उसने मौजूदा जदयू सांसद संतोष कुमार कुशवाहा के खिलाफ जदयू की बागी और पूर्व राज्य मंत्री बीमा भारती को अपने उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा। 2019 के लोकसभा चुनाव में, कुशवाहा ने कांग्रेस के उदय सिंह को 2.6 लाख से अधिक वोटों से हराया था। अब जब पप्पू मैदान में शामिल हो गए हैं, तो पूर्णिया में त्रिकोणीय मुकाबला होने की पूरी संभावना है। जिसमें पूर्व में महागठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार बीमा भारती के वोट आधार में कटौती होने की संभावना है।

जेडीयू को सीधा फायदा- सियासी जानकारों के मुताबिक ऐसा होने पर एनडीए के उम्मीदवार कुशवाहा को फायदा होगा। मधेपुरा में स्थानांतरित होने से पहले पप्पू ने पूर्णिया से तीन बार 1991, 1996 और 1999 में जीत हासिल की थी, जिसमें से उन्होंने दो बार जीत हासिल की। गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल करने के बाद पप्पू ने रोते हुए कहा कि पूर्णिया से मुझे टिकट नहीं देकर राजद मेरी राजनीतिक हत्या करने की कोशिश कर रही है। मैं शुरू से ही पूर्णिया से चुनाव लड़ने पर जोर दे रहा था और अपनी पार्टी का इसमें विलय करने से पहले मैंने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को भी यह बात बता दी थी। मैं राजद प्रमुख लालू प्रसाद से भी मिला था, जिन्होंने मुझे मधेपुरा या

सुपौल से प्रयास करने की सलाह दी थी। लेकिन मैंने उनसे कहा था कि वहां के लोगों से मेरे जुड़ाव के कारण मुझे पूर्णिया पसंद है।

पप्पू का भावुक बयान

पप्पू ने ये भी कहा था कि उन्होंने यह भी जानना चाहा था कि क्या उनमें दोबारा सांसद बनने के गुण हैं। अगर राजनीति में लालू प्रसाद के बेटे और बेटियां राजनेता बनने की योग्यता पूरी करते हैं, तो मैं भी हूं। मुझमें क्या कमी है? पप्पू ने अपने करियर की शुरुआत समाजवादी नेता और पूर्व सांसद शरद यादव के राजनीतिक प्रबंधक के रूप में की थी। बिहार के सीमांचल और कोसी क्षेत्रों (जिसमें पूर्णिया, सहरसा, मधेपुरा और सुपौल शामिल हैं) के साथ अपने लंबे जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने दावा किया है कि पूर्णिया की लड़ाई के लिए मुझे अपनी पार्टी का समर्थन प्राप्त है। हालांकि, बिहार कांग्रेस प्रमुख अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पार्टी उनकी (पप्पू की) उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करती है। राज्य कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि वह सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत अपने वरिष्ठ सहयोगी को आवंटित पूर्णिया सीट पर राजद उम्मीदवार की उम्मीदवारी का पुरजोर समर्थन करेगी।

कांग्रेस पप्पू से अलग

सीट समझौते के मुताबिक राज्य की 26 सीटों पर राजद और 9 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। राज्य कांग्रेस के एक वर्ग का दावा है कि अखिलेश प्रसाद सिंह पप्पू के पार्टी में शामिल होने और पूर्णिया से चुनाव लड़ने के खिलाफ थे। चूंकि पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन पहले से ही कांग्रेस की राज्यसभा सांसद हैं, इसलिए अखिलेश असहज थे। अगर पप्पू कांग्रेस में बढ़ते हैं, तो अखिलेश अपना प्रभाव खो सकते हैं। आरजेडी के नेता कहते हैं कि पप्पू यादव की पूर्णिया से उम्मीदवारी को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए, वह लड़ाई को कड़ा मुकाबला बनाएंगे। पूर्णिया में अब किसी का भी खेल होगा।

वीसा इंटरव्यू में दें सही जानकारी

वीसा इंटरव्यू में आपको हमेशा ईमानदारी बरतनी चाहिए। अपने परिवार वालों से मिलने जाना अमेरिका जाने का पूरी तरह वैध कारण बनता है। यूएस वीसा के लिए बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं और इतनी बड़ी संख्या से निपटने के लिए आम तौर पर वीसा इंटरव्यू संक्षिप्त ही होते हैं। अक्सर ये महज 2 से 3 मिनट के ही होते हैं। चूंकि इंटरव्यू तेज गति से चलेगा, इसलिए बेहतर है कि आप ईमानदारी से और सीधे-सीधे जवाब दें।

इंटरव्यूइंग ऑफिसर कम समय में यह तय करने की कोशिश कर रहा होता है कि आप प्रामाणिक आवेदक हैं या नहीं। यदि ऐसा प्रतीत हुआ कि आप कोई जानकारी छुपा रहे हैं या प्रश्नों को टाल रहे हैं, तो ऑफिसर को आपकी प्रामाणिकता पर शक हो सकता है। इंटरव्यूइंग ऑफिसर यह भी पूछ सकता है कि आप क्या काम करते हैं, सो अपनी जॉब/ बिजनेस और जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति के बारे में बताने के लिए भी तैयार रहें। चूंकि इंटरव्यू तेजी से चलता है, सो यह जरूरी है कि आप प्रश्नों के त्वरित उत्तर दें और त्वरित उत्तर देने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप सच बोलें। वीसा इंटरव्यू में आम तौर पर दस्तावेज नहीं देखे जाते। मगर आप चाहें, तो ऐसे दस्तावेज ले जा सकते हैं, जो जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति और आपकी यात्रा के उद्देश्य से जुड़े हों। मसलन, यदि आपकी बेटी एच1बी वर्कर वीसा पर अमेरिका में है, तो आप उसके पासपोर्ट व वीसा की कॉपी ला सकते हैं, जिससे आप ऑफिसर को बता सकें कि आपका उससे क्या रिश्ता है और यह कि वह वैध रूप से अमेरिका में काम कर रही है।

भारत समेत दुनिया भर में बढ़ रही है होम्योपैथिक डॉक्टरों की मांग

होम्योपैथिक इलाज में दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथिक उपचार पर भरोसा करते हैं। अगर आप भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

अंग्रेजी दवाओं के अलावा कई लोग होम्योपैथिक दवाओं पर भी भरोसा जताते हैं। किसी भी बीमारी व समस्या को ठीक करने के लिए होम्योपैथिक डॉक्टर प्राकृतिक जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि भारत समेत दुनिया भर में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भी मांग बढ़ती जा रही है। वहीं छात्रों में भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का इंट्रेस्ट बढ़ रहा है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने डॉक्टरों की सेवाभाव को देखा है। ऐसे में जो छात्र होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं। यह आर्टिकल उन्हीं के लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की सारी पात्रताओं के बारे में जानकारी देने के अलावा यह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

क्वालिफिकेशन

- होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से 12वीं पास होना अनिवार्य है।
- 12वीं कक्षा में छात्रों के कम से कम अंक 50 फीसदी होने चाहिए। वहीं आरक्षित श्रेणियों के कैंडिडेट के 45% अंक होना जरूरी है।
- छात्र की कम से कम उम्र 17 साल होनी चाहिए।
- छात्र का नीट क्वालिफाई होना जरूरी है।

होम्योपैथी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए तमाम संस्थान परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

प्रवेश परीक्षाएं

इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
केरल इंजीनियरिंग, कृषि और चिकित्सा
भारती विद्यापीठ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
पंजाब यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा
इंजीनियरिंग, कृषि और मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश)

नौकरी

होम्योपैथिक कोर्स पूरा होने के बाद छात्र सरकारी या प्राइवेट स्तर पर अपनी नौकरी की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपना क्लीनिक भी खोल सकते हैं। होम्योपैथिक क्षेत्र में आप यह नौकरी भी कर सकते हैं।

शिक्षण कार्य

- फार्मेसिस्ट
- बीमा अधिकारी
- होम्योपैथिक चिकित्सक
- अनुसंधान पेशेवर
- होम्योपैथिक सलाहकार
- विपणन विशेषज्ञ

सैलरी

- जॉब प्रोफाइल– औसत वेतन
- फार्मासिस्ट– 3.5 लाख
- निजी चिकित्सक– 5.5 लाख
- निजी स्वास्थ्य विशेषज्ञ – 6 लाख
- सामान्य चिकित्सक – 6 लाख
- डॉक्टर– 7 लाख

यह कोर्स कर सकते हैं आप

सर्टिफिकेट कोर्स
बता दें कि होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए तमाम तरह के सर्टिफिकेट कोर्स करवाए जाते हैं। इस सर्टिफिकेट कोर्सेज की अवधि 3 से 6 महीने की होती है।

डिप्लोमा कोर्स
होम्योपैथी में कई प्रकार के अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। इन कोर्स में आप डिप्लोमा इन इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन और डिप्लोमा इन होम्योपैथी एंड मेडिसिन आदि कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्सेज की अवधि 1–2 वर्ष की होती है।

UG कोर्स
स्नातक स्तर पर होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए छात्र क्वास्रू और क्ख्रस्रू आदि पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 3 से 5 साल की होती है।

PG कोर्स
स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र M.D. (होम–फार्मेसी), M.D. (होम–प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन), M.D. (होम्योपैथिक) (मटेरिया मेडिका) आदि कोर्स कर सकते हैं। यह कोर्स 3 साल की अवधि के होते हैं।

BHMS कोर्स सिलेबस
BHMS यानी की बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी कोर्स में बायोलॉजी, शरीर विज्ञान और चिकित्सा की तमाम शाखाओम पर बुनियादी और उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कई विषय पढ़ाए जाते हैं। वहीं डिग्री प्राप्त करने से पहले छात्र को 1 साल की इंटर्नशिप पूरी करनी होती है।

सिलेबस

- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका और चिकित्सीय
- बायोकैमिस्ट्री सहित फिजियोलॉजी
- पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
- फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- शरीर रचना
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- केस टेकिंग और रिपर्टरी
- सामुदायिक चिकित्सा
- ऑर्गन ऑफ मेडिसिन, प्रिंसिपल्स ऑफ होम्योपैथिक फिलॉसफी एंड साइकोलॉजी
- ऑपरेशन
- चिकित्सा का अभ्यास

बता दें कि भारत में केवल 2 कॉलेज ऐसे हैं, जो एमडी होम्योपैथी सिलेबस प्रदान करते हैं। इस सिलेबस में 7 विशेषज्ञताएं शामिल हैं।

- बच्चों की दवा करने की विद्या
- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका
- प्रदर्शनों की सूची
- होम्योपैथिक दर्शन के साथ ऑर्गन ऑफ मेडिसिन
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- मनश्चिकित्सा
- चिकित्सा का अभ्यास

करियर

होम्योपैथी के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। क्योंकि होम्योपैथिक दवाइयों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। इसलिए बहुत सारे लोग होम्योपैथिक इलाज में भरोसा जताते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक पर होम्योपैथिक दवाएं समान रूप से असर करती हैं। होम्योपैथिक दवाइयों का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों में किया जाता है। जिनमें से माइग्रेन, अवसाद, क्रोनिक थकान सिंड्रोम, रूमेटोइड गठिया, एलर्जी, खांसी और सर्दी, चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम आदि का इलाज शामिल है। छात्र इस कोर्स की डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में काम कर अपने करियर को शुरू कर सकते हैं। नीचे दिए गए क्षेत्रों की लिस्ट में आप होम्योपैथिक पेशेवर के तौर पर काम कर सकते हैं।

- केंद्रीय, राज्य व स्थानीय सरकारी व प्राइवेट अस्पताल
- नर्सिंग होम, क्लीनिक और स्वास्थ्य विभाग
- दवा निर्माण इकाइयां (सरकारी, निजी, स्वायत्त, सहकारी क्षेत्र)
- औषधि नियंत्रण संगठन (राज्य और केंद्र सरकार)
- होम्योपैथिक दवा कंपनियां
- प्रबंधन और प्रशासन (सरकारी और निजी)
- चिकित्सा पर्यटन
- होम्योपैथिक विशेषता केंद्र
- नैदानिक परीक्षण (फार्मास्यूटिकल्स)
- स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में तृतीय–पक्ष प्रशासक
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)
- राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि में आप बतौर होम्योपैथिक पेशेवर के रूप में काम कर सकते हैं।
- वहीं जो छात्र पढ़ाने में इंट्रेस्ट रखते हैं, वह मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के रूप में सेवा दे सकते हैं।

इंजीनियरिंग- मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हजारों बच्चों की कामयाबी को लेकर नकारात्मक सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता–पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ–साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता–पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास–पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता–पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता–पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है और इसी में अभिभावकों की खुशी भी छुपी है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत–से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता–पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें। उन्हें यह भरोसा दिलाएं कि अगर वे आपको आपकी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं, तो आप उन्हें कतई निराश नहीं करें।

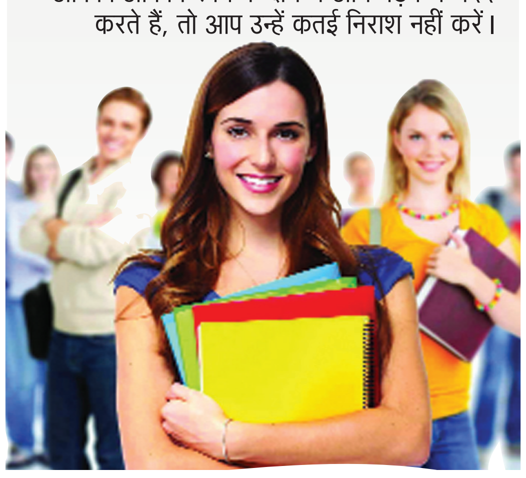

संक्षिप्त समाचार

50 रुपये के शेयर पर पहले ही दिन होगा 80 प्रतिशत से ज्यादा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रीनहाइटेक वेंचर्स के शेयर निवेशकों को पहले ही दिन मालामाल कर सकते हैं। लिस्टिंग वाले दिन ग्रीनहाइटेक वेंचर्स के शेयर 80 पर्सेंट से ज्यादा का फायदा करा सकते हैं। कंपनी के आईपीओ पर लोगों ने जमकर पैसे लगाए हैं। ग्रीनहाइटेक वेंचर्स का आईपीओ टोटल 769 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ है। आईपीओ में कंपनी के शेयरों का दाम 50 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में ग्रीनहाइटेक वेंचर्स के शेयर तगड़े प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम इशारा कर रहा है कि लोगों को पहले ही दिन मोटा मुनाफा हो सकता है। आईपीओ में ग्रीनहाइटेक वेंचर्स के शेयरों का दाम 50 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम बढ़कर 42 रुपये पहुंच गया है। ग्रीनहाइटेक वेंचर्स के शेयरों का जीएमपी इशारा कर रहा है कि कंपनी के शेयर 92 रुपये की रेंज में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, जिन निवेशकों को आईपीओ में कंपनी के शेयर मिले हैं, वह लिस्टिंग वाले दिन 84 पर्सेंट से अधिक फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 22 अप्रैल 2024 को बीएसई के स्मॉल प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। ग्रीनहाइटेक वेंचर्स के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 6.30 करोड़ रुपये का है। ग्रीनहाइटेक वेंचर्स का आईपीओ टोटल 769.95 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 597.41 गुना सब्सक्राइब हुआ है। जबकि अदर्स कैटेगरी में 921.60 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 3000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 150000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 पर्सेंट थी, जो कि अब 73.19 पर्सेंट रह जाएगी।

3 महीने में पैसा डबल, इस खबर के बाद शेयरों का मची लूट, 15 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। जिन कंपनियों के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिली उसमें फोर्स मोटर्स एक है। बीएसई में यह स्टॉक 15.36 प्रतिशत की उछाल के बाद 9320.15 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों का प्रदर्शन बीते कुछ महीनों के दौरान शानदार ही रहा है। आइए जानते हैं कि शुक्रवार की तेजी के पीछे की क्या वजह है कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा था कि 26 अप्रैल को बोर्ड की मीटिंग है। इस मीटिंग में चौथी तिमाही के नतीजों को अप्रूवल दिया जाएगा। यानी इसी मीटिंग के बाद पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के नतीजे सामने आएंगे। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि जनवरी से मार्च 2024 के दौरान कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है। ऐसे में तिमाही नतीजे मजबूत रहेंगे। बोर्ड की मीटिंग के ऐलान के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 9494.35 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। इससे पहले कंपनी का उच्चतम स्तर 9261.80 रुपये (8 अप्रैल 2024) था। बता दें, इस स्टॉक का 52 वीक लो लेवल 1259.10 रुपये प्रति शेयर है। बीते 3 महीने के दौरान ही पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस ऑटोमोबाइल कंपनी ने डबल कर दिया है। इस दौरान फोर्स मोटर्स के शेयरों में 160 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

152 करोड़ प्रॉफिट, अब आईपीओ लेकर आ रही टेक्सटाइल कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी कंपनी- सनाथन टेक्सटाइल्स प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लॉन्च करने वाली है। इसके लिए कंपनी ने 800 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ प्रारंभिक कागजात दाखिल किए हैं।

ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक आईपीओ में 500 करोड़ तक के फ्रेश शेयर हैं। वहीं, आईपीओ में प्रमोटर 300 करोड़ तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) करेंगे। कंपनी 100 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा प्लेसमेंट किया जाता है तो नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

ड्राफ्ट पेपर के मुताबिक 210 करोड़ के शेयरों के फ्रेश इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग कंपनी की सहायक कंपनी - सनाथन पॉलीकॉट प्राइवेट - में निवेश के लिए किया जाएगा ताकि इसकी लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरत को पूरा किया जा सके। वहीं, 175 करोड़ का इस्तेमाल री-पेमेंट के लिए किया जाएगा।

10 रुपये में अपने शेयर बेच रही है दिग्गज कंपनी, दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में इस समय तेजी है। इस उछाल के पीछे की वजह एफपीओ है। कंपनी एफपीओ के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास कर रही है। वोडाफोन आइडिया एफपीओ 18 अप्रैल को खुला था। कंपनी के पास इस एफपीओ पर 22 अप्रैल तक दांव लगाने का मौका है। यानी अब निवेशकों के पास महज एक दिन का ही समय बचा है। कंपनी ने एफपीओ के लिए 10 रुपये से 11 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। ग्रे मार्केट में भी कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार वोडाफोन आइडिया एफपीओ 1.40 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। जोकि 18 अप्रैल के मुकाबले 0.40 रुपये अधिक है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 12.85 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। 2 दिन की बोलियों के दौरान इस एफपीओ को 0.49 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में यह एफपीओ 0.13 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

हिंदुस्तान जिंक को अलग इकाइयों में बांटने पर सरकार से वार्ता जारी रहेगी: सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह कंपनी को कई अलग इकाइयों में बांटने से संबंधित प्रस्ताव पर केंद्र के साथ वार्ता जारी रखेगी। यह बयान खान मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को अलग इकाइयों में बांटने का प्रस्ताव खारिज करने के बीच आया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड अपना बाजार पूंजीकरण बढ़ाने के लिए जिंक एवं चांदी समेत अपने कारोबारों को अलग इकाइयों में बांटने की योजना का ऐलान कर चुकी है।

HINDUSTAN ZINC

हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने कहा कि यह मामला शुक्रवार को निदेशक मंडल की बैठक में भी चर्चा के लिए आया। उन्होंने कहा, ''मैंने निदेशक मंडल को एक बार फिर स्थिति से अवगत कराया और सरकार के साथ वार्ता जारी रखने का वादा किया। मैं अपने तर्क को समझाने की कोशिश करूंगा कि हम ऐसा क्यों करना चाहते हैं। हिंदुस्तान जिंक में सरकार सबसे बड़ी अल्पांश शेयरधारक है। उसके पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मिश्रा ने कहा, ''सरकार विभिन्न मार्गों से विनिवेश की प्रक्रिया में हैं और उसे लगता है कि इस समय कंपनी को अलग इकाइयों में बांटने से विनिवेश का अवसर खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी अभी भी प्रस्ताव पर खान मंत्रालय के साथ बातचीत कर रही है और कुछ मुद्दों का समाधान करने की कोशिश कर रही है।

सिप्ला को झटका, जीएसटी प्राधिकरण ने लगाया 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर अमान्य क्रेडिट (ट्रांजिशनल) का दावा करने के लिए जीएसटी प्राधिकरण ने उस पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मुंबई, महाराष्ट्र के प्रधान आयुक्त से 1,83,17,388 रुपए का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है। यह आदेश केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया। यह आदेश जारी करते हुए जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 में उत्पाद शुल्क व्यवस्था से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान उचित्त पर संक्रमणकालीन यानी 'ट्रांजिशनल क्रेडिट का दावा किया है, जो मान्य नहीं था। प्राधिकरण ने जुर्माने के साथ इसकी वसूली का आदेश दिया। सिप्ला ने कहा कि तथ्यों के आकलन और प्रचलित कानून के आधार पर वह इस संबंध में अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि उक्त आदेश के कारण उसकी वित्तीय स्थिति या परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जियो फाइनेंशियल तिमाही नतीजे

नेट प्रॉफिट 6 प्रतिशत बढ़कर 311 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शुक्रवार को मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए। उसने 311 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। इसमें 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर तिमाही में यह आंकड़ा 294 करोड़ रुपये था। परिचालन से समेकित राजस्व पिछली तिमाही के 414 करोड़ रुपये के मुकाबले 418 करोड़ रुपये पर फ्लैट रहा। मार्च तिमाही में कुल खर्च 103 करोड़ रुपये रहा। जबकि सितंबर तिमाही में यह 98 करोड़ रुपये था।

मार्च 2024 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए वित्तीय सेवा कंपनी का शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 1,604 करोड़ रुपये हो गया। जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह सिर्फ 31 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रेवेन्यू भी कई गुना बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष में यह 42 करोड़ रुपये था। जियो फाइनेंशियल की समेकित आय में इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की अर्निंग शामिल है। इनमें जियो फाइनेंस, जियो पेमेंट सॉल्यूशंस, रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स, जियो इंश्योरेंस ब्रोकिंग, जियो इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज, जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज, रिलायंस सर्विसेज एंड होल्डिंग्स, पेट्रोलियम ट्रस्ट और जेवी फर्म जियो पेमेंट्स बैंक शामिल हैं। चौथी तिमाही में कंपनी की ब्याज आय बढ़कर 281 करोड़ रुपये हो गई। जबकि तीसरी तिमाही में यह 269 करोड़ रुपये थी। इस बीच फीस और कमीशन इनकम बढ़कर 41 करोड़ रुपये हो गई। इस सप्ताह की शुरुआत में जियो फाइनेंशियल ने घोषणा की थी कि उसने अपने धन प्रबंधन और ब्रोकिंग व्यवसाय के लॉन्च के लिए परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म ब्लैकरॉक, इंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की आईएमएफ ने की तारीफ, विश्व बैंक ने भी सराहा

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बसंत बैठक चल रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए भारत की तरफ से आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ भी अमेरिका दौरे पर हैं। अजय सेठ ने बताया कि इस बैठक के दौरान आईएमएफ और विश्व बैंक ने भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की तारीफ की। बैठक में कहा गया कि भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन के दौरान वैश्विक मुद्दों पर जिस तरह से आम सहमति बनाई गई, वह काबिले तारीफ है।

भारत में हुए जी20 सम्मेलन की इस बात को लेकर हुई तारीफ : भारत में 9-10 सितंबर को जी20 सम्मेलन की बैठक हुई थी। इस सम्मेलन में 37 पेज का एक आम सहमति घोषणा पत्र पारित हुआ था, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई मुद्दों पर आम सहमति से कदम उठाए गए थे। भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में विभिन्न मुद्दों पर जिस तरह से सभी की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बैठकें आयोजित की गईं, उसकी भी तारीफ हुई। लोकसभा चुनाव के चलते इस साल की जी20 की बसंत बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल नहीं हुईं। भारत के प्रतिनिधिमंडल में शीर्ष अधिकारी जैसे आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और भारतीय रिजर्व बैंक के प्रमुख शक्तिकांत दास शामिल हैं।

भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं को मिली सराहना

सेठ ने बताया कि आईएमएफ और विश्व बैंक की सालाना बैठक में इस बात की भी सराहना की गई कि वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीतियों और जिम्मेदार राजकोषीय नीतियों से वित्तीय स्थिरता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बैठक में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तपोषण कैसे होना चाहिए, इस बात पर भी चर्चा हुई। अब ब्राजील की अध्यक्षता में जी20 की बैठकें हो रही हैं। बीती 17-18 अप्रैल को जी20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक हुई। बैठकों के दौरान आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब, जापान, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

आईफोन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने की तैयारी में टाटा समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह भारत में आईफोन का मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन में ऑपरेशंस का नियंत्रण हासिल करने की तैयारी में है। उसके लिए ग्रुप पेगाट्रॉन के साथ डील कर सकता है। जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि ये डील मई महीने में फाइनल हो सकती है। अगर ये डील होती है तो माना जा रहा है कि एपल इंक और टाटा ग्रुप के बीच के संबंध और मजबूत होंगे। एपल का हैंडसेट एसेंबल करने वाली इस ताइवानी कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने का प्रोसेस अंतिम चरण में है। बता दें, आईफोन का प्रोडक्शन प्लांट चेन्नई के पास है, जबकि एक और प्लांट लगाने के लिए काम चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस डील के बाद पेगाट्रॉन टाटा ग्रुप को मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में मदद कर सकती है। डील पूरी होने के बाद टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड पेगाट्रॉन के ऑपरेशंस को चलाएगी।

बता दें, इससे पहले भी दोनों इकाइयों के बीच बातचीत की खबरें आई थीं। वहीं इस ताजा खबर को लेकर टाटा ग्रुप और पेगाट्रॉन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन इस डील को अहम इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि एपल इस समय भारत में अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए कोशिश में लगी हुई है। वहीं स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने भी कई तरह के फाइनेंशियल इंसेंटिव का ऐलान किया है।

पाकिस्तान ने आईएमएफ से एक और बेलआउट पैकेज की मांग की, अगले महीने रिव्यू मिशन भेजने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से जलवायु वित्तपोषण के साथ छह से आठ अरब डॉलर के बीच का अगला राहत पैकेज देने का औपचारिक अनुरोध किया है। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने आईएमएफ से विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत तीन साल के अगले राहत पैकेज के ब्योरे को अंतिम रूप देने के लिए अपने रिव्यू मिशन को अगले महीने भेजने का भी अनुरोध किया है।

नए पैकेज का सटीक आकार और समय सीमा मई 2024 में अगले बेलआउट के प्रमुख संदर्भों पर आम सहमति बनाने के बाद ही निर्धारित की जाएगी। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल वर्तमान में आईएमएफ/विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए वाशिंगटन के दौरे पर है। हालांकि एक पाकिस्तानी अधिकारी अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश कर रहे हैं तो दूसरी ओर आईएमएफ ने मध्य पूर्व और मध्य एशिया के लिए जारी अपने नवीनतम क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक (आरईओ) में कहा कि नकदी की कमी वाले देश (पाकिस्तान) के बाहरी बफर खराब हो गए हैं। यह चिंता खासकर ज्यादातर यूरोबॉन्ड के पुनर्भुगतान और ऋण सेवाओं के बारे में हैं।

रिपोर्ट के अनुसार जहां महंगाई का दबाव बना रहता है, खासकर मिस्र, कजाखस्तान, पाकिस्तान, ट्यूनिशिया और उज्बेकिस्तान, वहां मौद्रिक नीति को कड़ा रहना चाहिए और मुद्रास्फीति की स्थिति बहुत अधिक पलट की ना जाए उसके जोखिम पर भी बारीकी से निगरानी करते हुए डेटा पर निर्भर रहना चाहिए।

2023 में गिरावट के बाद, पाकिस्तान की विकास दर में 2024 में 2 प्रतिशत तक सुधार होने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था में यह वृद्धि कृषि और कपड़ा क्षेत्रों में सकारात्मक बदलावों से आने की अपेक्षा की जा रही है। इस बीच, पाकिस्तान वित्त मंत्री औरंगजेब ने वाशिंगटन में विश्व बैंक को बताया कि प्रमुख क्षेत्रों में सुधार एजेंडा के पूरी तरह लागू होने के साथ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के 2047 तक 3,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है।

आईएमएफ के साथ पाकिस्तान का मौजूदा 3 बिलियन अमरीकी डालर का समझौता अप्रैल के अंत में पूरा हो रहा है। वहां की सरकार व्यापक आर्थिक स्थिरता को स्थायी बनाए रखने में मदद के लिए एक लंबा और बड़ा ऋण मांग रही है, जिससे देश बहुत जरूरी संरचनात्मक सुधारों को लागू कर सके। वहीं, आईएमएफ ने कहा है कि नए ऋण पैकेज के लिए बातचीत हो रही है वह अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और सुधारों को प्राथमिकता देने के लिए नाकाफी है।

विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट, 5.40 बिलियन डॉलर घटकर 643.16 अरब डॉलर पर आ गया फॉरेक्स रिजर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक उठापटक के चलते निवेशकों को निवेश निकालने और डॉलर के सामने रुपए में आई कमजोरी के चलते विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 12 अप्रैल 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.40 बिलियन डॉलर घटकर 643.16 बिलियन डॉलर पर आ गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर बैंकिंग सेक्टर के रेग्युलेयर भारतीय रिजर्व बैंक ने डेटा जारी किया है। आरबीआई के मुताबिक 12 अप्रैल 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है और ये 5.40 बिलियन डॉलर की गिरावट के साथ 643.16 बिलियन डॉलर पर आ गया है। इसके पहले 5 अप्रैल 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वकालिक उच्च स्तर 648.562 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक इस दौरान विदेशी करेंसी एसेट्स 6.51 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 564.65 बिलियन डॉलर पर आ गया है। हालांकि इस अवधि के दौरान आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में उछाल देखने को मिला है। गोल्ड रिजर्व 1.241 बिलियन डॉलर के उछाल के साथ 55.79 बिलियन डॉलर पर आ गया है, जबकि एसडीआर 93 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 18.07 बिलियन डॉलर और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड के पास जमा रिजर्व 35 मिलियन डॉलर की कमी के साथ घटकर 4.63 बिलियन डॉलर पर आ गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट के कारणों पर नजर डालें तो इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और इसके चलते कच्चा तेल समेत कमोडिटी के दामों में उछाल के कारण रुपया डॉलर के मुकाबले बेहद कमजोर हुआ है। इस बात के आसार हैं कि रुपए को थामने के लिए रिजर्व बैंक ने करेंसी मार्केट में दखल दिया जिसके चलते डॉलर रिजर्व घटा है। घरेलू करेंसी को संभालने या डॉलर के मुकाबले गिरावट रोकने के लिए आरबीआई जब भी दखल देता है तब विदेशी मुद्रा भंडार में बदलाव देखने को मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

पाक वर्सेस न्यूज़ीलेंड

बाबर और कोहली के इस संयुक्त रिकॉर्ड को एक साथ तोड़ने के करीब हैं रिजवान

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है और इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान आई हुई है। इन दोनों टीमों के बीच इस टी20आई सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को रावलपिंडी में

खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के पास एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका है जो अभी बाबर आजम और विराट कोहली के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है।

सबसे तेज 3000 रन बनाने के करीब रिजवान- न्यूजीलैंड के खिलाफ रिजवान के पास टी20आई में सबसे तेज 3000 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने काम करने का अच्छा मौका है और इसके लिए उन्हें 19 रन की जरूरत है। कीवी टीम के

खिलाफ 19 रन बनाते ही रिजवान टी20आई में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे और बाबर व कोहली को पीछे छोड़ देंगे। बाबर और कोहली ने टी20आई में 81-81 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। वहीं रिजवान की बात करें तो उन्होंने अब तक टी20आई में 91 मैचों की 78 पारियों में 2981 रन बनाए हैं। 19 रन बनाते ही वो 3000 रन 79 पारियों में पूरे कर लेंगे और बाबर साथ ही कोहली से आगे निकल जाएंगे।

टी20आई में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

बाबर आजम ङ्क 81 पारी
विराट कोहली ङ्क 81 पारी
एरोन फिंच ङ्क 98 पारी
मार्टिन गप्टिल ङ्क 101 पारी
डेविड वॉर्नर ङ्क 102 पारी

पहला मैच बारिश में धुला

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला मुकाबला गुरुवार को खेला जाना था, लेकिन बारिश की वजह से ये मैच नहीं हो पाया। हालांकि बाद में 5-5

ओवर का मैच करवाने का फैसला किया गया था, लेकिन बारिश ने इसमें भी बाधा डाल दी थी। इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीता था और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इस मैच में पाकिस्तान की तरफ से सिर्फ 2 गेंदें पेंकी गई थी। बारिश की वजह से मैच का कोई फैसला नहीं निकल पाया और फैंस को निराशा हाथ लगी थी।

विनेश फोगाट से मानसी तक...

4 महिला पहलवान 'पेरिस' से सिर्फ एक कदम दूर

नईदिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में हिस्सा लेना हर एथलीट का सपना होता है. इस साल यानी 2024 में खेले जाने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए सभी एथलीट जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं. अब चार भारतीय महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने से सिर्फ एक कदम दूर हैं. यानी एक और जीत हासिल करते ही चारों भारतीय महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में जगह बना लेंगी. चार महिला पहलवानों में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा), मानसी अहलावत (62 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा) शामिल हैं. चारों ही भारतीय महिला बिश्केक में हो रहे एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं. अब सेमीफाइनल मुकाबला जीतते ही चारों पहलवान पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए कोटा हासिल कर लेंगी.

विनेश फोगाट ने 50 किलोग्राम वर्ग में कंबोडियाई की प्रतिद्वंद्वी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. बता दें कि अंतिम पंघाल 53 किलोग्राम वर्ग में पहले ही पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुकी हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि फाइनल में पहुंचकर कौन-कौन महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में कोटा हासिल कर पाती हैं. गौरतलब है कि वर्ल्ड

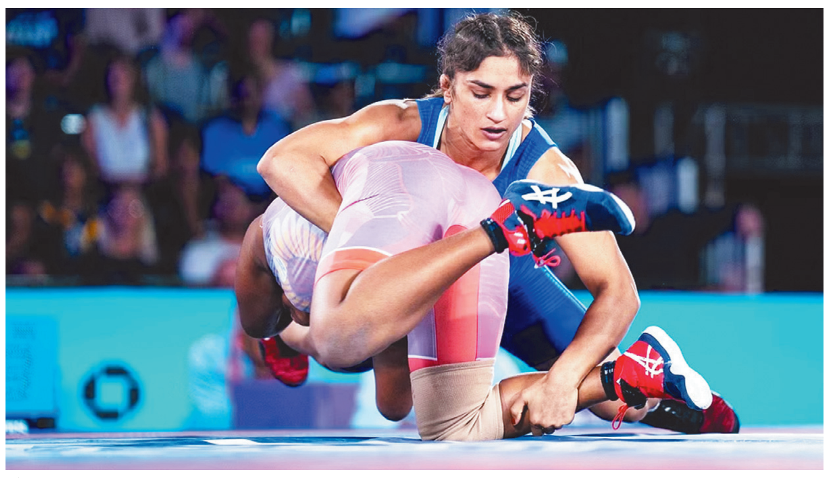

चैंपियशिप 2021 में सिल्वर मेडल जीतने वाली अंशू मलिक ने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिमबेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के साथ हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की. वहीं अंडर 23 वर्ल्ड चैंपियन रीतिका ने युंजू ह्वांग और मंगोलिया की दवानासन एनख अमर पर जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह हासिल की. बाकी मानसी अहलावत ने कजाकिस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की.

बॉक्सिंग में यह महिलाएं खिलाड़ी हासिल कर चुकी हैं कोटा

माहिला भारतीय बॉक्सर्स में लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम वर्ग में, निखत ज़रीन ने 50 किलोग्राम वर्ग में, परवीन हुड्डा ने 57 किलोग्राम वर्ग में और प्रीति पवार ने 54 किलोग्राम वर्ग में पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा हासिल कर लिया है.

भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने से चूके

बिश्केक, एजेंसी। अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। अमन सहरावत एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल हारने के बाद पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने से चूक गए, जबकि दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को वजन करने के लिए समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला।

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन- अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

अन्य पहलवान भी प्रभाव छोड़ने में रहे विफल

अमन के अलावा जयदीप ने भी 74 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत की और तुर्कमेनिस्तान के अल अर्सलान बेगेनजोव को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के ओरोजोबेक तोक्तोमाम्बेतोवबाद के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद हार गए। सुमित मलिक (125 किग्रा) भी अपने पहले दौर में किर्गिस्तान के लखागवागेरेल मुनख्तूर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए, जबकि दीपक (97 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर में अराश योशिदा से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए।

दीपक और सुजीत को नहीं मिली खेलने की अनुमति - दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किग्रा) टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। महिलाओं की स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें सबसे ज्यादा नजरें विनेश फोगाट (50 किग्रा) पर होंगी। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के बाद पहलवानों को मई में तुर्की में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर से एक और मौका मिलेगा।

उम्मीद है चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे

संजय मांजरेकर ने क्यों कही ये बात

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स के शीर्ष क्रम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच रिंकू सिंह को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है। रिंकू ने बतौर फिनिशर पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बौदलत उन्हें भारतीय टीम में उन्हें जगह मिली थी। भारत के लिए भी उन्होंने कई मैच फिनिश किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर को लगता है कि केकेआर के लिए बल्लेबाजी का ज्यादा मौका न मिलना रिंकू को भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह न देने का यह कोई कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिंकू को ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है और उम्मीद है चयनकर्ता उन्हें नहीं भूलेंगे। रिंकू ने इस सीजन 51 गेंद पर 83 रन बनाए हैं। 26 उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनका स्ट्राइक रेट 162.75 का है।

मांजरेकर ने रिंकू सिंह को लेकर क्या कहा?

मांजरेकर ने रिंकू को लेकर फर्स्टपोस्ट से कहा, क्योंकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे। वह सीधे तौर पर भारतीय टीम में चयन होना चाहिए। जब भी उन्हें अवसर मिला है, आपने देखा है कि उन्होंने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। अपनी निरंतरता और रेज दिखाई है। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों के अलावा, उन बड़े नामों के अलावा जिनके बारे में हम सोच रहे हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूं।

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया- रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसमें उन्होंने 7 मैचों में नाबाद रहते हुए 176.23 के स्ट्राइक रेट से 356 रन बनाए हैं। उनका औसत 89 रन का है। ऐसे में बतौर फिनिशर उन्हें भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलनी चाहिए। 1 जून से यह टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन 1 मई से पहले हो जाएगा।

केएल राहुल ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

कार्तिक समेत कई दिग्गज छूटे पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के इस सीजन में कई नए रिकॉर्ड बन रहे हैं तो कई पुराने रिकॉर्ड टूट भी रहे हैं. केएल राहुल ने आईपीएल 2024 के 34वें मैच में एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. जो पहले धोनी के नाम था. केएल राहुल आईपीएल में सबसे ज्यादा पचास प्लस स्कोर बनाने वाले विकेटकीपर बन गए हैं. इस फेहरिस्त में कई दिग्गज विकेटकीपर भी शामिल हैं.

50 से अधिक स्कोर बनाने वाले विकेटकीपर

अगर हम 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले टॉप 5 विकेटकीपरों की बात करें तो इस फेहरिस्त में सबसे पहला नाम केएल राहुल का है. जो पहले एमएस धोनी के नाम पर था. केएल राहुल अब तक 25 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं. एमएस धोनी ने 24 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. तीसरे नंबर पर क्विंटन डी कॉक हैं. डी कॉक ने अब तक 23 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है. तो चौथे नंबर पर हैं दिनेश कार्तिक. दिनेश ने अब तक 21 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. वहीं पांचवें नंबर पर रॉबिन उथप्पा का नाम है. उन्होंने 18 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है.

आईपीएल 2024 के 34वें मैच में केएल राहुल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कप्तानी पारी खेली. जिसके चलते एलएसजी की टीम ने यह मैच आसानी से जीत लिया. केएल राहुल ने 53 गेंदों पर 154.72 की स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए. जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे. पहले विकेट के लिए क्विंटन डी कॉक और केएल राहुल के बीच 134 रन की साझेदारी हुई. 6 गेंद रहते ही एलएसजी ने 8 विकेट से मैच जीत लिया.

लखनऊ में आईपीएलएल कप्तानों पर

बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

राहुल-गायकवाड़ को मिली इस बड़ी गलती की सजा

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 19 अप्रैल को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह मैच तो होम टीम जीत गई। लेकिन बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के चलते 12 लाख का जुर्माना भी ठोका है। बता दें कि लखनऊ के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर स्लो ओवर रेट की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जुर्माना लगाया है। आईपीएल की आचार संहिता के तहत दोनों कप्तानों की टीमों का सीजन का पहला अपराध था। इसलिए उनपर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के चलते इस सीजन फाइन लग चुका है।

लखनऊ ने 8 विकेट से जीता मैच- लखनऊ सुपर जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 176 रन बनाए। सीएसके की तरफ से सर्वाधिक 57 रन रविंद्र जडेजा ने बनाए। उनके अलावा मोइन अली ने तो एमएस धोनी ने 311 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 9 गेंद में नाबाद 28 रन ठोके। अजिंक्य रहाणे ने भी ऊपर 36 रन की अच्छी पारी खेली। लखनऊ की तरफ से सर्वाधिक 2 विकेट क्रुणाल पंड्या ने लिए। इसके अलावा मोहसिन खान, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और मार्कस स्टोयनिस को एक-एक सफलता मिली। 177 रन का टारगेट लखनऊ सुपर जायंट्स ने बड़ी आसानी के साथ 19 ओवर में 8 विकेट रहते चेज कर लिया। लखनऊ के लिए कप्तान राहुल और डि कॉक ने मैच विनिंग पारी खेली। केएल राहुल ने 9 चौके और 3 छक्के की मदद से 53 गेंद में 82 रन बनाए। वहीं डि कॉक ने 43 बॉल में 54 रन की पारी खेली। पूरन ने भी 23 रन की नाबाद पारी खेली। चेन्नई की ओर से मथीषा पथिराना औप मुस्ताफिजुर रहमान को 1-1 सफलता मिली।

धोनी 5000 आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में सबसे बड़ा टारगेट चेज, राहुल ने 25वां 50+ स्कोर बनाया, रिकॉर्ड्स इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स को तीसरी हार मिली। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स ने लखनऊ में सबसे बड़ा टारगेट चेज कर सीएसके को 8 विकेट से हरा दिया। चेन्नई से एमएस धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, वह 40 की उम्र के बाद 500 आईपीएल रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। धोनी ने बतौर विकेटकीपर 5 हजार आईपीएल रन भी पूरे कर लिए, वह ऐसा करने वाले पहले विकेटकीपर बने। स्न्न के कप्तान केएल राहुल बतौर

विकेटकीपर सबसे ज्यादा 25 बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले प्लेयर बन गए।

40 की उम्र के बाद धोनी के नाम सबसे ज्यादा रन

सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, इसी के साथ उनके 40 की उम्र के बाद आईपीएल में 500 रन पूरे हो गए। वह आईपीएल में 40 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए। धोनी फिलहाल 42 साल के हैं। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 40 की उम्र के बाद 481 आईपीएल रन बनाए हैं।

- **धोनी का स्ट्राइक रेट पिछले 2 साल में सबसे बेस्ट-** ष्टस्य़ के एमएस धोनी ने पिछले साल आईपीएल में 182.46 की स्ट्राइक रेट से 104 रन बनाए। इस साल वह 255.88 की स्ट्राइक रेट से 87 रन बना चुके हैं। आईपीएल में पिछले 2 साल में 50 से ज्यादा गेंदें खेलने वाले प्लेयर्स में धोनी का स्ट्राइक रेट से सबसे बेहतर है। वह 209.89 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। उनके बाद स्ऱ्॥ के अभिषेक शर्मा ने 205.26 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।
- **3. धोनी 5 हजार आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर-** एमएस धोनी बतौर विकेटकीपर खेलते हुए आईपीएल में 5000 से ज्यादा रन पूरे कर चुके हैं। वह ऐसा करने वाले पहले ही विकेटकीपर बने। उन्होंने बतौर विकेटकीपर 251 मैच भी खेल लिए हैं। धोनी के बाद आरसीबी के दिनेश कार्तिक ने बतौर विकेटकीपर 228 मैचों में 4363 रन बनाए हैं।

सिर चढ़कर बोली चेन्नई सुपर किंग्स की दीवानगी, फैन ने सीएसके की थीम पर बनवाया शादी का कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की वह टीम है, जिसे हर मैदान पर होम ग्राउंड जैसा ट्रीमेंट मिलता है. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम के साथ-साथ फैंस सीएसके को सपोर्ट करने के लिए हर मैदान में पहुंचते हैं. चेन्नई का मैच कहीं भी किसी भी टीम के खिलाफ हो, क्राउड आपको पीली जर्सी में ही नज़र आएगा. चेन्नई को फैंस इतना ज़्यादा प्यार एमएस धोनी की वजह से करते हैं. अब मैदान के बाहर भी चेन्नई की दीवानगी फैन के सिर चढ़कर बोली और उसने अपनी शादी का कार्ड सीएके की थीम पर बनवा लिया.

चेन्नई सुपर किंग्स की थीम वाला शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर तेज़ से वायरल हो रहा है. इस कार्ड को चेन्नई सुपर किंग्स के मैच टिकट की तरह डिजाइन किया गया. कार्ड में एंट्री फीस की जगह, आपका प्यार लिखा गया, टैक्स की जगह, आशीर्वाद और टोटल वैल्यू की जगह, आपकी उपस्थिति लिखी गई.

जब पहली ही फिल्म में मिला सलमान के साथ काम करने का मौका

ऐसा था जरीन का रिएक्शन

रीन खान ने साल 2010 सलमान की फिल्म वीर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि जब वो अपनी पहली ही फिल्म में सलमान जैसे मेगास्टार के साथ काम कर रही थीं, तो उनका रिएक्शन कैसा था. उस समय उनकी तुलना कटरीना कैफ से भी हुई थी.

जरीन खान ने सलमान खान की फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था. डेब्यू के साथ ही एक्ट्रेस अपने लुक्स की वजह से चर्चा में रहीं. लोग उनकी तुलना कटरीना कैफ से करने लगे थे. फीवर डिजिटल से बात करते हुए जरीन ने अपने बीते दिनों को याद किया है और अपनी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की है. जरीन के मुताबिक, उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि उन्हें सलमान खान जैसे मेगा स्टार के साथ काम करने का मौका मिला है.

बातचीत के दौरान जरीन खान बताती हैं कि वो हर वक्त सलमान को देखती रहती थीं, क्योंकि उन्हें यकीन ही नहीं होता था कि सच में उनके साथ ये सब हो रहा है. जरीन खान इस समय अपने परिवार के साथ मुंबई में रह रही हैं. जीवन से मिले कुछ सबक के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वो कभी भी चीजों को हल्के में नहीं लेती हैं. उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा भी होता है जब वो पूरी तरह उदास हो जाती हैं और काम नहीं करना चाहतीं, लेकिन फिर वो खुद को समझती हैं और आगे बढ़ती हैं.

भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर 2' की शूटिंग हुई पूरी

मशहूर यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शूटिंग पूरी होने पर अभिनेता ने सभी का आभार जताया है। बता दें कि भुवन बम की वेब सीरीज 'ताजा खबर' को हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया था। इस सीरीज को फैंस और दर्शकों का काफी प्यार भी मिला था। अब अभिनेता इसकी दूसरी श्रृंखला लेकर प्रस्तुत हैं। उम्मीद की जा रही है कि इसका दूसरा सीजन जल्द ही हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। कंटेंट निर्माता और अभिनेता भुवन बाम ने शूटिंग पूरी होने पर कहा, 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग घर वापसी जैसी थी। सेट पर हर दिन बहुत ही शानदार रहा। हमारी टीम एक परिवार की तरह है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा की हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। श्रिया, प्रथमेश, देवेन जी और सभी सीजन 2 की शूटिंग के लिए उत्साहित थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे याद है जब मैंने सीजन 1 लॉन्च किया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसे इतना प्यार मिलेगा, खासकर मेरे किरदार 'वसंत' को। अब सीजन 2 आने के लिए तैयार है। मैं इसका इंतजार नहीं कर पा रहा हूं कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक दूसरे सीजन का आनंद लेंगे। सीरीज की अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने कहा कि ताजा खबर सीजन 2 की शूटिंग बहुत मजेदार रही। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। यह शानदार सफर रहा। मैं मधु का किरदार निभाने और सेट के अनुभव को याद करूंगी। मैं इंतजार में हूं कि नए सीजन पर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। अभिनेत्री आगे कहती हैं कि इस सीजन में 'मधु' का नया अवतार देखने को मिलेगा। बता दें कि यह सीरीज 'बीबी के वाइन्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित है। इसका निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। सीरीज में भुवन बाम के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

हर्षवर्धन कपूर ने ट्रोल करने वालों को दिया मुंहतोड़ जवाब

सोशल मीडिया पर अक्सर सितारे ट्रोल्स के निशाने पर रहते हैं। आए दिन बॉलिवुड अभिनेता-अभिनेत्रियों की ट्रोलिंग से जुड़ी खबरें सुर्खियां बटोरती हैं। ताजा मामले में ट्रोल्स ने हर्षवर्धन कपूर को शिकार बनाया है। उनके एक पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, एक अच्छी फिल्म करो, कब तक आप अपने पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इसके बाद हर्षवर्धन कपूर ने भी ट्रोल करने वालों को तगड़ा जवाब दिया । हर्षवर्धन अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स को आड़े हाथ लेते रहते हैं । वह अन्य सितारों की तरह ट्रोलर्स को नजरअंदाज नहीं करते । हाल हीं में एक ट्रोल ने उनकी अभिनय क्षमता, फिल्मों के चयन को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने पिता अनिल कपूर के पैसे से जूते खरीदते हैं।

दरअसल हर्षवर्धन कपूर ने मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम को लेकर एक आलोचनात्मक पोस्ट अपने एक्स अकाउंट पर किया था। इस पर एक ट्रोल ने कमेंट किया, एक अच्छी फिल्म कर लो, कब तक पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इस पर हर्षवर्धन ने जवाब दिया, मैं तुम्हारी फिल्में कहां देख सकता हूं? तुमने कितनी फिल्में की हैं? मैनें तो रे,थार,भावेश जोशी, ए.के. वर्सेज ए.के. और मिर्जया की हैं, तुम कौन हो?.. एक हारा हुआ व्यक्ति! हर्षवर्धन कपूर एक प्रतिभावान अभिनेता हैं, जिन्हें मिर्जया और भावेश जोशी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हालांकि इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कामयाबी तो हासिल नही की, लेकिन दर्शकों से इन्हें प्यार जरूर मिला।

सीरीज पाताल लोक का अगला भाग नहीं लाना चाहते अभिषेक बनजी!

अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दूसरे सीजन की कहानी पर काम करीब करीब पूरा हो चुका है। सीरीज के लीड कलाकार जयदीप अहलावत अपने लोकप्रिय किरदार हाथीराम चौधरी के साथ फिर से वापसी की तैयारी शुरू कर चुके हैं। हालांकि, बता दें कि पाताल लोक 2 के बारे में सुनते ही सीरीज में हथौड़ा त्यागी उर्फ अभिषेक बनर्जी दुखी हो जाते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में हथौड़ा त्यागी की भूमिका निभाने वाले अभिषेक बनर्जी ने खुलासा किया है कि जब भी पाताल लोक 2 सीरीज के बारे में बात होती है तो उनका मन काफी दुखी हो जाता है। अभिनेता के इस बयान से फैंस काफी हैरान हो गए हैं। हालांकि, अभिषेक ने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया है।

बॉलीवुड में सही प्रोजेक्ट नहीं मिलने पर बोलीं परिणीति

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इस समय इम्तियाज अली की फिल्म अमर सिंह चमकीला में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। निजी जिंदगी को लेकर भी परिणीति खूब लाइमलाइट में रहती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म उद्योग में लॉबिंग प्रणाली के बारे में खुलकर बात की है। अपने हालिया साक्षात्कार में परिणीति ने कहा कि वह कभी भी उन पार्टियों में शामिल नहीं होती हैं, जहां कलाकारों के लिए प्रोजेक्ट बनाए जाते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया कि उनका पीआर गेम बाकी कलाकारों की तुलना में मजबूत नहीं है, लेकिन उन्हें खुद पर भरोसा है और वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माता उनसे वही भूमिकाएं दें, जिन्हें वह करने में सक्षम हैं। परिणीति का कहना है कि उन्होंने अमर सिंह चमकीला जैसे मौके के लिए करीब 10 साल तक इंतजार किया। फिल्म में वह सिंगर अमरजोत यानी अमर सिंह चमकीला की पत्नी का किरदार निभाया है।

सामंथा ने जान्हवी की फिल्म उलझ की तारीफों के बांधे पुल

जान्हवी कपूर के पास कई बड़े प्रोजेक्स की फिल्में हैं। जिसमें उनकी तेलुगु डेब्यू फिल्म भी शामिल है। इस तेलुगु फिल्म में वह जूनियर एनटीआर और राम चरण के साथ नजर आएंगी। इसी के साथ उनकी फिल्म उलझ रिलीज के लिए तैयार है। निर्देशक सुधांशु सारिया की आने वाली सस्पेंस थ्रिलर फिल्म उलझ का टीजर 17 अप्रैल को रिलीज किया था। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई थी। फिल्म उलझ को सोशल मीडिया पर पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहे हैं। सबसे पहले जान्हवी कपूर की उलझ को लेकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का प्रतिक्रिया आई थी और इसके बाद राजकुमार राव की प्रतिक्रिया आई थी। अब इसी लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है बॉलीवुड अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु का। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ को लेकर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होने कैप्शन दिया, असाधारण है आपका यह लुक। पहले से भी और अधिक मजबूत जान्हवी कपूर। इसके बाद जान्हवी ने समांथा के इस पोस्ट पर रिप्लाई किया। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही हॉलीवुड स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज सिटाडेल के हिंदी रुपांतरण को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही हैं।

साल 2024 में इन सितारों के घर गूंजेगी किलकारी

बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने अब फिल्मों से ब्रेक लेने का सोच लिया है। क्योंकि यह सभी हसीनाएं मां बनने वाली हैं। दीपिका पादुकोण, ऋचा यामी गौतम और अमाला पॉल प्रेगनेंट हैं। इन सभी ने अपनी प्रेगनेंसी की खबर को सोशल मीडिया पर एक प्यारे नोट के साथ शेयर किया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानाकारी दी थी कि कब वह एक नन्हें बच्चे की मां बनेगी।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण और रणवीर की शादी 2018 में हुई थी, जिसके छह साल बाद दोनों पेरेंट्स बनने को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। कुछ हफ्ते पहले ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपने जीवन की सबसे बड़ी खबर को सोशल मीडिया पर शेयक किया। कपल ने बताया था की वह इस साल सितंबर में बच्चे का स्वागत करने वाले है। दीपिका के इस पोस्ट के बाद कई बॉलीवुड, टीवी जगत की तमाम हस्तियों ने दीपिका और रणवीर सिंह को बधाई दी।

ऋचा चड्ढा-अली फजल

ऋचा चड्ढा और अली फजल भी जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। शादी के 4 साल बाद उनके घर में खुशखबरी आने वाली है। वो अपने पहले बच्चे का वेलकम जल्द ही करेंगे।

प्रेगनेंसी की खुशखबरी को उन्होंने 9 फरवरी को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। अली ने इंस्टाग्राम पर 2 तस्वीरें पोस्ट की थीं। एक तस्वीर में 1+1=3 लिखा था और दूसरी तस्वीर में ऋचा और अली साथ में पोज देते नजर आए थे। इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा था- एक छोटी सी दिल की धड़कन हमारी दुनिया की सबसे तेज आवाज है। ऋचा और अली ने मार्च 2020 में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों ने रीति रिवाजों के साथ 2022 में अपनी फैमिली और फ्रेंड्स के साथ सभी रस्में निभाई थी।

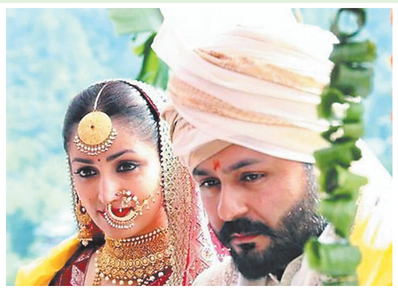

यामी गौतम-आदित्य धर

आर्टिकल 370 अभिनेत्री यामी गौतम भी मां बनने वाली हैं। उनकी प्रेगनेंसी को पांच महीने से ऊपर हो गए हैं। उनके पति और फिल्ममेकर आदित्य धर ने फिल्म आर्टिकल 370 की शूटिंग के दौरान फैंस के साथ यामी की प्रेगनेंसी की खुशखबरी बताई थी। वो मई में बेबी को जन्म देंगी।

अमाला पॉल

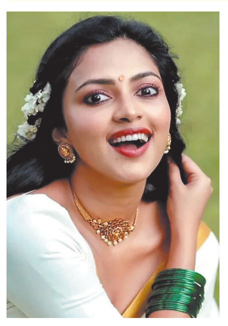

फेमस साउथ इंडियन एक्ट्रेस अमाला पॉल अपने वर्क फ्रंट और फैमिली फ्रंट दोनों में खुशनुमा दिनों को इंजॉय कर रही हैं। शादी के दो महीने बाद ही फैंस को गुड न्यूज देने वाली आडुजीवितम द गोट लाइफ अभिनेत्री अमाला पॉल ने गोदभराई की तस्वीरें शेयर की हैं। इसी साल जनवरी में उन्होंने एक दिलचस्प पोस्ट के साथ अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी.

प्रिंस-युविका

युविका और प्रिंस ने साल 2018 में बड़ी ही धूम-धाम से मुंबई में शादी रचाई थी। शादी के पांच साल बीत जाने के बाद एक्ट्रेस ने अपनी फैमिली प्लानिंग को लेकर कई बाते की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक युविका जल्द ही मां बनने वाली हैं।

- साभार एजेंसी